हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

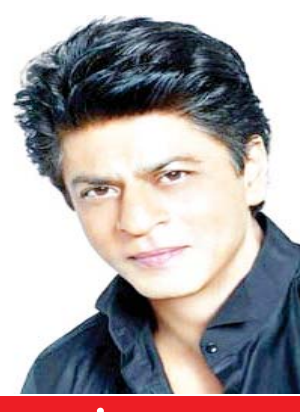

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 18 अक्टुबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :153 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

2 महीने में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार, सुप्रीम कोर्ट पहुंची याचिका,

एजेंसी

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने 17 अक्टूबर को कहा कि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा "समयबद्ध" बहाल करने की मांग वाली याचिका को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा। आवेदकों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की अगुवाई वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ से आग्रह किया कि याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि राज्य का दर्जा प्रदान करने के लिए एक एमए (विविध आवेदन) है। यह नोट किया गया था (पिछले साल के फैसले में) कि इसे समयबद्ध किया जाना चाहिए।सीजेआई ने कहा कि मैं इससे निपटूंगा। ताजा आवेदन जम्मू-कश्मीर में एक शिक्षाविद् जहूर अहमद भट और एक सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता खुर्शीद अहमद मलिक द्वारा दायर किया गया था। 11 दिसंबर, 2023 को, एक ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने को बरकरार रखा था।

चंडीगढ़ में हुई NDA चीफ मिनिस्ट्रर काउंसिल की बैठक,

पीएम मोदी ने की अध्यक्षता, इन मुद्दों पर हुई बात

भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने विकास के मुद्दों, संविधान के अमृत महोत्सव और लोकतंत्र की हत्या के प्रयास की 50वीं वर्षगांठ वर्ष, जो 1975 में लगाए गए आपातकाल का संदर्भ है।

एजेंसी

चंडीगढ: महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों से पहले और हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों के ठीक बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों की परिषद की बैठक आज चंडीगढ़ में संपन्न हुई। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने विकास के मुद्दों, संविधान के 'अमृत महोत्सव' और लोकतंत्र की "हत्या के प्रयास" की 50वीं वर्षगांठ वर्ष, जो 1975 में लगाए गए आपातकाल का संदर्भ है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा, जो भाजपा अध्यक्ष भी हैं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, दो उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और अजीत बैठक में पवार, गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

के शपथ ग्रहण समारोह के बाद यह सम्मेलन शुरू हुआ। सैनी ने दूसरी बार हरियाणा की कमान संभाली है। भाजपा ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 13 मुख्यमंत्री और 16 उप मुख्यमंत्री उसके हैं और महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, सिक्किम, नगालैंड तथा मेघालय के मुख्यमंत्री उसके सहयोगी दलों के हैं। यह पिछले कुछ साल में राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का इस तरह का पहला सम्मेलन है। भाजपा और उसके सहयोगी दल अगले महीने महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में विपक्षी गठबंधन से मुकाबला करने के लिए तैयारी में लगे हैं। सम्मेलन में सैनी के अलावा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, नगालैंड के मुख्यमंत्री नीफियू रियो, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी तथा अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू शामिल हुए। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, मणिपुर के मुख्यमंत्री ए बीरेन सिंह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग तथा त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा भी सम्मेलन में शिरकत की। बयान के अनुसार, ह्यह्यइस बैठक में विचार-विमर्श का एक निश्चित एजेंडा होगा जिसमें राष्ट्रीय विकास के मुद्दे शामिल होंगे। इसमें संविधान का अमृत महोत्सव मनाने और लोकतंत्र की हत्या के प्रयास की 50वीं वर्षगांठ जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।ह्ल बयान में कहा गया है कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू और नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो चर्चा की शुरूआत करेंगे।भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने विकास के मुद्दों, संविधान के अमृत महोत्सव और लोकतंत्र की हत्या के प्रयास की 50वीं वर्षगांठ वर्ष, जो 1975 में लगाए गए आपातकाल का संदर्भ है।

देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का कौन होगा उत्तराधिकारी? 10 नवंबर को है रिटायरमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश की है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले शुक्रवार को निवर्तमान सीजेआई को एक पत्र भेजा था, जिसमें उनसे प्रक्रिया ज्ञापन के अनुसार सिफारिश करने को कहा गया था। सीजेआई चंद्रचूड़ भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने 17 दिसंबर, 2022 को पद की शपथ ली और भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश बने। शपथ लेने के बाद जस्टिस चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उनके पिता वाईवी चंद्रचूड़ भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) रहे और 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक इस पद पर रहे।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के 10 नवंबर, 2024 से 13 मई, 2025 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करने की उम्मीद है। सीजेआई के बाद सुप्रीम कोर्ट में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में, न्यायमूर्ति खन्ना का जनवरी 2019 में शीर्ष अदालत में पदोन्नत होने के बाद से एक उल्लेखनीय न्यायिक करियर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में उनकी नियुक्ति ने विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि उन्होंने उम्र और उम्र दोनों में 33 वरिष्ठ न्यायाधीशों को नजरअंदाज कर दिया था। अनुभव।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के 10 नवंबर, 2024 से 13 मई, 2025 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करने की उम्मीद है। सीजेआई के बाद सुप्रीम कोर्ट में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में, न्यायमूर्ति खन्ना का जनवरी 2019 में शीर्ष अदालत में पदोन्नत होने के बाद से एक उल्लेखनीय न्यायिक करियर रहा है।

मेरे परिवार को न्याय चाहिए! बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बेटे जीशान ने की मांग

एजेंसी

मुम्बई: विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए न्याय की मांग की है, उनका कहना है कि मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज, मेरा परिवार टूट गया है लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए! एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें निर्देश मिले थे कि बाबा सिद्दीकी ही नहीं उनके बेटे जिशान भी उनके निशाने पर थे। खबर के अनुसार शूटर्स को निर्देश मिले हुए थे कि जो भी मिले उसे मार डालो। पूछताछ में आरोपियों ने अपने प्लान के बारे में भी बताया है। खबरों के अनुसार आरोपियों ने पहले बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे की आंखों पर काली मिर्च वाला स्प्रे मारना चाहते थे उनका सोचना था कि ऐसे सिद्दीकी परिवार के लोगों को दिखना बंद हो जाएगा। लेकिन ये प्लान पूरा नहीं हो पाया।

असम में बड़ा रेल हादसा, अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के इंजन समेत 8 डिब्बे पटरी से उतर

एजेंसी

असम: एक और घटना में, अगरतला-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस गुरुवार को असम के डिबालोंग स्टेशन पर पटरी से उतर गई। जानकारी के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 3:55 बजे की है। रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अगरतला और मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच चलने वाली ट्रेन डिबालोंग स्टेशन से गुजरते समय पटरी से उतर गई। पटरी से उतरने के कारण की फिलहाल जांच चल रही है और अधिकारी अन्य

सेवाओं में व्यवधान को कम करने के लिए प्रभावित पटरियों को साफ करने पर काम कर रहे हैं। प्रवक्ता के अनुसार, ट्रेन में सवार यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उनकी आगे सहायता के लिए व्यवस्था की जा रही है।

फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी के कोर्स का ड्राफ्ट तैयार कर रही है टेक्निकल एक्सपर्ट की कमेटी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप गोरखपुर वन प्रभाग के हिस्से एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज होने वाली है। दुनिया का पहला राजगिद्ध (जटायु) संरक्षण केंद्र खोलने वाले इस वन प्रभाग के अंतर्गत ही उत्तर भारत का पहला और पूरे देश का दूसरा वानिकी विश्वविद्यालय (फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी) खुलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब एक माह पूर्व ही इसकी घोषणा कर चुके हैं। विश्वविद्यालय स्थापना के लिए कवायद तेज करते हुए गोरखपुर वन प्रभाग ने जटायु संरक्षण केंद्र के समीप ही 50 हेक्टेयर भूमि भी चिह्नित

कर ली है। विलुप्त हो रहे राजगिद्धों (रेड हेडेड वल्चर) के संरक्षण और संवर्धन के लिए दुनिया का पहला जटायु संरक्षण व संवर्धन केंद्र गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज (भारीवैसी) में बनाया गया है। 6 सितंबर को इसके लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर वन प्रभाग में फॉरेस्ट्री कॉलेज (वानिकी महाविद्यालय) बनाने की घोषणा की थी। बाद में इसे लेकर अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने फॉरेस्ट्री कॉलेज की बजाय फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी सिटी बनाने की मंशा जाहिर की। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी में चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने के साथ ही यूनिवर्सिटी बनाने के लिए जमीन की तलाश शुरू कर दी गई।

लगातार विमानों को क्यों मिल रही बम की धमकियां, कौन सा कदम उठा रही सरकार? विमानन मंत्री का आया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली: हाल ही में विभिन्न उड़ानों में बम होने की अफवाहों ने सबकों चिंतित कर रखा है। हालांकि, इसको लेकर सरकार एक्शन में दिख रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस पर कार्रवाई की जा रही है। हम किसी भी तरह की साजिश पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन जितना हमें पता है, ये कॉल कुछ नाबालिगों और शरारती लोगों की ओर से आ रही हैं। ये सभी छोटी-मोटी और अलग-थलग घटनाएं

हैं। ऐसी कोई साजिश नहीं है जिस पर हम टिप्पणी कर सकें।मंत्री ने आगे कहा कि अपनी ओर से, हम यह देखेंगे कि हम क्या सर्वोत्तम कर सकते हैं। हम मंत्रालय के भीतर भी एयरलाइंस, सुरक्षा एजेंसियों से बात कर रहे हैं।' विचार-विमर्श चल रहा है। आज ही मुंबई से लंदन जाने वाली एयर इंडिया की एक उड़ान में बम की धमकी मिलने के बाद आपात्कालीन स्थिति घोषित कर दी गई। आज, एयर इंडिया की पांच उड़ानों, दो विस्तारा और दो इंडिगो उड़ानों को भी बम की धमकियां मिलीं, जिससे एयरलाइनों को मिली धमकी भरे कॉल की सूची में यह भी शामिल हो गया है। पिछले तीन दिन में 19 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है और धमकी के कारण रियाद जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को मस्कट की ओर मोड़ दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह सिर्फ BJP-RSS का प्रचार, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की आंखों से काली पट्टी उतरी, संजय राउत ने जताया ऐतराज

एजेंसी

महाराष्ट्र: औपनिवेशिक विरासत को त्यागने और अधिक समकालीन न्याय को अपनाने और न्याय के भारतीयकरण को देखने के प्रयास में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पुस्तकालय के लिए लेडी जस्टिस की एक पुनः डिजाइन की गई प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा में लेडी जस्टिस की तलवार को संविधान के साथ प्रतिस्थापित किया गया है, उनकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है और वह एक साड़ी में हैं। हालाँकि, शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत नई प्रतिमा

को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। परिवर्तन की निंदा करते हुएराउत ने इसे भाजपा-आरएसएस का प्रचार करार दिया है इस प्रतिमा का अनावरण 2023 में सीजेआई चंद्रचूड़ ने किया था, जिसके बाद से ही ये तस्वीर वायरल हो गई। आंखों पर पट्टी बांधने का मतलब कानून के समक्ष समानता का प्रतिनिधित्व करना था, जिसका अर्थ था कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य मार्करों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर स्थापित की गई नई प्रतिमा में आंखें खुली हैं और बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

जूनियर डॉक्टरों के भूख हड़ताल पर बोले TMC नेता कुणाल घोष,

इसकी अब कोई जरूरत नहीं, सीबीआई कर रही जांच

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: जूनियर डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि इस तरह की भूख हड़ताल जारी नहीं रखनी चाहिए क्योंकि अब प्रक्रिया अदालत में है। सीबीआई जांच कर रही है। कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। भूख हड़ताल की कोई जरूरत नहीं है। आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और हत्या की घटना मामले में शीघ्र न्याय की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को सैकड़ों महिलाओं ने कोलकाता में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कार्यालय तक मार्च निकाला। ये महिलाएं कम जाने माने संगठन जागो नारी के बैनर तले शहर के उत्तरी छोर पर उत्तर 24 परगना के साल्ट लेक स्थित सीबीआई कार्यालय तक पैदल चलीं। प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा, हमें लगता है कि जांच एजेंसी अपना काम ठीक से नहीं कर रही है, यह मूल रूप से वही दोहरा रही है जो कोलकाता पुलिस ने पहले कहा था। आर जी कर अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में मृतका के लिए न्याय की मांग को लेकर भूख हड़ताल से स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए कनिष्ठ चिकित्सक अनिकेत महतो को छह दिन बाद बृहस्पतिवार को छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि चिकित्सकों ने उन्हें (अनिकेत को) सात दिन तक ह्यपूरी तरह आरामह्ल करने की सलाह दी है, जिसके बाद उनके स्वास्थ्य की समीक्षा की जाएगी।

हरियाणा की हार के बाद कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, कैप्टन अजय सिंह यादव ने छोड़ी पार्टी, लालू के हैं समधी

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा के पूर्व मंत्री अजय सिंह यादव ने गुरुवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष पद और कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी को एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना त्यागपत्र भेज दिया है।

अजय सिंह यादव ने अपना ट्वीट राहुल गांधी और सोनिया गांधी को भी टैग किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस्तीफा देने का निर्णय वास्तव में कठिन था, जिनके साथ उनके परिवार का 70 वर्षों का जुड़ाव था क्योंकि उनके पिता स्वर्गीय राव अभय सिंह 1952 में विधायक बने थे और उसके बाद उन्होंने पारिवारिक परंपरा को जारी रखा लेकिन सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद उनके साथ खराब व्यवहार करने के

कारण पार्टी आलाकमान से उनका मोहभंग हो गया। गौरतलब है कि कैप्टन अजय सिंह यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से 1991, 1996, 2000, 2005 और 2009 में लगातार पांच विधानसभा चुनाव जीते थे कैप्टन अजय सिंह यादव ने 1991 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में पहली बार हरियाणा विकास पार्टी (एचवीपी) के राजिंदर सिंह को 25,824 वोटों से हराकर रेवाड़ी निर्वाचन क्षेत्र जीता। 1996 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में अजय सिंह यादव ने निर्दलीय उम्मीदवार रणधीर सिंह कापड़ीवास को 1,767 वोटों से हराकर फिर से रेवाड़ी निर्वाचन क्षेत्र जीता। उन्होंने 2000 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार रेवाड़ी सीट जीती जब उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार विजय सोमानी को 4,924 वोटों से हराया। विशेष रूप से, अजय सिंह यादव ने 2005 के हरियाणा विधानसभा चुनावों में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा जब उन्होंने रेवाड़ी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रणधीर सिंह कापड़ीवास को 12,779 वोटों से हराया।2019 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में उनके बेटे चिरंजीव राव रेवाड़ी सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार थे। उन्होंने बीजेपी के सुनील कुमार को महज 1,317 वोटों से हराकर यह सीट जीती। हालाँकि, हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में चिरंजीव को भाजपा के लक्ष्मण सिंह यादव ने 28,769 वोटों के भारी अंतर से हराया था। चिरंजीव राव लालू यादव के दामाद हैं। ऐसे में अजय सिंह यादव लालू यादव के समधी हुए। यादव ने 2005 से 2014 तक भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली दो लगातार सरकारों में बिजली, वन, पर्यावरण, सिंचाई, लोक निर्माण और चुनाव सहित कई मंत्रालय संभाले।

डॉ. दिलीप जायसवाल का भोजपुर जिला भ्रमण: संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भोजपुर में कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत: ₹ कार्यकर्ता ही संगठन की असली शक्ति हैं₹ - डॉ. दिलीप जायसवाल
- पिटन देवी दुर्गा मंदिर में दर्शन के साथ शुरू हुआ डॉ. जायसवाल का एक दिवसीय दौरा
- सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक: चुनावों में जीत सुनिश्चित करने का संकल्प
- संत श्री पयहारी महाराज के वार्षिक मेले में डॉ. जायसवाल ने श्रद्धांजलि अर्पित की
- भोजपुर में शक्ति केंद्र प्रमुखों और बूथ अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक,डॉ जायसवाल ने कार्यकताओं का किया मार्गदर्शन
- संगठन की रीढ़ हैं कार्यकर्ता₹ - डॉ. दिलीप जायसवाल का संदेश

दिनांकः 17 अक्टूबरभारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने भोजपुर जिले का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शन किए और पार्टी के महत्वपूर्ण आयोजनों में हिस्सा लिया। उनके भ्रमण की प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित रहीं:

1. मंदिर दर्शन - पिटन देवी दुर्गा मंदिर, पिरो:
डॉ. दिलीप जायसवाल ने अपने दिन की शुरूआत पिटन देवी दुर्गा मंदिर, पिरो में दर्शन और पूजा-अर्चना से की। उन्होंने माँ दुर्गा का आशीर्वाद लिया और जिले की समृद्धि और कल्याण की कामना की।

2. सम्मेलन - शक्ति केंद्र प्रमुख/सह प्रमुख/बूथ अध्यक्ष:
स्थान: बचरी कॉलेज, पिरो
डॉ. जायसवाल ने शक्ति केंद्र प्रमुखों, सह प्रमुखों और बूथ अध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें उन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पार्टी की मजबूती बूथ स्तर से शुरू होती है और इसके लिए सभी कार्यकताओं को मिलकर कार्य करना होगा।

3. दर्शन - संत श्री पयहारी महाराज वार्षिक मेला:
स्थान: पैहारी बाबा, शिवपुर
डॉ. जायसवाल ने संत श्री पयहारी महाराज के वार्षिक मेले में भाग लिया और स्थानीय जनता से मुलाकात की। उन्होंने संत महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मेला स्थल पर जनसंवाद भी किया।

4. सदस्यता अभियान समीक्षा बैठक: स्थान: रॉयल विजन रिसॉर्ट, धनपुरा, भोजपुर
इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ. दिलीप जायसवाल ने सदस्यता अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पार्टी की सदस्यता बढ़ाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और समाज के हर वर्ग को पार्टी से जोड़ना चाहिए। उन्होंने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन की मजबूती पर भी जोर दिया। पटना से भोजपुर जाते समय विभिन्न स्थानों पर कार्यकताओं ने डॉ. दिलीप जायसवाल का जोरदार स्वागत किया। भोजपुर पहुँचने पर कार्यकताओं के उत्साहपूर्ण स्वागत और स्नेह को देखकर डॉ. जायसवाल ने कहा, "कार्यकर्ता ही संगठन की असली शक्ति हैं। कार्यकताओं की मेहनत और निष्ठा के बल पर ही पार्टी आगे बढ़ रही है। आपके समर्पण से ही हम संगठन को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि "भारतीय जनता पार्टी का संगठन बूथ स्तर से शुरू होकर शीर्ष नेतृत्व तक एक मजबूत श्रृंखला है। प्रत्येक कार्यकर्ता की भागीदारी इस संगठन की रीढ़ है।

श्रीकृष्ण सिंह जयंती पर कांग्रेस मुख्यालय में होगा भव्य कार्यक्रम: डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सरकार की अक्षम नीतियों के कारण गई शराब से दर्जनों लोगों की जान

सीवान में जहरीली शराब मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने की सरकार से मुआवजे की मांग

पटना. गुरूवार, 17 अक्टूबर, 2024
बिहार कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुएआगामी 21 अक्टूबर दिन सोमवार को बिहार के पहले मुख्यमंत्री और बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह की जयंती समारोह बिहार कांग्रेस के मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित करने की जानकारी दी। साथ ही सिवान के भगवानपुर प्रखंड के सोनधानी गांव में जहरीली शराब पीने से 20 से अधिक लोगों की मौत और कई अन्य के आंख की रोशनी जाने के मुद्दे पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह बुरी तरीके से बिफरते हुए सरकार की नीतियों को लेकर हमलावर नजर आएं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्रीकृष्ण बाबू की जयंती पर हर साल कार्यक्रम होता रहा है और इस बार सदाकत आश्रम के मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में बिहार के प्रभारी मोहन प्रकाश सहित मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित सम्मानित अतिथियों के रूप में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, राष्ट्रीय नेता तारीख अनवर सहित कई पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शामिल रहेंगे। इस कार्यक्रम में प्रत्येक प्रखंडों से लोग भारी संख्या में आयेंगे इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि सीवान के भगवानपुर प्रखंड के सोनधानी गांव में जहरीली शराब से मौत की खबरों ने स्तब्ध कर दिया है। जिस राज्य में शराबबंदी लागू है उस राज्य में स्थिति इतनी भयावह है कि लोग जहरीली शराब से खुद को बचा नहीं पा रहे हैं तो इसका सीधा जिम्मेदार राज्य प्रशासन बनता है। राज्यसभा सांसद सह प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने मांग रखी कि मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपए, आंख गंवाने वालों को 15 लाख रुपए और मासिक मुआवजा 10 हजार रुपए मुआवजे के रूप में आजीवन गुजारा भत्ता मिले ताकि वे सम्मान से जीवन जी सकें। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार के शराब नीति को लेकर प्रश्न उठाते हुए कहा कि आप इसे निश्चित तौर पर लागू रखिए लेकिन ऐसी नौबत मत

श्री लड्डू गोपाल ड्राइक्लीनर्स का विधायक व्यास सिंह ने किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान : नगर में व्यावसायिक गतिविधियों में नित प्रतिदिन कुछ नए आयाम सामने आ रहे हैं। मालवीय नगर में नव स्थापित श्री लड्डू गोपाल ड्राइक्लीनर्स और लॉन्ड्री सर्विस डोर स्टेप पिक अप और ड्रॉप सेवा यानी आपके दरवाजे तक ड्राई क्लीन की विशेष सुविधा प्रदान करने जा रही है। जो नगरवासियों के लिए एक सौगात की तरह ही है। प्रोपराइटर दिलीप सिंह ने बताया कि हम ड्राइक्लीन और लॉन्ड्री सर्विस को बेहद किफायती दर पर भी उपलब्ध कराने जा रहे हैं।
गुरुवार को श्री लड्डू गोपाल ड्राइक्लीनर्स एंड लॉन्ड्री सर्विस का शुभारंभ पूजन अर्चन के बाद दरौंधा के विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह द्वारा फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर माननीय विधायक ने प्रतिष्ठान के सफल और लाभप्रद संचालन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। प्रोपराइटर दिलीप सिंह ने इस अवसर पर आगत अतिथियों को पुष्प और अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्या भारती के क्षेत्रीय प्रसार प्रचार प्रमुख नवीन सिंह परमार, शिक्षाविद् डॉक्टर गणेश दत्त पाठक, जनसुराज के नेता अभिषेक सिंह, इंदल कुमार सिंह, रूपेश कुमार सिंह, अधिवक्ता पंकज सिंह, प्रोफेसर अवधेश शर्मा, बाबूनंद सिंह, मनोज कुमार सहित शहर के दर्जनों प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थें।

जनसम्पर्क विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

वाराणसी 17 अक्टूबर,2024 ; आनन्द विहार टर्मिनल से रक्सौल जा रही परेशान महिला यात्री ने जब रास्ते में मदद मांगी तो छपरा में उसकी सीट पर सेनेटरी पैड (नैपकिन) पहुंच गया। रेल मदद के माध्यम से कंट्रोल रूम से मिली सूचना के बाद छपरा रेलवे स्टेशन स्थित टी सी कार्यालय ने संकोच नहीं किया, बल्कि अपने दायित्व बोध का परिचय कराया। रेलकर्मियों ने मानव संवेदना दिखाते हुए बाजार से पैड खरीदकर सद्भावना एक्सप्रेस ट्रेन के छपरा जं पहुंचने पर महिला यात्री को उपलब्ध कराया। साथ ही यात्री का कुशलक्षेम भी जाना। रेलवे की इस पहल पर यात्री ने आभार तो जताया ही, साथ चल रहे लोगों ने भी सराहना की। महिला यात्री 17 अक्टूबर को गाड़ी सं- 14018 आनन्द विहार टर्मिनल-रक्सौल सद्भावना एक्सप्रेस के वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के इ-1 कोच के बर्थ नंबर 11 पर यात्रा कर रही थी। ट्रेन बलिया से आगे बढ़ी तो यात्री की मुश्किलें बढ़ गईं। वह अपने आप को असहज महसूस करने लगी। यात्रियों की भीड़ के बीच जब कुछ भी नहीं सूझा तो उन्होंने रेल मदद एप के माध्यम से रेलवे से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने की गुहार लगा दी। उनकी मांग कंट्रोल रूम होते हुए छपरा स्टेशन स्थित टी सी कार्यालय पहुंच गई। टी सी कार्यालय को यह मांग कुछ अटपटी लगी, लेकिन टी सी श्रीमती प्रतिमा कुमारी ने स्त्री सुलभ संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए कोई संकोच नहीं किया। कार्यालय सहयोगी को बाजार भेजकर पैड मंगाकर रख लिया। जैसे ही प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंची उन्होंने स्वयं जाकर महिला यात्री को निर्धारित सीट पर पैड उपलब्ध करा दिया। बकौल टी सी छपरा महिला यात्री ने रेलवे को थैंक्स बोला और पैड की कीमत भी दे दी। रेल मदद एप व अन्य माध्यमों से यात्री अपनी समस्याएं और शिकायतें रेलवे तक पहुंचाते रहते हैं, लेकिन यह पहला अवसर है जब किसी महिला यात्री ने पैड की मांग की गई। इसी क्रम में दिनांक 17 अक्टूबर 2024 को दोपहर गाड़ी सं 04652 अमृतसर झजयनगर क्लोन हमसफर एक्सप्रेस गाड़ी के वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के इ-4 कोच में बर्थ सं 1 एवं 2 पर अम्बाला कैंट से समस्तीपुर की यात्रा कर रहे अल्बसार आलम एवं उनकी पत्नी द्वारा रेल मदद के माध्यम से अपने छोटे बच्चे को फिड कराने के लिए एक बोतल गर्म दूध उपलब्ध कराने की मांग किया। यह सूचना उक्त गाड़ी में कोई पैंट्री कार नहीं होने के करण गाड़ी के छपरा पहुंचने के पूर्व रेल मदद के माध्यम से वाराणसी मंडल के कमर्शियल कंट्रोल को मिली । कन्ट्रोल ने छपरा रेलवे स्टेशन पर कार्यरत टिकट परीक्षक श्रीमती प्रतिमा कुमारी को इस बाबत सूचित किया जिसके बाद उन्होंने गाड़ी पहुंचने से पहले दूध की व्यवस्था की और गाड़ी के छपरा पहुंचते ही यात्री अल्बसार आलम को गर्म दूध पहुंचाया। इस कार्य के लिये अल्बसार आलम एवं उनकी पत्नी ने रेलवे द्वारा मदद की गुहार पर त्वरित कार्यवाही के लिए आभार प्रकट किया और रेल कर्मचारी को धन्यवाद दिया।
पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में रेल मदद एप पर मिली शिकायतों का 15 से 30 मिनट में निस्तारण कर दिया जाता है। वाराणसी मंडल रेल मदद के माध्यम से पानी ,दूध, बेबी फूड, जीवन रक्षक मेडिसिन, चिकित्सा सेवाएँ एवं सेनेटरी पैड भी उपलब्ध करा रहा है ।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। कल्याणपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा बैठक सभी आवास सहायक सुपरवाइजर लेखा सहायक कार्यपालक सहायक के साथ की गई। समीक्षा निम्न बिंदुओं पर की गई, 180 स्वीकृति हेतु अवशेष लाभार्थियों के बारे में लाभार्थी वॉइस समीक्षा की गई कि किन कारणों से पेंडिंग है। पूर्व से प्राप्त लाभार्थी गांव से बाहर लाभार्थी ट्रेसलेस लाभार्थी अर्थात वैसे लाभार्थी जिनका कोई आता पता नहीं है उसके बारे में जानकारी ली गई। अयोग्य लाभार्थियों का ग्राम सभा से अनुमोदित सूची ग्राम सभा का कार्यवाही पंजी के साथ रिमांड अभिलेख भर के जिला भेजना। वैसे लाभार्थी जिनका बैंक खाता आधार से लिंक नहीं है वैसे से लाभार्थी को बैंक से एनपीसीआई कर आधार लिंक करना। प्रथम किस्त प्राप्त लाभार्थियों को गृह निर्माण प्रारंभ कर करके द्वितीय किस्त की राशि और विलंब देने हेतु निर्देशित किया गया।

22 से 24 तक होने वाले अंडर 14 कराटे चैंपियनशिप तैयारी की समीक्षा डीएम ने की

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आगामी 22 से 24 अक्टूबर 2024 तक होने वाले राज्य स्तरीय अंडर 14 कराटे चैंपियनशिप की तैयारी की समीक्षा की गई। प्रभारी जिला खेल पदाधिकारी आकाश द्वारा बताया गया की कुल 22 जिलों से लगभग 176 की संख्या में अंडर 14 कराटे चैंपियनशिप के प्रतिभागियों के आने की संभावना है, जिनका आवासन स्थल लॉ कॉलेज समस्तीपुर को बनाया गया है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि खिलाड़ियों के लिए खेल का वेन्यू आवासन स्थल के आसपास ही निर्धारित किया जाना श्रेयस्कर होगा। अतः इस संबंध में जिला खेल पदाधिकारी जॉचोपरांत आवश्यक कार्रवाई करेंगे। जिला खेल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि आवासन स्थल पर ही खिलाड़ियों के खाने-पीने की व्यवस्था की गई है, जिलाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल को आवासन स्थल का भ्रमण कर वहां पर स्थित शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया गया। नगर आयुक्त नगर निगम को जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि आवासन स्थल एवं खेल हेतु चयनित स्थल पर साफ सफाई एवं टैंकर की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे, सिविल सर्जन को एंबुलेंस एवं प्राथमिक चिकित्सा सहित चिकित्सा टीम की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया और अनुमंडल पदाधिकारी को विधि व्यवस्था संधारण हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन, सिविल सर्जन, नगर आयुक्त समस्तीपुर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

रेल मंडल के मंडल रेल अस्पताल में हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर रेल मंडल के मंडल रेल अस्पताल में आज एक हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ सुब्रत अखौरी, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट और एशियन इंस्टीटूट ऑफ मेडिकल साइंस, फरीदाबाद के डायरेक्टर द्वारा रोगियों की निःशुल्क जांच और उनका इलाज किया गया। इस जांच शिविर में 115 रेल कर्मियों एवं सेवानिवृत रेलकर्मियों की जांच की गई एवं उनका इलाज करते हुए उन्हें आवश्यक चिकित्सीय सलाह भी दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव ने डॉ सुब्रत अखौरी को पौधा देकर स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी आगन्तुकों को संबोधित करते हुए कहा कि रेल कर्मियों के हित में इस तरह के कार्यक्रम एक सराहनीय कदम है। यह हृदय रोग जांच शिविर रेलवे अस्पताल समस्तीपुर और एशियन हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इस शिविर में डॉ सुब्रत अखौरी और उनकी टीम ने रेलकर्मियों की जांच की और उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान किया। इस जांच शिविर में मंडल रेल अस्पताल के सभी डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की भी सहभागिता रही। इस अवसर पर डॉ सुनील कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, रेलवे अस्पताल समस्तीपुर ने हृदय रोग से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। डॉ सुनील कुमार ने कहा कि हृदय रोग से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और नियमित जांच करवाना आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और समय पर जांच करवाएं। यह हृदय रोग जांच शिविर रेलवे अस्पताल, समस्तीपुर और एशियन हॉस्पिटल की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य रेलकर्मियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और हृदय रोग से बचने के लिए जागरूक करना है। कार्यक्रम की समाप्ति पर डॉ रेखा साहू ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

दुर्गा पूजा के दिन हुए दुर्घटना में घायल आर्यन का बीती रात मौत

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर)। प्रखंड के पतेलिया गांव में दशमी के रोज दुर्गा पूजा देखने गये 6 वर्षीय आर्यन अपने 4 बड़ी बहनों एवं अपने माता पिता का दुलारा छोटा बेटा आर्यन एक अज्ञात बाइक से दुर्घटना का शिकार हो गया था, सर में गहरी चोट की वजह से बेहोशी की हालत में आनन - फानन में स्थानीय और परिवार के सदस्यों द्वारा बेगूसराय स्थित अमीरा हॉस्पिटल में दाखिला कराया गया। हॉस्पिटल मैनेजमेंट द्वारा 72 घंटे तक इलाज किया गया किंतु आर्यन आखिर में दम तोड़ दिया। मृतक के चाचा दीपक राम ने हॉस्पिटल मैनेजमेंट पर भी आरोप लगाया कि घायल इलाजत आर्यन की मौत एक दिन पहले ही हो गया था और झूठा दिलासा दिया कि बच्चा जीवित है इलाज करने के नाम पर आर्थिक शोषण करता रहा। गरीब परिवार को 1 लाख 10 हजार का बिल देने के बाद ही शव को परिजनों के हाथ सौंपा। विदित हो की आर्यन के पिता सिकंदर राम वर्षो से मुंबई में मजदूरी का काम कर अपने 4 बेटियो और इकलौता बेटे की परवरिश किसी तरह 2 जुन की रोटी बमुस्किल जुटा रहा था। इस बिना पर की बुढ़ापे में बच्चे बड़े होकर पिता की देखभाल कर सकेगा पर नियति के खेल को कौन टाल सकता है। घर का चिराग ही बुझ गया। गरीबी का दंश और बेटे की मौत का गम ने मानो पिता सिकंदर का मुकद्दर भी रूठ गया। सिकंदर को अपने बेटे की मौत की खबर जैसे ही लगी बेसुध हो, ट्रेन पकड़ लिया और समाचार प्रेषण तक ट्रेन में ही है। ऐसी स्थिति में मृतक के चाचा दीपक राम ने मुखाग्नि दी। बेगूसराय में ही मृतक का पोस्टमार्टम और एफआईआर दर्ज कर शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। कल शाम देर रात मृतक का दाह संस्कार पैतृक गांव पतेलिया स्थित बुड्ढी गंडक नदी में कर दिया गया। अब देखना है कि मृतक के परिवार को प्रशासन के तरफ से क्या

जिलाधिकारी द्वारा की गई नीलाम पत्र एवं राजस्व से संबंधित कार्यों की समीक्षा सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी प्रत्येक सप्ताह में दो दिन मंगलवार एवं गुरुवार को अनिवार्य रूप से करें मामलों की सुनवाई:- जिलाधिकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण, छपरा 17 अक्टूबर, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने आज नीलाम पत्र एवं राजस्व से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। नीलाम पत्र से संबंधित लगभग 38 हजार मामले संचालित हैं। जिसमें लगभग 493 करोड़ रुपये की राशि सन्निहित है। जिला में पूर्व के 37 नीलाम पत्र पदाधिकारियों के साथ 28 अन्य पदाधिकारियों में नीलाम पत्र पदाधिकारी की शक्ति प्रत्यायोजित की गई है। जिलाधिकारी ने सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों के यहाँ दर्ज मामलों की संख्या को युक्तिसंगत रखने का निदेश दिया। किसी भी पदाधिकारी के पास समानुपातिक से अधिक संख्या में मामले नहीं हों, इसे सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला में 50 लाख रुपये से अधिक के 30 मामले दर्ज हैं, इन मामलों की सुनवाई जिलाधिकारी, उपविकास आयुक्त एवं अपर समाहर्त्ता द्वारा की जायेगी।
सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह में दो दिन- मंगलवार एवं गुरुवार को अनिवार्य रूप से नीलाम पत्र से संबंधित मामलों की सुनवाई सुनिश्चित करने को कहा गया ।
राजस्व की समीक्षा के क्रम में सभी राजस्व से संबंधित पदाधिकारियों के राज्यस्तरीय रैंकिंग पर चर्चा की गई। सितंबर माह की राज्य स्तरीय रैंकिंग में भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता सदर को 48, सोनपुर को 52 एवं मढ़ौरा को 55 रैंक मिला है।
जिला के तीन सीओ को 100 के अंदर रैंकिंग प्राप्त हुई है। एकमा को 11, रिविलगंज को 53 , लहलादपुर को 66 तथा मशरख को 105 रैंक मिला है।
जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को बेहतर प्रदर्शन कर 200 के अंदर रैंकिंग हेतु प्रयास करने का निदेश दिया।
म्युटेशन, परिमार्जन, अभियान बसेरा के मामलों को समयबद्ध ढंग से निष्पादित करने का स्पष्ट निदेश दिया गया।
जमाबंदी की आधार सीडिंग कार्य को भी तेजी से पूरा करने को कहा गया। जिन राजस्व कर्मचारियों द्वारा इसमें रुचि नहीं ली जायेगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।
बैठक में उपविकास आयुक्त, अपर समाहर्त्ता, निदेशक डीआरडीए सह नीलाम पत्र शाखा प्रभारी सहित सभी निलामपत्र पदाधिकारी , भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, अंचलाधिकारी आदि उपस्थित थे।

बाढ़ आपदा सहित विभिन्न आपदाओं को लेकर मधुबनी समाहरणालय सभा कक्ष में टेबल टॉक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

बाढ़ आपदा सहित विभिन्न आपदाओं को लेकर मधुबनी समाहरणालय सभा कक्ष में टेबल टॉक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

आपदा पूर्व तैयारी के द्वारा हम आपदा के प्रभाव को काफी कम कर सकते हैं।--अपर समाहर्ता।

बाढ़ आपदा सहित विभिन्न आपदाओं को लेकर समाहरणालय सभा कक्ष में टेबल टॉक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमे राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ,राज्य आपदा मोचन बल एवं सभी संबधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार, उपनिदेशक जनसम्पर्क सह आपदा प्रभारी परिमल कुमार सहायक कमांडेंट एनडीआरफ संतोष कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया अपर समाहर्ता संतोष कुमार ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की संक्षिप्त रुख रूपरेखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आपदा पूर्व तैयारी के द्वारा हम आपदा के प्रभाव को कम से कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग एवं स्टेट होल्डर आपसी समन्वय के द्वारा आपदा के प्रभाव को न सिर्फ कम कर सकते हैं बल्कि आपदा के समय काफी तीव्र गति से राहत कार्यों को संचालन भी कर सकते हैं।इसके पूर्व एनडीआरफ के इंस्पेक्टर देविकांत पांडे द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से आपदा के समय, आपदा के पूर्व एवं आपदा के बाद एनडीआरएफ की भूमिका पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। उन्होंने एनडीआरएफ एवं स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय के द्वारा तीव्र गति से कैसे राहत कार्य का संचालन किया जा सकता है इस पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आपदा की पूर्व चेतावनी मिलने पर किए जाने वाले कार्यों, आपदा के समय सक्रियता, राहत कार्य ,खोज एवं बचाव, प्रारंभिक आकलन, राहत वितरण आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उक्त टेबल उक्त टेबल टॉक कार्यक्रम में उपस्थित मधेपुर माधवपुर सहित कई अंचलाधिकारियों ने अपने अनुभव को साझा किया।बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप यूनिसेफ के प्रतिनिधि श्याम कुमार ने बाढ़ आपदा के पूर्व तैयारी के संबंध में अपने अनुभवों को साझा किया। इसके अतिरिक्त टेबल टॉक कार्यक्रम में संवेदनशील तटबंध क्षेत्र में नाव की तैनाती, मोटर बोर्ड की व्यवस्थाएं, नदी और उसके कमजोर बिंदुओं की मॉनिटरिंग, पिछले वर्ष क्षतिग्रस्त तटबंध का आकलन, संचार व्यवस्था, संपर्क पथ, वैकल्पिक पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, आश्रय स्थल का चयन, बाढ़ राहत कार्य में विभाग के कर्मचारियों का प्रशिक्षण ,खोज एवं बचाव दल को संगठित कर प्रभावित क्षेत्र में भेजना, सामुदायिक रसोई, स्वच्छता और सफाई की सुविधा, स्वास्थ्य सहायता एवं चिकित्सा सेवा, प्रभावित पशुओं के लिए चिकित्सा सुविधा, सड़क ,तटबंध एवं आधारभूत संरचनाओं को मरम्मती, एवं पुनर्निर्माण आदि कई बिंदुओं पर व्यापक चर्चा की गई । कार्यक्रम में शामिल कई अधिकारियों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। गौरतलब हो कि मधुबनी जिले में कुल 18 नदियां एवं उसकी उपशाखाएं हैं। इन नदियों के बेसिन तथा जिले के निचले क्षेत्रों में प्राय प्रत्येक वर्ष बाढ़ की संभावना बनी रहती है। आज एक दिवसीय टेबल टॉक कार्यक्रम में मधुबनी जिले के संभावित बाढ़ प्रभावित प्रखंडों में बाढ़ आपदा के जोखिम को कम से कम करना एवं आपदा की स्थिति में उसके प्रभाव को न्यूनतम करने को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया गया। उक्त कार्यक्रम में अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार, उपनिदेशक जनसम्पर्क सह आपदा प्रभारी परिमल कुमार सहायक कमांडेंट एनडीआरफ संतोष यादव,इंस्पेक्टर एनडीआरएफ देवी कांत पांडेय,जिला पंचायती राज पदाधिकारी राजेश कुमार,एडीएमओ रजनीश कुमार,यूनिसेफ प्रतिनिधि श्याम कुमार सिंह,सभी संबधित विभागों के अधिकारी,सभी अंचलाधिकारी आदि उपस्थित थे।

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार सरकार बनने पर मधुबनी हर्ष

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की तीसरी बार सरकार बनने और नायब सिंह सैनी की दूसरी बार मुख्यमंत्रबनने पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष शंकर झा और जिला मिडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने नये मुख्यमंत्री और मंत्रीमंडल में शामिल सभी नेताओं के प्रति आभार और शुभकामनाएं प्रकट की है।दोनों नेताओं ने कहा कि यह जीत भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और वहां की नेताओं कार्यकताओं और जनता की जीत है।भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और हरियाणा में भाजपा की सरकार ने जनता की सर्वांगीण विकास और उन्नति के लिए हरसंभव प्रयास किए हैं। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने कहा कि आने वाला विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र और झारखंड में भी भाजपा अपने नेताओं और कार्यकताओं के बदौलत दोनों राज्यों में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

प्रभारी प्रधानाचार्य चंदन कुमार वर्मा के निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। गुरुवार को गोल्फ फील्ड रेलवे कॉलोनी उच्च माध्यमिक विद्यालय समस्तीपुर के पूर्व प्राचार्य सह बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्य मूल्यांकन परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं मौलाना मजहरूल हक अरबी - फारसी विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य शाह जफर इमाम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विभूतिपुर प्रखंड के रघुनंदन सेठ उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिंघिया घाट के प्रभारी प्रधानाध्यापक चंदन कुमार वर्मा के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। विदित हो कि पिछले 8 अक्टूबर 2024 को उन्हें ब्रेन हेमरेज की शिकायत हुई और तत्काल स्थानीय उपचार के बाद उन्हें पटना के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। बिगड़ती हालत को देखकर डॉक्टर ने उन्हें 15 अक्टूबर 2024 को आईजीआईएमएस रेफर कर दिया गया, जहां बीती रात यानि 16 अक्तूबर को उनकी मौत हो गई। स्व वर्मा ने अप्रैल 2006 में रघुनंदन सेठ उच्च माध्यमिक विद्यालय में सामाजिक विज्ञान के एक शिक्षक के रूप में योगदान किया था और एक फरवरी 2022 से वे प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहे थे। सुनने की अपनी विकलांगता के बावजूद विद्यालय के संचालन में वे बहुत माहिर थे। एक योग्य शिक्षक एवं कुशल प्रभारी प्रधानाध्यापक के साथ - साथ वे अपने सहकर्मियों, छात्र - छात्राओं एवं आम शिक्षकों के बीच काफी लोकप्रिय थे। चेहरे पर हमेशा मुस्कान उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान थी। वे अपने पीछे पत्नी एक पुत्र तथा दो पुत्रियां छोड़ गये हैं। उनके सभी बच्चे अभी अध्यनरत ही हैं। लगभग 53 वर्षीय स्व वर्मा बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के एक सक्रिय सिपाही भी थे तथा शिक्षक संघ के कार्यक्रमों एवं आंदोलनों में वे बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उनका चला जाना शिक्षक समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है। विभूतिपुर प्रखंड के ही बेलसंडी गांव के मूल निवासी स्व वर्मा का अंतिम संस्कार आज दोपहर बाद बुढ़ी गंडक नदी के किनारे बेलसंडी घाट पर ही कर दिया गया। हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, सहकर्मियों, इष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

डॉक्टर रतन ने दिया राकेश कुमार को जान से मारने की धमकी, सुरक्षा के लिए एसपी को दिया आवेदन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छतौना निवासी राकेश कुमार ने दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को पुलिस कप्तान को एक आवेदन दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को संध्या करीब छः बजे खानपुर थाना कांड संख्या 222/2024 में अनुसंधानकर्ता को गवाही देकर वापस आ रहा था तो समस्तीपुर मुख्य सड़क के पीछे दो अज्ञात लोग आए और मुझे रोककर गाली गलौज करने लगे और कमर से पिस्तौल निकालकर मेरे ऊपर तानते हुए बोला की डॉक्टर रतन लाल गुप्ता पर केश करता है और गवाही देता और दिलवाता है, उन लोगों ने धमकी देते हुए बोला कि जल्दी से केश उठा लो नही तो तुम्हें और परिवार के लोगों को गोली मारकर हत्या कर देंगे, इतना कहकर दोनो चले गये। इधर इस धमकी से राकेश कुमार और उसके परिवार के लोग डरे और सहमे हुए हैं। आवेदक ने पुलिस कप्तान से सुरक्षा की गुहार लगाई है। बताया जाता है की खानपुर थाना क्षेत्र के खातुवाहा निवासी डॉक्टर रतन लाल गुप्ता के यहां 15 लाख एक हजार में से मात्र 6 लाख रूपया मिला। उनके यहां 9 लाख रुपया शेष बाकी है जो मांगने पर जान से मारने की धमकी देता है। आवेदक ने बताया कि मेरे पास डॉक्टर रतन लाल गुप्ता के द्वारा बनाया गया एग्रीमेंट मौजूद है। उसके बावजूद भी मुझे बाकी रूपया देने के लिए आना कानी करता है।

झारखंड चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से मिले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, लोजपा (रा) का सीट होगा फाइनल ?

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हरियाणा में रिकॉर्ड तीसरी बार सरकार बनाने में बीजेपी सफल रही। 17 अक्टूबर को हरियाणा के नए सीएम नायब सिंह सैनी शपथ ग्रहण करेंगे। वहीं उनके शपथ ग्रहण समारोह में कई एनडीए के कई नेता शामिल होंगे। इसी कड़ी में बिहार के लोकप्रिय सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी हरियाणा पहुंचे हैं। इस क्रम में चिराग पासवान ने असम के सीएम और झारखंड के प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर दी। हिमंत बिस्वा सरमा से मिले चिराग सोशल मीडिया पर ट्विट कर चिराग पासवान ने कहा कि, "आज हरियाणा के नवनियुक्त मुख्यमंत्री नायाब सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ जाने के क्रम में असम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री एवं झारखंड के प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात हुई। इस दौरान झारखण्ड विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तृत चचाएं हुई"।

मिल्की में नवाह संकीर्तन का शुभारंभ बाहुबली कुंदन ने फीता काटकर किया, संकीर्तन शुरू होने से भक्तिमय हुआ माहौल

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिला के सिंघिया प्रखंड के मिल्की गाँव स्थित बाबा डीहवार स्थान में गुरुवार को नवाह संकीर्तन का भव्य शुभारंभ हुआ। नवाह संकीर्तन का शुभारंभ क्षेत्र के जाने माने बाहुबली कुंदन सिंह ने फीता काटकर किया। स्थानीय लोगों ने कुंदन सिंह को फूल माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे पूर्व विद्वान पंडित विद्यानंद मिश्र व डॉक्टर गोपाल मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार व विधि-विधान से कलश स्थापित करके ग्राम देवता का पूजन किया। तत्पश्चात ग्रामीण नवयुवकों की कीर्तन मंडली द्वारा जय सीया राम के उद्घोष के साथ 9 दिवसीय संकीर्तन शुरू हो गया। मौके पर उप प्रमुख रिंकू सिंह, दिलीप सिंह, लड्डू सिंह, सेतु सिंह, सौरभ सिंह, किशोर राय, सुजीत राय, प्रविंद मंडल, रौशन मंडल, सुशील सिंह, मुकेश सिंह, मंटूश सिंह, डॉक्टर अनिल सिंह, टून टून सिंह आदि मौजूद थे।वहीं नवाह संकीर्तन शुरू होने से मिल्की सहित आसपास का गांव भक्तिमय हो गया है। नवाह कमिटी के सदस्यों ने बताया कि 9 दिनो तक सभी ग्रामीणों के सहयोग से 24 घंटों तक अखंड संकीर्तन चलता रहेगा।

प्रधानाध्यापक चंदन कुमार का निधन, शोक की लहर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। रघुनंदन सेठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंघिया घाट के प्रभारी प्रधानाध्यापक चन्दन कुमार वर्मा प्रभात का असामायिक निधन रात्रि 10 बजे के लगभग हो गया। आज दिनांक 17 अक्टूबर 2024 को सुबह उनका पार्थिव शरीर उनके निवास स्थल बेलसंडी तारा पहुंचा। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों और शुभ चिंतकों की भीड़ जुटने लगी। विभूतिपुर के विधायक सह विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष कॉ अजय कुमार, बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्य कार्यकारिणी समिति सदस्य अरविन्द कुमार दास, प्रखण्ड सचिव विनोद कुमार प्रभाकर, सीपीआई (एम) के लोकल कमिटी के सचिव कॉ श्याम किशोर कमल, जिला कमिटी सदस्य कॉ सिया प्रसाद यादव, उनके विद्यालय के वरीय शिक्षक सुरेन्द्र कुमार, ललितेश्वर प्रसाद सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने उनके घर जाकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा परिवार के आश्रितों को दुःख की घड़ी में धैर्य धारण करने का संबल प्रदान किया।

सिवान में जहरीली शराब कांड में हुई दर्दनाक मौत पर कांग्रेस पार्टी ने 7 सदस्यीय जांच टीम गठित की

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 17 अक्टूबर 2024बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने सिवान जिले में जहरीली शराब से हुई मौत की घटना पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव बिहार प्रभारी श्री सुशील कुमार पासी के नेतृत्व में एक सात सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। इस जांच टीम में विजय शंकर दुबे विधायक , विधु शेखर पांडे , ओमप्रकाश गर्ग, आदित्य पासवान, प्रदुमन राय , डॉ ख्वाजा एहतेशाम अहमद शामिल है। यह जांच टीम घटना स्थल पर जाकर एवं स्थानीय लोगों से मिलकर घटना की पूरी रिपोर्ट पार्टी को सौंपेगी।

मारपीट की घटना में महिला हुई गंभीर रूप से जखमी

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के लदौरा गांव में बुधवार की शाम हुई मारपीट की घटना में एक महिला गंभीर रूप से जखमी हो गई। परिवार के लोगों ने जख्मी महिला को इलाज के लिए कल्याणपुर के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। जख्मी महिला की पहचान लदौरा गांव के उपेंद्र राम की पत्नी महोखीया देवी के रूप में हुई है। जख्मी महिला ने पड़ोस के ही एक युवक को आरोपित करते हुए थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराई है। वही प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष विकास केशव ने बताया कि जख्मी महिला के द्वारा आवेदन दी गई है, मामले की जांचों प्रांत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मधुबनी रढऑफिस में पुलिस महानिरीक्षक, मिथिला क्षेत्र दरभंगा के द्वारा विधि व्यवस्था/अपराध नियंत्रण एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

पुलिस कार्यालय मधुबनी में पुलिस महानिरीक्षक , मिथिला क्षेत्र दरभंगा के द्वारा विधि व्यवस्था/अपराध नियंत्रण एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षा बैठक किया गया। अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अधिकारियों को दिए कई टास्क

इस अवसर पर मधुबनी एसपी सुशील कुमार, सदर एसडीपीओ राजीव कुमार, जयनगर डीएसपी वपल्लव कुमार, बेनीपट्टी डीएसपी, झंझारपुर डीएसपी, फुलपरास डीएसपी,

जिला के इंस्पेक्टर समेत कई अधिकारी उपस्थित थे '

जागरूकता रथ को मधुबनी डीआरडीए परिसर से डीडीसी दिपेश कुमार द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

शत प्रतिशत लाभुकों को यूडीआईडी कार्ड बनाने हेतु आयोजित मधुबनी ज़िला में विशेष शिविर के प्रचार-प्रसार को लेकर आज जागरूकता रथ को डीआरडीए परिसर से डीडीसी दिपेश कुमार द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। कार्यक्रम में सहायक निर्देशक सामाजिक सुरक्षा ,जिला पंचायती राज पदाधिकारी, डायरेक्टर डीआरडीए ,जिला अल्पसंख्यक पदाधिकारी आदि शामिल हुए। प्रचार प्रसार रथ मधुबनी के सभी प्रखंडों में जा कर वऊक्छ कार्ड एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में आमजनों को जागरूक करने का कार्य करेगा। सदर अस्पताल सहित सभी अनुमंडलीय अस्पताओ में जिले के सभी दिव्यांगजनों का बनाया जाएगा यूडीआईडी कार्ड।

शत प्रतिशत यूडीआईडी कार्ड बनाने को लेकर स्थान एवं तिथि निर्धारित कर कैम्प का आयोजन किया गया है। कैम्प की सफलता पूर्वक संचालन को लेकर डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने दिए कई निर्देश।गौरतलब हो कि 01.04.2021 से ऑफलाइन निर्गत दिव्यांकता प्रमाण पत्र राज्य में मान्य नही है, उसकी जगह ऑनलाइन सत्यापित दिव्यांकता प्रमाण पत्र ही मान्य होगा।दिव्यांगजनों का वऊक्छ कार्ड निर्गत करने हेतु स्थल व तिथि का निर्धारण निम्नरूपेण किया गया है।-:

स्थल का नाम
सदर अस्पताल सिविल सर्जन कार्यालय, मधुबनी
दिनांक 17.10.2024 से 19.10.2024 तक
स्थल का नाम
अनुमंडल अस्पताल, बेनीपट्टी
दिनांक 21.10.2024 से 22.10.2024 तक
स्थल का नाम
अनुमंडल अस्पताल, जयनगर
दिनांक 24.10.2024 से 25.10.2024 तक
स्थल का नाम
अनुमंडल अस्पताल, झंझारपुर
दिनांक 28.10.2024 से 29.10.2024 तक
स्थल का नाम
अनुमंडल अस्पताल, फुलपरास
दिनांक 01.11.2024 से 02.11.2024 तक

निम्न दस्तावेजों के साथ दिव्यांकजन प्रमाणीकरण कैंप में आयेंगे

विद्यालय का निरीक्षण के कर्म मे मध्यान भोजन का गुणवक्ता का जांच करते प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुर्रौंधा 17 अक्टूबर बृहस्पतिवार। दुर्रौंधा प्रखण्ड स्थित ऊंच माध्यमिक विद्यालय सह इन्टर कॉलेज सवान विग्रह का प्रभारी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री चंद्रभान सिंह ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किए। और विद्यालय मे बने मध्यान भोजन कर भोजन का गुणवक्ता की जांच की। वही विद्यालय के अभिलेखों छात्र उपस्थिति पंजी, शिक्षक उपस्थिति पंजी, भोजन चखनी पंजी, एमडीएम पंजी इत्यादि को बारी बारी से जांच किए और विद्यालय के सभी वर्ग मे जाकर बच्चो को पढ़ाया। और विद्यालय मे पठन पाठन,साफ सफाई, शौचालय पेय जल एफएलएन कीट की भी जांच कर विद्यालय के प्रभारी प्रधाना ध्यापीका श्रीमती दीपिका कुमारी को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर दुर्रौंधा प्रखण्ड साधन सेवी अंकित कुमार सिंह विद्यालय के शिक्षक, दुर्गेश कुमार, धर्मनाथ प्रसाद, दूधनाथ साह राकेश रंजन,अजमेरी खातून, जागृति, मोहम्मद चुन्नू, गुंजन कुमार, धीरज यादव, कन्हैया सिंह, अंशिता सिंह प्रियंका मौर्या, खुशबू कुमारी इत्यादि मौजूद थे

तीर धनुष मेरे-पिता से गिरता तो राम का अपमान होता

तेजस्वी यादव का सीएम नीतीश पर तंज, कहा- उनकी उम्र का दिख रहा असर

पटना। के गांधी मैदान में रावण दहन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ से तीर-धनुष छूट कर नीचे गिर गया, जिसके बाद इस मामले पर बिहार में सियासत तेज हो गई है। आरजेडी ने कहा कि यह घटना दशार्ती है कि नीतीश कुमार अपनी पार्टी जेडीयू के चुनाव चिन्ह तीर को बीजेपी में विलय करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं अब तेजस्वी यादव ने भी इसे लेकर सीएम नीतीश पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने कहा, 'यही अगर मेरे और लालू यादव से हुआ होता तो राम का अपमान हो जाता। ऐसा कहा जाता कि तीर और धनुष फेंक दिया रावण पर बाण नहीं चलाया। हो सकता है उम्र का प्रभाव है दिखा है।' तेजस्वी के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया। पार्टी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार का पॉलिटिकल तीर हमेशा निशाने पर बैठता है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के दूसरे चरण की यात्रा की आज से शुरू हो रही है। वे रात में ही बांका के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने राबड़ी आवास से निकलते समय मीडिया से बातचीत की। पत्रकारों ने तेजस्वी यादव से सीएम नीतीश के स्वास्थ्य से संबंधित सवाल पूछा। जिस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'हमें तो चिंता है, वह हमारे चाचा जी हैं। व्यक्तिगत तौर पर हम तो उनका सम्मान करते ही हैं।' नीतीश के हाथ से गिरा तीर-धनुष, सोशल मीडिया पर वायरल पटना के गांधी मैदान में उट नीतीश कुमार की मौजूदगी

में रावण का दहन किया गया। रावण वध के लिए उट, राज्यपाल और डिप्टी उट ने तीर-धनुष उठाया। सभी चलाने वाले थे, इसी दौरान मुख्यमंत्री के हाथ से तीर धनुष गिर गया। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।पिछले बार तीन, इस बार चारों सीटों पर जीतेंगे राजद की आज से यह यात्रा शुरू हो रही है। यह यात्रा 26 अक्टूबर तक चलेगी। इस दूसरे चरण में वह 12 जिलों के कुल 54 विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं से तेजस्वी यादव सीधा संवाद करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह यात्रा कार्यकताओं से संवाद का यात्रा है। इसमें जो भी पंचायत और ब्लॉक के अध्यक्ष हैं, उनसे हम लोग मुलाकात कर रहे हैं। ताकि पार्टी और संगठन को और मजबूत किया जाए। यह यात्रा पूरी हो जाए इसके बाद एक बार लोगों के बीच भी यात्रा निकालेंगे।' चार सीटों पर उपचुनाव को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा, 'पिछले बार तीन सीटों पर चुनाव हमने जीता था। इस बार चार के चारों सीटों पर चुनाव जीतेंगे, जिस तरीके से नकारात्मक सरकार चल रही है। कोई काम नहीं हो रहा है, मेरे जाने के बाद से ही लोगों को नौकरी नहीं लगी है। मैने 3.50 लाख पद प्रक्रियाधीन कराए थे। अभी तक उन लोगों को नौकरी नहीं लगी है।' स्मार्ट मीटर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह स्मार्ट मीटर नहीं बल्कि चीटर मीटर है। लोग काफी ज्यादा परेशान है, जल्द इसको लेकर भी लोगों के बीच जाएंगे।'तेजस्वी ने आगे कहा, 'बिहार में 2012 के बाद स्थिर सरकार नहीं है। जब तक स्थिरता नहीं होगी तब तक विकास नहीं होगा। आप हमारे मुख्यमंत्री को ही देख लीजिए, अब अधिकारियों ने उनका बोलना भी बंद करवा दिया है। एक कमरे में 5 मिनट के लिए बैठक होती है। हजारों करोड़ों रुपए की योजना की शुरूआत हो जाती है।'हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर भी साधा निशाना केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकाले जाने को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा, 'सभी धर्म का सम्मान होना चाहिए। केवल नफरत फैलाने की राजनीति नहीं होनी चाहिए। लोगों के पास तो उपलब्धि है नहीं।

संक्षिप्त डायरी

मारवाड़ी युवा मंच ने डांडिया का किया आयोजन

सहरसा। में पहली बार मारवाड़ी युवा मंच ने डांडिया का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री सह बीजेपी विधायक आलोक रंजन झा, पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना और सहरसा नगर निगम की मेयर बैन प्रिया, उप मेयर गुड्डू हयात ने सम्मिलित रूप से दीप जलाकर किया। आयोजित कार्यक्रम में शहर की सैकड़ों महिलाएं शामिल हुई। बाहर से आए कलाकारों ने नृत्य संगीत के धुन महिलाओं ने डांडिया खेला और जमकर इंजॉय किया। पहली बार मारवाड़ी युवा मंच के बैनर तले डांडिया में शहर के कई गणमान्य महिलाओं ने इस में हिस्सा लिया गया।बच्ची, युवतियों और महिलाओ ने डांडिया खेलती नजर आयी। बिहार के पूर्व मंत्री सह बीजेपी के विधायक आलोक रंजन ने कहा कि मारवाड़ी समाज को सबसे पहले धन्यवाद देते है कि ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से समाज में एक दूसरे के भेदभाव खत्म होता है और विजयादशमी के बाद ऐसे कार्यक्रम से अच्छे माहौल बनते है।

नालंदा में बोलेरो ने बुजुर्ग को रौंदा, मौत

नालंदा। में मंगलवार को सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला चिकसौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत निरिया गांव के समीप की है। मृतक की पहचान चिकसौरा थाना क्षेत्र के खोखना गांव निवासी स्व.शिवनंदन चौधरी के (65) वर्षीय पुत्र लक्ष्मण चौधरी के रूप में की गई है। देर शाम परिजन शव के पोस्टमर्टम को लेकर बिहार शरीफ सदर अस्पताल पहुंचे। मृतक के परिजन ने बताया कि लक्ष्मण चौधरी सोमवार को अपने ससुराल निरिया गांव आए थे। जहां उनके ससुराल में पूजा-पाठ के बाद बलि दी गई थी। जहां वह प्रसाद ग्रहण कर मंगलवार की सुबह अपने घर लौट रहे थे। तभी गांव के बाहर बोलेरो ने उन्हें कुचल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के क्रम में देर शाम उनकी मौत हो गई। इसके उपरांत स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।चिकसौरा थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि इलाज के क्रम में बुजुर्ग की मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस पर मामले की जांच में जुट गई है। वाहन चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

5 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

नालंदा। जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह में साला-बहनोई सहित कई राज्यों में सक्रिय अपराधी शामिल थे। पुलिस ने इनके पास से बड़ी संख्या में फर्जी एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मानपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। सदर डीएसपी वन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक बाइक पर फर्जी सिम और एटीएम कार्ड लेकर आ रहे हैं। जानकारी के आधार पर धनकी मोड़ के पास एक बाइक पर सवार तीन युवकों को रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से बड़ी मात्रा में फर्जी एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और अन्य संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए। इन तीनों की निशानदेही पर दो अन्य साथियों को भी गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अपराधियों में नवादा जिले के पृथ्वी राज कुमार, मोनू कुमार उर्फ आशिक राज, पंकज कुमार तथा नालंदा के मंटू कुमार और प्रदीप कुमार शामिल हैं।

ये लोग विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी विज्ञापन और लॉटरी जीतने के झांसे देकर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के लोगों को ठगते थे। पुलिस ने इस गिरोह से कुल 19 फर्जी एटीएम कार्ड, 15 फर्जी सिम कार्ड, दो बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह मामला साइबर अपराध की बढ़ती चुनौतियों को रेखांकित करता है, जिसमें अपराधी नए-नए तरीके अपनाकर आम लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।

रसेल वाइपर सांप का मुंह पकड़कर व्यक्ति पहुंचा अस्पताल

भागलपुर। में मंगलवार की रात एक अधेड़ रसेल वाइपर सांप को गले में लटकाते हुए मायागंज अस्पताल पहुंच गया। रसेल वाइपर सांप एशिया का सबसे खतरनाक सांप है। जीरोमाइल थाना क्षेत्र के मीराचक में प्रकाश मंडल घर जा रहे थे। इसी दौरान सांप ने उसे दाहिने हाथ में डस लिया। इसके बाद प्रकाश मंडल ने सांप को कंधे पर लटकाया और इलाज के लिए मायागंज अस्पताल पहुंच गए। वे सांप के मुंह को पकड़े थे। कुछ देर बाद

सांप के साथ फर्श पर लेट गए। डॉक्टर ने मरीज के पास जाने से इनकार कर दिया। इधर, इलाज में काफी लेट हो जाने के कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो गई। फिलहाल इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है। दुनिया के पांच सबसे जहरीले सांपों में से एक रसेल वाइपर है। इससे भागलपुर में गंगा किनारे बसे लोग परेशान हैं। मंगलवार रात में भी एक व्यक्ति इस सांप के शिकार हुए। वे काफी देर तक हाथ में सांप को पकड़े इमरजेंसी वार्ड की गली में खड़े रहे। उसके साथ आए व्यक्ति उन्हें संभाल रहे थे। डॉक्टर ने कहा कि इलाज करना मुश्किल होगा, जबतक कि सांप हटाया नहीं जाता है। वहीं, कुछ लोग यह कह रहे थे कि देखिएगा कहीं हाथ से सांप छूट न जाए। किसी तरह से हाथ से सांप छुड़ाकर बंद किया, तो प्रकाश का इलाज शुरू हो सका। रात करीब 12 बजे तक उसका इलाज चल रहा था।

अवैध ई-टिकट बनाने के आरोप में एक दलाल गिरफ्तार

कटिहार। रेल मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल के ईस्ट पोस्ट कमांडर राकेश कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ ने मंगलवार को एक दर्जन रेलवे के अवैध ई-टिकट बनाने के आरोप में एक दलाल को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ईस्ट पोस्ट में 143 रेलवे एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार युवक 24 वर्षीय मो. मकसूद अलम कोढा, कटिहार जिला का निवासी है। जिसके पास से आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर अनुज कुमार ने लगभग 20 हजार के 12 ई-टिकट में दो प्रीमियम तत्काल टिकट के साथ लैबटॉप, मोबाइल फोन आदि को बरामद करते हुए जब्त किया है। जिसे बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। 6 ट्रेनों में हुई जांच आरपीएफ के सीपीडीएस टीम ने आरपीएफ कमांडेंट के निर्देश पर विशेष ड्राइव चलाया गया। आयोजित विशेष ड्राइव के दौरान आरपीएफ की विशेष टीम के प्रभारी सैयद एहसान अली के नेतृत्व में ट्रेन में महिला और विकलांग बोगी में चढ़े और रेल क्षेत्र में अनाधिकृत प्रवेश करने के आरोप में कटिहार से एनजेपी के बीच ट्रेन नंबर 15715, 13164, 15483, 15945, 19306, 15910 सहित अलग-अलग लगभग आधे दर्जन ट्रेनों को बारीकी से चेक किया गया । जिसमें कुल 22 लोगों को विभिन्न रेलवे एक्ट के तहत पकड़ कर मामला दर्ज किया गया। आयोजित विशेष ड्राइव में सीपीडीएस टीम प्रभारी सैयद एहसान अली के नेतृत्व में एक शातिर मोबाइल चोर को भी यात्री के दो चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर रेल पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सुपुर्द किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए 20 वर्षीय व्यक्ति मो सबा कुमार अररिया जिला निवासी है। मौके पर आरपीएफ पोस्ट कमांडर राकेश कुमार के साथ आरपीएफ सीपीडीएस टीम प्रभारी सैयद एहसान अली, सहित आर पी एफ और रेल पुलिस के कई अधिकारी व जवान मौजूद थे ।

गोपनीय शाखा के लापता क्लर्क स्टेनो छत्तीसगढ़ से बरामद

गया। डीएम दफ्तर की गोपनीय शाखा के लापता क्लर्क स्टेनो छतीसगढ़ के दुर्ग से बरामद, कहा अपनी मर्जी से आए गया में जिले के डीएम दफ्तर की गोपनीय शाखा के आशु लिपिक पंकज कुमार लापता थे। जिन्हें गया पुलिस ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेल थाना की मदद से सकुशल बरामद कर लिया है। पंकज का मोबाइल सोमवार की सुबह 10:00 बजे के बाद से बंद था। 10:00 बजे के आसपास उनका लोकेशन रामपुर थाना क्षेत्र में मिला था। उसके बाद से उनका लोकेशन ट्रेस नहीं हो रहा था। पंकज कुमार किस हाल में है कहां है इस बात की जानकारी न तो उनके घर वालों को थी और न ही उनके ऑफिस वालों को। पंकज कुमार की पत्नी संगीता कुमारी ने रामपुर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हालांकि रिपोर्ट दर्ज कराने में पीड़ित परिवार को सिविल लाइंस और रामपुर थाने का कुछ देर के लिए चक्कर काटना पड़ा। क्वाटर से ऑफिस के लिए निकले थे दसअसल में पंकज कुमार सोमवार सुबह अपने क्वाटर सेवा नगर से ऑफिस के लिए निकले थे। उसके बाद से ही वे लापता चल रहे थे। सोमवार देर शाम तक जब पंकज कुमार घर नहीं लौट सके थे तो उनके घर वालों की चिंता बढ़ने लगी थी। उन्होंने आस पड़ोस और उनके दोस्तों से जानकारी ली थी पर कहीं से कोई पता नहीं चल सका था। मंगलवार शाम तक पंकज नहीं मिले तो उनकी पत्नी ने रामपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। खास बात यह कि पंकज की स्कूटी डीएम कोठी परिसर में पाई गई थी लेकिन उनका कोई अता पता नहीं चल रहा था। पंकज को लाया जा रहा एसएसपी आशीष भारती ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया है कि आशु लिपिक जो लापता थे। उनकी सकुशल बरामदगी हो गई है। पुलिस की विशेष टीम छानबीन में जुट गई थी। जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि पंकज को साउथ बिहार एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करते हुए देखा गया है। इस पर गया पुलिस ने दुर्ग रेल थाना की मदद से उन्हें बरामद कर लिया गया है। दुर्ग रेल पुलिस को पंकज ने बताया है कि वह अपनी मर्जी से दुर्ग तक आए। एसएसपी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंकज को वापस लाया जा रहा है। गया आने बाद उनसे पूछताछ के बाद ही विशेष जानकारी शेयर की जा सकेगी।

पुलिस से मारपीट और पथराव पर 35 नामजद

भोजपुर। जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के सलेमपुर में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान जाति आधारित गाना बजाने का विरोध करने को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें पुलिस पर पथराव करने और मारपीट के आरोप में 35 नामजद समेत 20-25 अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी की गई है। थानाध्यक्ष संजीव कुमार के बयान पर हुई प्राथमिकी में हेमतपुर व सलेमपुर गांव के दोनों पक्षों को आरोपित किया गया है। आरोपियों पर अश्लील गाना बजाने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को घायल किए जाने का आरोप है। पकड़े गए आरोपियों में मुखिया समीर सिंह उर्फ मिथुन सिंह, रमेश सिंह, दीपक सिंह, रितेश यादव, अमित कुमार सिंह और विष्णु बजरंग सिंह शामिल है। सभी पकड़े गए आरोपी एक पक्ष के हैं, जो धोबहा के हेमतपुर गांव के निवासी हैं। दूसरे पक्ष से अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस दौरान सदर एएसपी परिचय कुमार ने सलेमपुर गांव पहुंचकर घटना की जांच की। कुछ लोगों से पूछताछ भी की गई। गाना बजाने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े थे मालूम हो कि सोमवार की शाम दुर्गा पूजा की समाप्ति के बाद हेमंतपुर गांव से मूर्ति विसर्जन करने को लेकर पूजा कमेटी के सदस्य और ग्रामीण गाना बजाते बलुआं-केवटिया गंगा घाट की ओर जा रहे थे कि जाति आधारित गाना बजाए जाने को लेकर सलेमपुर डेरा और हेमतपुर गांव के कुछ लोगों के बीच विवाद हो गया था।

आत्महत्या के लिए मजबूर हुए रिटायर एयर फोर्स ऑफिसर

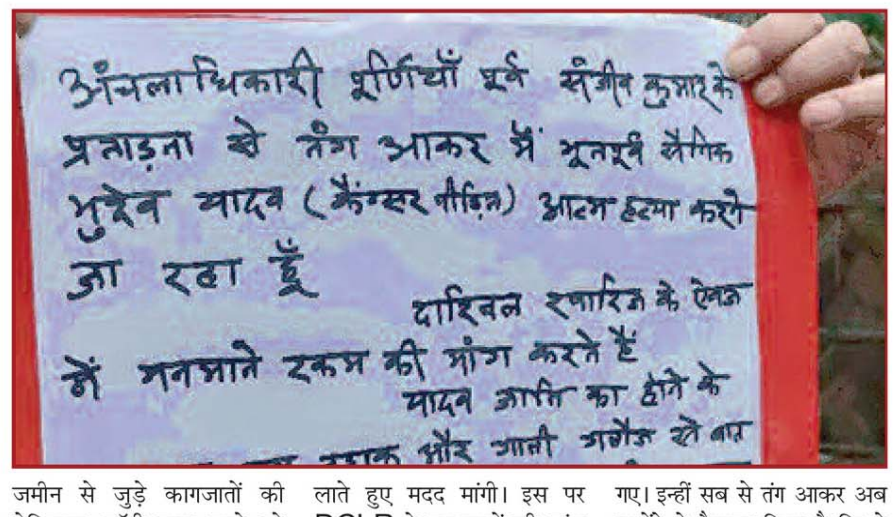

पूर्णिया। में इंडियन एयरफोर्स के रिटायर्ड ऑफिसर सिस्टम के आगे लाचार हो गए। अब आत्महत्या करने को मजबूर हैं। जमीन के म्यूटेशन के लिए वे 6 माह से अंचल कार्यालय का चक्कर काट रहे। उन्होंने सीओ पर 8 हजार रुपए मांगने के आरोप लगाया है। पीड़ित ऑफिसर ने सीओ पर तू-तराक करने और गाली-गलौज का भी आरोप लगाया है। हालांकि सीओ संजीव कुमार ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है। पीड़ित की पहचान हरदा के ठाढ़ा गांव निवासी भूदेव यादव के रूप में हुई है। वे इंडियन एयरफोर्स से जूनियर वॉरेंट ऑफिसर के पद से रिटायर्ड हैं। सीओ पर मनमानी और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए रिटायर्ड ऑफिसर भूदेव यादव ने हाथों में तख्तियां लेकर अपनी जमीन पर प्रदर्शन किया। रिटायर्ड ऑफिसर ने तख्ती पर लिखा- अंचलाधिकारी पूर्णिया पूर्व संजीव कुमार की प्रताड़ना से तंग आकर मैं भूतपूर्व सैनिक भूदेव यादव (कैंसर पीड़ित) आत्महत्या करने जा रहा हूं। दाखिल खारिज के एवज में सीओ मनमाने रकम की मांग करते हैं। यादव जाति का होने के कारण तू-तड़ाक और गाली-गलौज से बात करते हैं। सेवानिवृत्त ऑफिसर भूदेव यादव ने बताया कि हरदा में उनकी 19 डिसमिल जमीन है। इसी के म्यूटेशन के लिए 24 अप्रैल को अप्लाई किया था। ऑनलाइन आवेदन मिलने पर पूर्णिया पूर्व प्रखंड के सीओ संजीव कुमार ने सभी कागजातों की जांच की और जमीन से जुड़े कागजातों की वेरिफाइड कॉपी जमा करने को कहा। मैंने जमा कर दिया। इसके बाद कभी सीओ और कभी उनके कर्मचारी टालते रहे। वे अंचल कार्यालय और सीओ दफ्तर के चक्कर लगाते थक गए। उन्होंने अपना परिचय भी दिया और बताया कि वे कैंसर से पीड़ित हैं, उनकी मदद की जाए। मगर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ा। DCLR के पास भी लगाई गुहार इससे थक हारकर वे उच्छफ के पास गए और मामला संज्ञान में लाते हुए मदद मांगी। इस पर DCLR ने कागजातों की जांच की और फिर फोन पर सीओ को म्यूटेशन क्लियर करने को कहा। मगर सीओ ने DCLR के निर्देश को भी ताक पर रखा और अब तक म्यूटेशन को लटकाए रखा है। इसके बाद वे फिर अंचल कार्यालय गए और सीओ संजीव कुमार से मिलकर म्यूटेशन क्लियर करने का आग्रह किया। बताया कि वे कैंसर से पीड़ित हैं। उन्हें इस तरह दौड़ाकर परेशान न किया जाए। इस पर वे भड़क गए और तू-तड़ाक पर आ गए। इन्हीं सब से तंग आकर अब उन्होंने ये फैसला किया है कि वे खुद को खत्म कर लेंगे। क्योंकि अब उनमें सही काम कराने के लिए सिस्टम का सामना करने की ताकत नहीं रही। इस माह के अंत तक काम हो जाएगा पूर्णिया पूर्व के सीओ संजीव कुमार ने कहा कि कागजातों की जांच की जा रही है। त्योहार के कारण थोड़ी देरी हो रही है। मगर इस महीने के अंत तक क्लियर कर दिया जाएगा। जो आरोप लगाए गए हैं, उनमें थोड़ी बहुत भी सच्चाई नहीं है।

भूख हड़ताल पर बैठे एम्बुलेंस ड्राइवर

बोले- डिप्टी सीएम करते हैं नौकरी देने का वादा, दरवाजे पर पहुंचे तो पुलिस खदेड़ रही

लखनऊ। में डिप्टी सीएम आवास के बाहर दूसरे दिन भी एम्बुलेंस ड्राइवर प्रदर्शन कर रहे हैं। नौकरी की मांग को लेकर अब सभी भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। ड्राइवरों द्वारा जमकर नारेबाजी की जा रही है। कोरोना के समय दिए गए मेडल और सर्टिफिकेट भी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को वापस देने की बात कही जा रही है। एम्बुलेंस ड्राइवरों का कहना कि डिप्टी सीएम नौकरी देने का वादा तो करते हैं लेकिन अब उनके ही दरवाजे पर पहुंचे तो पुलिस खदेड़ रही है। उपमुख्यमंत्री से 3 साल में 20 बार से अधिक मुलाकात की गई। हर बार आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। कल प्रदर्शन के दौरान उन्होंने 5 लोगों के डेलिगेशन को मुलाकात के लिए बुलाया। बीच का रास्ता निकालने की बात कही गई, लेकिन मुलाकात के बाद क्या हुआ इसकी सूचना किसी को नहीं दी गई। इसीलिए अब भूख हड़ताल शुरू की गई है। जब तक बहाली नहीं होगी तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। तीन दिन का काम 3 साल में नहीं हुआ पूरा एम्बुलेंस ड्राइवर शैलेश का कहना है कि 3 साल में सरकार कंपनी से बातचीत नहीं कर पाई। यह दुख की बात है कि जिस समस्या का समाधान तीन दिन में होना था वह 3 साल में भी नहीं हो पाया। हम लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं, सुनवाई नहीं होने तक यहीं बैठे रहेंगे।दरवाजे पर पहुंचने पर पुलिस भगा रही प्रदर्शन कर रहे सलील अवस्थी का कहना है कि 3 साल से हम लोग नौकरी के लिए दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों से 9000 कर्मचारी रोजगार के लिए सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय करके लखनऊ पहुंचते हैं। डिप्टी सीएम वादा करते हैं कि नौकरी मिलेगी। अब जब उनके दरवाजे पर पहुंचे तो पुलिस भगा रही ईको गार्डन ले जाते समय हुई तीखी नोंक झोंक डिप्टी सीएम के आवास का घेराव और भूख हड़ताल कर रहे सभी एम्बुलेंस चालकों और टेक्नीशियन को पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। इस दौरान पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंक झोंक भी हुई है बिना कारण बताए नौकरी से निकाला 9000 कर्मचारियों के सामने तीन साल से रोजी रोटी का संकट है। साल 2012 में नियुक्ति हुई। 2012 से लेकर 2021 तक 108 और 102 एम्बुलेंस में सेवा दिया। 2021 में 9000 कर्मचारियों को बिना कारण बताए निजी कंपनी है, जिसके माध्यम से भर्ती हुई थी) निकाल दिया।शारीरिक, मानसिक शोषण जैसे कई गंभीर आरोप लगाए प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी के खिलाफ नौकरी से निकालने, शारीरिक, मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए। एंबुलेस ड्राइवरों का कहना है कि कोरोना के समय नौकरी दी गई। उस समय कई कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, लेकिन अब नौकरी से निकाला जा रहा है। इसीलिए जीवनदायिनी स्वास्थ्य विभाग 108-102 एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदर्शन किया जा रहा है।ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस कंपनी पर आरोप चालकों का कहना है कि प्रदेश में 20 हजार एंबुलेंस कर्मचारी इस कंपनी में काम करते हैं। कंपनी, कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है। मेंटेनेंस का पैसा भी कंपनी कर्मचारियों के वेतन से काट रही है। विरोध करने वालों को बर्खास्त कर दिया जाता है।

मंत्री-विधायक बताएं किससे कहें अपनी बात

शाम 5 बजे के बाद ईको गार्डन में प्रदर्शन करने वालों को रुकने नहीं दिया जाता। किसी मंत्री या विधायक के आवास पर प्रदर्शन करने जाओ तो वहां पुलिस लाठीचार्ज करती है। यही लोग बता दें कि हम अपनी बात किसके पास रखें।

संक्षिप्त डायरी

श्रम विभाग ने श्रमिकों को किया जागरूक

संवाददाता

कसया कुशीनगर। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विभाग के कर्मचारी गांधी चौक के समीप लेबर अड्डा पहुंच कर मजदूरों को विभाग में पंजीयन/नवीनीकरण कराकर योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक किया। बुधवार को उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के कर्मचारी शशि शेखर मिश्र श्रम विभाग ने कसया स्थित लेबर अड्डा पहुंच कर श्रमिकों को किया जागरूक किया और विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में मजदूरों को अपने समीप के जनसेवा केन्द्र पर पहुंच कर जनसेवा केन्द्र के माध्यम से यू पी बी ओ सी डब्ल्यू के साइड पर श्रमिक पंजीयन कराने तथा पूर्व में पंजीकृत श्रमिकों को ससमय नवीनीकरण कराकर विभाग द्वारा श्रमिकों के हित में संचालित विभिन्न प्रकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के जागरुक किया। विभाग निर्माण श्रमिकों की कल्याण मातृत्व शिशु बालिका मदद योजना कन्या ग राम भवन, मुनीब, प्रमोद, अजय, रामकृपाल सुमन अखिलेश सहित दर्जनों श्रमिक मौजूद रहे।

ट्रक संचालक एसोसिएशन ने लिया खनन सामग्री फीट के बजाय टन में बेचने का निर्णय

संवाददाता

कुशीनगर। यूपी ट्रक संचालक एसोसिएशन की एक बैठक नेशनल हाईवे कसया स्थित जय माँ दुर्गे ट्रांसपोर्ट कंपनी के परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में खनन सामग्री फीट के बजाय वजन (टन) में बेचने का निर्णय एक स्वर से लिया। बुधवार को आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश पाण्डेय व वक्ताओं ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए खनन सामग्री बालू, गिट्टी को टन पर बेचने की सहमति बनी। जिससे दुकानदारों के साथ वाहन स्वामी भी ठगे जाने से बचेंगे। सभी वाहन स्वामी एक निर्धारित दर पर गिट्टी/मोरंग बेचेंगे। प्रतिदिन सुबह ग्रुप में भाव की सूचना मिल जाएगी। समस्या समाधान के लिए जनपद में प्रति माह बैठक होगी। अध्यक्षता करते हुए कुशीनगर जिलाध्यक्ष महन्थ यादव ने सरकार से मांग किया कि नेशनल हाईवे पर ट्रकों के ठहरने के लिए पड़ाव अड्डा बनाया जाय। ताकि ट्रक किनारे खड़े हों।

प्रदेश महामंत्री आरपी सिंह ने बताया कि आगामी 24 अक्टूबर को गोरखपुर में ट्रक चालकों की बैठक बुलाई गई है। इस अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री अजय शर्मा, देवरिया जिलाध्यक्ष अजय त्रिपाठी, जिलाउपाध्यक्ष विनय सिंह पटेल, बुलेट ठकुराई, राकेश सिंह, योगेन्द्र राय, मीर हसन अंसारी, दयाशंकर सिंह, उदयप्रताप सिंह, जनार्दन सिंह, अनूप कुमार यादव, अमरजीत बरनवाल, राजू कुशवाहा, दीपांकर राय, जितेंद्र शाही, मनीष राय, सत्येंद्र राय सहित सैकड़ों ट्रक स्वामी मौजूद रहे।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है विजयादशमी का पर्व: ओमप्रकाश जायसवाल

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर क्षेत्र के वार्ड नम्बर 1 रानी लक्ष्मी बाई नगर (नरकटिया खुर्द) में विजयादशमी पर्व के अवसर पर रावण के पुतले का दहन किया गया। इस अवसर पर महिला, पुरूष, बच्चों ने आयोजित मेले का खूब आनन्द लिया। सोमवार को राम सेवा सामिति के सदस्यों द्वारा आयोजित रावण दहन उत्सव में पूजन अर्चन किया गया और जयकारे लगाए गए। मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के कसया नगर मण्डल उपाध्यक्ष और प्रतिष्ठित व्यवसायी ओमप्रकाश जायसवाल ने वार्ड वासियों के साथ रावण के पुतले का दहन किया और कहा कि विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अपने भीतर छिपी बुराईयों का समूल नाश ही इस पर्व का उद्देश्य है। सामाजिक विकृतियों के समाप्त होने से हर घर मे खुशियों का बास होगा। इसलिए इस पर्व से सीख लें और एक सुंदर समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। इस अवसर पर बुद्ध विद्या बिहार के प्रधानाचार्य एवं पत्रकार वीरेन्द्र सिंह, अशोक श्रीवास्तव, अनिल जायसवाल अनिल पाण्डेय, पूर्व सभासद पवन जायसवाल, गोपाल राव, गुड्डू भारती, प्रयाग, सागर, गोलू कुशवाहा, प्रेम कुमार, नेबुलाल गोंड़, सुरेश लेखपाल, सुदामा कुशवाहा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रेप पीड़िता नाबालिग की इलाज के दौरान मौत

बस्ती। के कप्तानगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव के मनबढ़ युवक ने रेप का विरोध पर दबंगों की दरिंदगी का शिकार हुई 17 वर्षीय नाबालिग की लखनऊ के सिविल हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस द्वारा पीड़िता के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को उसके पैतृक आवास बस्ती भेजा जाएगा। इस संदर्भ में लखनऊ पुलिस की ओर से बस्ती के कप्तानगंज थाना पुलिस को सूचना भेज दी गई थी। वहीं कप्तानगंज से पुलिस की टीम लखनऊ पहुंच गई है। बस्ती के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 वर्षीय नाबालिग एक अक्टूबर को जब घर में अकेली थी, तभी गांव का दबंग शंकर गौड़ घर में जबरन घुस आया और नाबालिग के साथ रेप किया। नाबालिग के विरोध करने पर आरोपियों ने उसके शरीर पर डीजल छिड़ककर आग लगा दी थी। गंभीर रूप से झुलसी पीड़िता को सीएचसी कप्तानगंज में भर्ती कराया गया था। जहां से जिला अस्पताल और उसके बाद लखनऊ के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया था।

शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ संगीतमय श्रीहरिकथा व संकीर्तन

संवाददाता

कुशीनगर। मंगलवार को दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के श्रद्धालुओं के द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा के साथ संगीतमय श्री हरिकथा व भजन संकीर्तन शुरू हो गया। कथा स्थल पावानगर महावीर इंटर कालेज के परिसर से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निकली यह शोभा यात्रा हास्पिटल रोड, ब्लाक रोड, बघौचघाट रोड, फोरलेन व कालेज रोड होते हुए इंटर कालेज परिसर में पहुंची। जहां पूरे धार्मिक रीति रिवाज के

साथ पूजन कर व्यास गद्दी की स्थापना की गई। जिसमें संस्थान के श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इनके भक्तिमय जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। आशुतोष महाराज के द्वारा स्थापित संस्थान के कथावाचक प्रतिदिन शाम को चार से सात बजे तक कथा व भजन संकीर्तन के माध्यम से श्रद्धालुओं को हरिकथा सुनाएंगे। इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस दौरान पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पशुपति नाथ जायसवाल, सभासद कमलेश वर्मा, मुकुल तिवारी, सोनू जायसवाल,धीरज वर्मा, रामाधार शर्मा, परशुराम जायसवाल, दुर्गेश सिंह, नन्दलाल सिंह, शेषमुनी गुप्ता रमन कुमार, संजय सिंह, भागवत सिंह आदि मौजूद रहे।

पुण्य स्मृति में शुद्ध पेय जल की हुई व्यवस्था

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा बुधवार को राहुल शिशु शिक्षा निकेतन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुशीनगर में स्वर्गीय त्रिलोकी नाथ शुक्ल की पुण्य स्मृति में उनकी पुत्र वधु बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में मनोविज्ञान की आचार्य डॉ0 सीमा त्रिपाठी के सहयोग से अवदान कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यालय परिवार को स्वच्छ पेय जल हेतु आरओ भेंट किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ0 सीमा ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के कारण नल का जल मूल रूप में पीने योग्य नही रह गया है। आज अधिकांश रोग दूषित जल के

सेवन से ही हो रहे हैं। इसलिए पिताजी की स्मृति में विद्यालय परिवार को शुद्ध पेय जल हेतु आरओ भेंट किया जा रहा। उन्होंने बच्चों से कहा कि यदि घर में आरओ नही है तो आप नल के जल को अच्छे से उबाल कर, छानकर पियें। विद्यालय के पुरातन छात्र पूर्व प्राचार्य प्रो0 अमृतांशु शुक्ल ने बच्चों के साथ अपनी स्मृतियां साझा कीं और उन्हें स्वच्छ व स्वस्थ रहने के तरीके बताये। कार्यक्रम का संचालन नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र व आगंतुकों का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य आदित्य प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो0 रामभूषण मिश्र, डॉ0 निगम मौर्य, डॉ0 सत्यप्रकाश, डॉ0 रीना मालवीय, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र, विनीत शुक्ल, अविनाश सिंह, अनीता मल्ल, राकेश कुमार, करन सिंह, राजन चतुर्वेदी, प्रणय कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्कॉर्पियो की चपेट में तीन युवकोम की मौत

संवाददाता

कुशीनगर। कसया थानाक्षेत्र से होकर गुजरने वाली एनएच-28 पर दर्दनाक हादसा देखने को मिला। जिसमें तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पर टहलने निकले तीन दोस्तों को रौंद दिया। जिसमें दो की मौके पर मौत हो गई। वहीं तीसरे ने गोरखपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौके पर मृत दोनों शव को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एक बिहार के नम्बर की स्कॉर्पियो बीआर 28 ए ई को पुलिस कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। कसया थानाक्षेत्र स्थित पकवाइनार गांव के तीन दोस्त सुबह घर से टहलने निकले। नेशनल हाइवे-28 के किनारे टहल रहे थे तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो तीनों को रौंदते हुए आगे निकल गई। जिसमें अमन भारती (19) पुत्र सीताराम प्रसाद निवासी पकवा इनार डुमरी, अंशु गुप्ता (19) पुत्र मुन्नर गुप्ता निवासी पिपरी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। लेकिन साहिल पटेल (18) पुत्र विनोद पटेल पकवाइनार डुमरी बेहद गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल साहिल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन वहां से डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कालेज रेफर किया। जहां से परिजनों ने एक निजी अस्पताल में साहिल को भर्ती कराया, लेकिन वहां उसने दम तोड़ दिया। तीनों कक्षा 9वीं के छात्र थे। मृतक साहिल अकेला पुत्र था, जबकि अंशु के पिता स्व. मुन्नवर गुप्ता की भी दो वर्ष पूर्व इसी तरह सड़क दुर्घटना में मौत हुई थी। दुर्घटना की सूचना पर चौकी इंचार्ज गौरव शुक्ला पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इनको ठोकर मारकर भाग रहा स्कॉर्पियो चालक कुछ आगे जाकर स्कॉर्पियो छोड़ फरार हो गया। जिसे पुलिस कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े मामलों में करें फौरन कार्यवाही

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी ने महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम लगाये जाने के साथ ही पीड़ित महिलाओं को फौरन इंसाफ दिलाये जाने सहित प्रदेश के विभागों में महिलाओं के फायदे के लिये चलायी जा रही योजनाओं का फायदा दिलाये जाने के साथ ही महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारो की जानकारी दिलाये जाने के लिये समय-समय पर जिले में महिला जनसुनवाई, विधिक जागरूकता कार्यक्रम सहित जरुरी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।जनसुनवाई के दौरान कुल 36 शिकायतें आई, ज्यादातर शिकायतें थानों से जुड़ी थीं। इन सभी समस्याओं को राज्य महिला आयोग की सदस्य ने प्राथमिकता के साथ डिस्पोजल के लिये जिम्मेदारों को निर्देशित किया साथ

ही कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के साथ निस्तारित किया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही कहा कि ऐसी जरूरतमंद ,पात्र महिलाएं जिन्हें सरकार ने उनके कल्याण और उत्थान के लिये चलाई जा रही योजनाओं के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी नहीं है, राज्य महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि जिन्होंने अभी तक मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना में आवेदन नहीं किया है उनका अनिवार्य रूप से आवेदन लेकर पात्र लोगों को इससे फायदा पहुंचाया जाय। उन्होने मौजूद महिलाओं, बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक थाना में महिला हेल्प डेस्क एवं आगन्तुक कक्ष की स्थापना कर वहाँ महिला आरक्षीगण की डयूटी लगायी गयी है। जहां पर कोई भी महिला/बालिका अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। जिनकी शिकायत सुनकर तत्काल निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण को आदेशित किया गया है। यदि उनकी कोई समस्या है, तो उन्हें बताकर उसका त्वरित निस्तारण कराया जा सकता है। सदस्या ने 1090 (वूमेन पॉवर लाइन), 181 (महिला हेल्प लाइन), 108 (एम्बुलेंस सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइल), 112 (पुलिस आपतकालीन सेवा), 1098 (चाइल्ड लाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा) के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर सीएमओ डॉ गीतम सिंह, एसडीएम व सीओ सदर ,जिला प्रोबेशन अधिकारी राजीव सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

हमीरपुर की जरिया पुलिस ने चोरी की 4 मोटर साइकिलों के साथ दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अपराध के खात्मे जबकि अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत चैकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम परछा निवासी सत्येन्द्र राजपूत पुत्र संतोष राजपूत जबकि थाना क्षेत्र के ही ग्राम छिबौली निवासी विष्णु उर्फ विसुन पुत्र भागीरथ राजपूत को चोरी की चार मोटर साईकिलों के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। इस मामले में दोनों अभियुक्तों के खिलाफ जरिया थाने में मु०अ०सं० 266/2024 धारा 317(1)/317(4)/317(5)/318(4)/338/336(3)/340(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर अदालत भेजा गया है, जबकि तलाशी के दौरान अभियुक्तों के पास से मोटरसाइकिल पेशन प्रो ब्लैक रंग, हीरो एच एफ डीलक्स मोटरसाइकिल, हीरो होण्डा उऊ डीलक्स सहित हीरो होण्डा उऊ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद करने में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जरिया थानाध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि पकड़े गये अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं, अभियुक्त सत्येन्द्र राजपूत के खिलाफ जरिया थाने में पहले ही से तीन मामले दर्ज हैं, जबकि अभियुक्त विष्णु के खिलाफ जरिया थाने में एक दर्जन से ज्यादा संगीन धाराओं में मामले दर्ज हैं। जबकि अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई रमाकांत शुक्ल, एस आई रोहित यादव, एस आई दिनेश प्रसाद, एस आई रामकुमार, कांस्टेबल पंकज यादव सहित कांस्टेबल ब्रजेश कुमार शामिल रहे।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

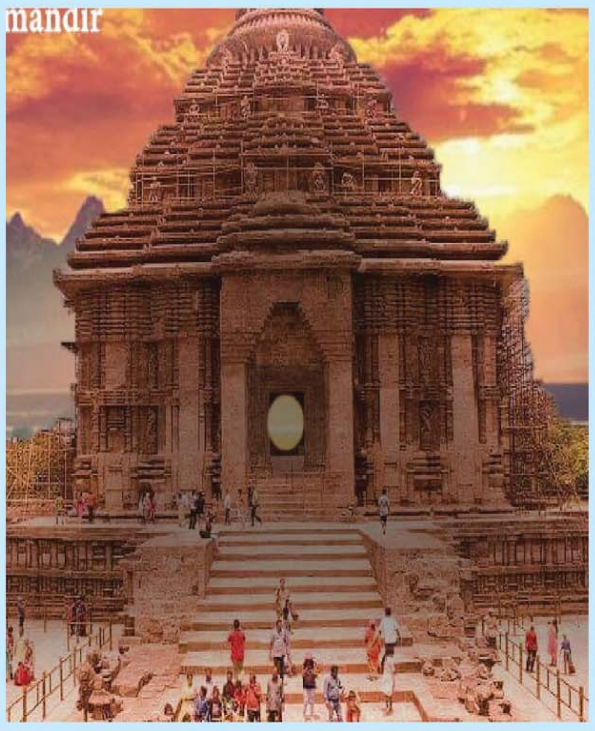

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

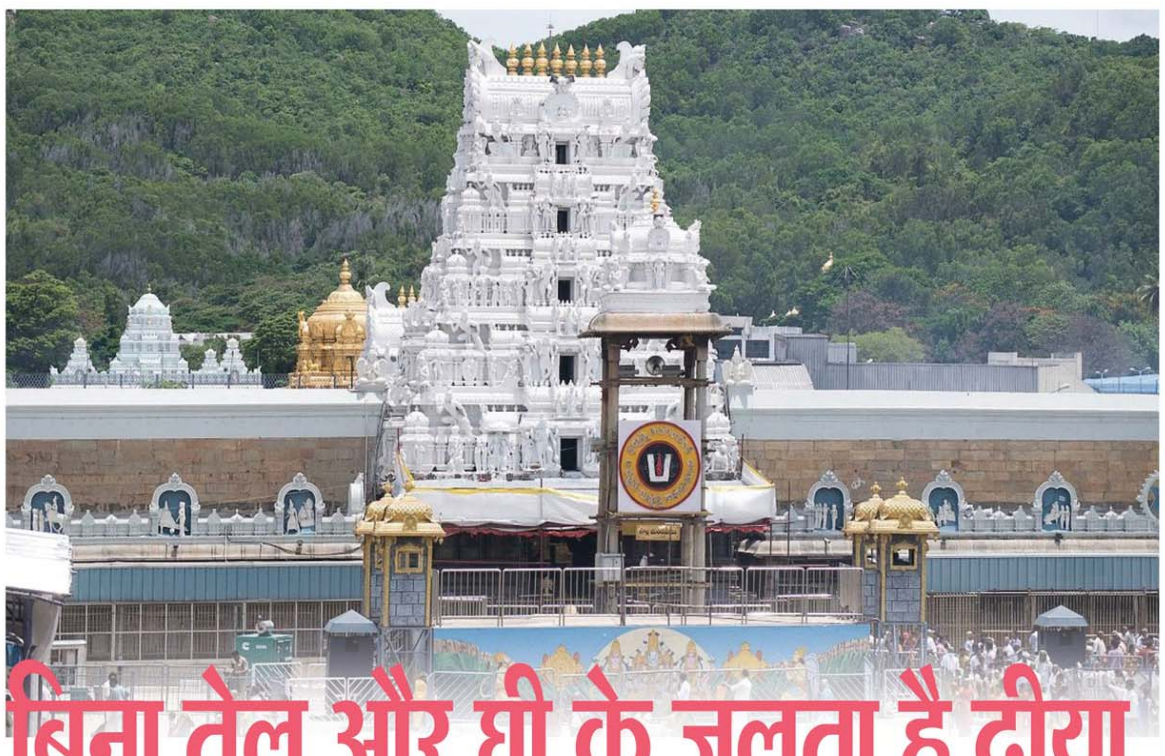

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढ़ने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला: स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग: धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली: उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी: शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली: पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

टाटा समूह सेमीकंडक्टर, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में नौकरियों पैदा करेगा

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने दिया बयान

नई दिल्ली । टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में नई नौकरियों को लाने की बात कहीं है। चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और देश को बढ़ते कार्यबल की रोजगार जरूरतों को पूरा करने के लिए 10 करोड़ नौकरियों का सृजन करने की जरूरत है। टाटा समूह देश में अधिक से अधिक विनिर्माण नौकरियां बनाने पर भी ध्यान दे रहा है, क्योंकि पूरा इकोसिस्टम भारतीय कंपनियों, विशेषकर 500,000 छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए कई अवसरों से भरा हुआ है।

चंद्रशेखरन के अनुसार, टाटा समूह सेमीकंडक्टर, प्रिसिशन मैन्युफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में निवेश कर रहा है, इसलिए वह अगले पांच वर्षों में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेगा। सेमीकंडक्टर विनिर्माण जैसे क्षेत्र कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 100 मिलियन नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। देश में हर माह करीब दस लाख लोग कार्यबल में शामिल होते हैं, जिससे देश के भविष्य के विकास के लिए विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन आवश्यक होता है। पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटा संस और पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कारपोरेशन (पीएसएमसी) की नेतृत्व टीम से मुलाकात की, जो गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपये की लागत से मेगा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन फैसिलिटी तैयार कर रही हैं।

मार्च में, प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में टाटा-पीएसएमसी चिप प्लांट की आधारशिला रखी थी। फैब निर्माण से क्षेत्र में 20,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कुशल नौकरियां पैदा होंगी। इतना ही नहीं असम में टाटा समूह का सेमीकंडक्टर प्लांट प्रतिदिन 4.83 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन करेगा, साथ ही चालू होने पर 15,000 प्रत्यक्ष और 13,000 तक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा।

टाटा संस हुई कर्ज मुक्त, नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली।

18 साल में पहली बार टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त कंपनी बनी है। टाटा समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर वित्त वर्ष 2023 के आखिर में 22,176 करोड़ रुपए का कर्ज था जो मार्च 2024 में घटकर 363.2 करोड़ रुपए रह गया था। वित्त वर्ष 2024 के आखिर में टाटा संस के पास 3,042 करोड़ रुपए की नकदी और समतुल्य राशि थी, जो इससे एक साल पहले 1,534 करोड़ रुपए थी। कंपनी पर कर्ज खत्म होने के बाद 2,679.2 करोड़ रुपए की नकदी बचेगी। मार्च 2020 के आखिर में टाटा संस पर सबसे ज्यादा 31,603 करोड़ रुपए का कर्ज था और उसका शुद्ध कर्ज एवं इक्विटी का अनुपात 0.56 गुना था।

कर्ज-मुक्त बैलेंस शीट और समूह की सूचीबद्ध कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स, टाइटन और टाटा कंज्यूमर से ज्यादा लाभांश मिलने से टाटा संस को नए उद्यमों में निवेश बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पहले वित्त 2006 में टाटा संस शुद्ध आधार पर कर्ज मुक्त हुई थी। उसके बाद विदेशी में कई बड़े अधिग्रहण किए गए थे, जिसने समूह को पूरी तरह से बदल दिया। टाटा संस की बैलेंस शीट और विभिन्न उद्यमों में इसके पूंजी निवेश की रफ्तार में संबंध दिखता है। वित्त वर्ष 2005-06 से 2014-15 के दौरान जब टाटा संस की बैलेंस शीट मजबूत थी तब उसने कई सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध उद्यमों में निवेश किया था। दिलचस्प बात यह है कि टाटा स्टील ने अक्टूबर 2006 में कोरस समूह के लिए 8.1 अरब डॉलर की बोली लगाई थी और 12.1 अरब डॉलर की प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर ब्रिटेन की इस कंपनी का अधिग्रहण किया था। टाटा मोटर्स ने जनवरी 2008 में ब्रिटेन की लक्जरी कार विनिर्माता जगुवार लैंड रोवर को 2.3 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया था। 2006 के बाद की अवधि में टाटा केमिकल्स, इंडियन होटल्स और टाटा ग्लोबल बेवरिजेज ने भी विदेश में कई बड़े सौदे किए थे। टाटा समूह की कंपनियों ने अपने संसाधनों और कर्ज के जरिये इन अधिग्रहण सौदों को पूरा किया था। टाटा संस इन सौदों में परोक्ष रूप से शामिल थी और संबंधित कंपनियों को अतिरिक्त इक्विटी पूंजी मुहैया कराई थी जिससे वे बड़ा कर्ज जुटा सके।

37 दिन बाद काम पर लौटे सैमसंग इंडिया के कर्मचारी, खत्म की हड़ताल

कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ काम नहीं करने पर जताई सहमति

नई दिल्ली।

सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की फैक्टरी में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को खत्म हो गई। तमिलनाडु सरकार ने बताया कि सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की श्रीपेरंबुदूर इकाई के कर्मचारियों ने राज्य सरकार और प्रबंधन के साथ हुई बातचीत के बाद 37 दिन लंबी हड़ताल वापस ले ली।

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीआईटीयू) के नेतृत्व में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की वेतन वृद्धि समेत ज्यादातर मांगों को सैमसंग प्रबंधन ने पहले ही मान लिया था। इसके बावजूद सीटू ने अपनी यूनियन की मान्यता की मांग को लेकर हड़ताल जारी रखी है, जिसका मामला अदालत में चल रहा है। इस मामले पर कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच कानूनी नतीजे का इंतजार करने पर सहमति बनी है। साथ ही सरकार ने भी यूनियन के पंजीकरण की मांग का समर्थन किया, जिसके बाद यूनियन हड़ताल वापस लेने पर सहमत हो गई। बातचीत के दौरान प्रबंधन और हड़तालो कर्मचारी दोनों के प्रतिनिधि इस बात पर सहमत हुए कि सभी कर्मचारी तुरंत हड़ताल खत्म कर देंगे और काम पर लौट आएंगे। प्रबंधन ने कहा कि हड़ताल में शामिल कर्मियों को प्रताड़ित नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर कर्मचारियों ने पूरा सहयोग करने और काम पर लौटने के साथ प्रबंधन के हितों के खिलाफ किसी भी तरह का काम नहीं करने पर भी सहमति जताई है। सरकारी बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस सलाह को मान लिया है। कर्मचारियों ने बताया है कि वे तुरंत हड़ताल खत्म कर काम पर लौट आएंगे। इसके साथ सैमसंग फैक्टरी में हड़ताल खत्म हो गई है और सभी कर्मचारियों ने काम फिर से शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि कर्मचारी बुधवार को सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन की आमसभा के बाद आधिकारिक तौर पर हड़ताल वापस ले लेगी। हालांकि, नेताओं ने कहा कि उनकी सभी मांगे सरकार और कंपनी दोनों ने मान ली हैं।

भारत में तेजी से फलता-फूलता जा रहा ऑनलाइन गेमिंग बाजार

मुंबई । भारत का ऑनलाइन गेमिंग बाजार का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद इसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिकी योगदान महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर सिर्फ अमेरिका से आया है। गेमिंग कारोबार के जानकार के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी चुकाना होता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रिपोर्ट में 12 प्रमुख गेमिंग बाजारों में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और टैक्सेशन पॉलिसी पर नजर डाली गई। इसमें पता चला कि सभी 12 देशों में गेम्स ऑफ चांस को लेकर अलग कानूनी परिभाषा है। इस परिभाषा के साथ स्किल गेमिंग फॉर्मेट को लेकर अंतर स्पष्ट होता है।

सोने ने लगाई छलांग, 76700 रुपए प्रति 10 ग्राम पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली।

सोने ने बुधवार को ऑल टाइम हाई का रेकॉर्ड बना दिया। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 76700 रुपए प्रति 10 ग्राम पार कर गई। मंगलवार के मुकाबले बुधवार को इसमें 363 रुपए की तेजी आई। इसके साथ 10 ग्राम सोने की कीमत 76723 रुपए हो गई। यह पहली बार है जब सोने ने रिकॉर्ड बना लिया है। बुधवार को चांदी में भी उछाल आया। सोने की कीमत में पिछले दो दिनों से गिरावट देखी जा रही थी लेकिन बुधवार को तेजी आई। मंगलवार को सोना 76360 रुपए पर बंद हुआ था। बुधवार को यह फ्लैट कीमत पर खुला लेकिन इसके बाद इसमें पंख लग गए। एक समय यह 76750 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी। हालांकि बाद में इसमें उतार-चढ़ाव जारी रहा। बुधवार को चांदी भी चमकी। एमसीएक्स पर दोपहर तक यह 544 रुपए बढ़कर 92194 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। मंगलवार को यह 91623 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई थी। इससे पहले दो दिन तक इसमें भी मंदी थी। बुधवार दोपहर तक इसमें आधे फीसदी से ज्यादा उछाल आ गया। हालांकि यह अभी अपनी उच्चतम कीमत से कम है। इस महीने की शुरुआत में चांदी की कीमत प्रति किलो 93 हजार रुपए प्रति किलो पार कर गई थी। सोने की कीमत पिछले 15 दिनों में डेढ़ फीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। त्योहारी और शादियों के सीजन को देखते हुए सोना महंगा हो सकता है। जानकार बताते हैं कि अगले साल की शुरुआत में सोना 80 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम हो सकता है। वहीं मिडिल ईस्ट में तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से ब्याज दर कम होने की संभावना को देखते हुए इसमें और तेजी आ सकती है। एक तरफ भारत में सोने की कीमत में तेजी आई तो वहीं वैश्विक स्तर पर इसमें गिरावट आई है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने के कारण सोने की कीमत में तेजी आई है। वहीं अमेरिका में सोने में गिरावट आई है। यहां सोना 0.53 फीसदी की गिरावट के साथ 2,676.57 डॉलर प्रति औंस हो गया।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 84.03 पर बंद हुआ । आज सुबह रुपय 84.01 पर खुला । वहीं गत दिवस रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 84.04 रुपये पर बंद हुआ था । शेयर बाजार के कमजोर कारोबार से भी आज रुपये की बढ़त पर अंकुश रहा। सकारात्मक घरेलू बाजारों से मिलने वाला समर्थन विदेशी पूंजी की निकासी से खत्म हो रहा था। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भी रुपये पर दबाव आया । इससे भारत का पहले से ही चिंताजनक व्यापार घाटा और बढ़ गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 84.06 प्रति डॉलर पर खुला और फिर शुरुआती सौदों के बाद 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.05 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखापने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 103.25 पर रहा।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने डॉलर बॉन्ड से धन जुटाने की योजना रोकी

मुंबई । रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में काम करने वाली अदाणी ग्रुप की कंपनी, अदाणी ग्रीन एनर्जी ने डॉलर बॉन्ड के माध्यम से धन जुटाने की योजना को रोक दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों ने कंपनी की अपेक्षा से अधिक यील्ड पर बोली लगाई, जो कंपनी के लिए स्वीकार्य नहीं थी। इस कारण कंपनी ने धन जुटाने की योजना को रद्द कर दिया। एक बैंकर के मुताबिक, प्रारंभिक मार्गदर्शन के तहत 20 साल की परिपक्वता अवधि के लिए 7 प्रतिशत यील्ड की पेशकश की गई थी। मामले से जुड़े बैंकर ने कहा, कुछ निवेशक उच्च यील्ड की मांग कर रहे थे, जो अडानी समूह के हिसाब से सही नहीं थी, इसलिए उन्होंने सौदे को रद्द करने का निर्णय लिया।' दूसरे बैंकर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से संबंधित व्यापक बाजार अनिश्चितता और घरेलू राजनीतिक जोखिमों के कारण निवेशक अधिक यील्ड की मांग कर रहे थे, जो बॉन्ड जारीकर्ताओं की पुनर्भुगतान क्षमता को प्रभावित कर सकता है। मार्च में, अदाणी ग्रीन एनर्जी ने करीब 3 अरब डॉलर की बोलियां प्राप्त करने के बाद 18-वर्षीय बॉन्ड के माध्यम से 40.9 करोड़ डॉलर जुटाए। ताजा बॉन्ड इश्यू का नेतृत्व अदाणी ग्रीन की यूनिट्स - अदाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर वन, अदाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर टू, अदाणी हाइब्रिड एनर्जी जैसलमेर फोर और अदाणी सोलर एनर्जी जैसलमेर वन ने एक संरचित बॉन्ड डील के माध्यम से किया था।

बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की

रांची/जमशेदपुर : बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने जीवन बीमा योजनाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का शुभारंभ दो नए प्लान्स : आई-गारंटी विश्वास, गारंटीड लाभ वाली एक बचत बीमा प्लान, और आई-इन्वेस्ट क्क, एक यूनिट-लिंक्ड बीमा प्लान की पेशकश के साथ हुआ। अक्टूबर 2024 से ये प्लान्स बिहार और झारखंड में बंधन बैंक की 181 शाखाओं पर उपलब्ध होंगे। बंधन बैंक के मौजूदा ग्राहक कुछ ही मिनटों में पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं यदि वे बीमा की शर्तों को पूरा करते हैं तो। आने वाले सप्ताहों में कई नए प्लान्स जैसे 'शुभ समृद्धि' और अन्य बचत प्लान्स को शामिल किए जाने के साथ प्लान्स के पोर्टफोलियो का और भी विस्तार किया जायेगा। वर्ष 2024 के अंत तक बंधन लाइफ की सभी जीवन बीमा प्लान्स की एक व्यापक श्रेणी पूरे देश में उपलब्ध होगी, जिससे भारत के लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के बंधन के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को बल प्राप्त होगा। बंधन लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, सतीश्वर बी. ने कहा, हम इस साझेदारी के साथ और बंधन बैंक के इतने बड़े नेटवर्क के माध्यम से आई-गारंटी विश्वास और आई-इन्वेस्ट क्क को प्रस्तुत करके बहुत प्रसन्न हैं। यह साझेदारी हमारे बीमा प्लान्स को और अधिक सुलभ बनाने में हमारी मदद करेगी।

बंधन बैंक के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ बिजनेस ऑफिसर, राजिंदर कुमार बब्बर, ने कहा ग्राहक के अनुभव को और भी बेहतर बनाने के हमारे प्रयास में, यह साझेदारी हमारे लिए अपनी बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ बीमा प्लान्स का एक व्यापक संग्रह प्रदान करना संभव बनाती है, जिससे हमारे ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा तक पहुँच प्राप्त करना आसान हो जाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों और बिकवाली से आई है । वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। । आज प्रमुख कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम निराशाजनक और विदेशी निवेशकों के घरेलू बाजार से पैसा निकालने से भी ये नीचे आया है।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.39 फीसदी करीब 318.76 अंक टूटकर 81,501.36 पर बंद हुआ । वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.34 फीसदी तकरीबन 86.05 अंक फिसलकर 24,971.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) का शेयर सबसे अधिक 2.87 फीसदी गिरा । इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, कोटक बैंक, आईटीसी, टाइटन, इंडसइंड बैंक, अल्ट्रा सीमेंट, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नीचे आये ।

वहीं दूसरी ओर एचडीएफ़सी बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 0.92 फीसदी उछला । इसके अलावा भारती एयरटेल, रिलायंस, एशियन पेंट्स, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर भी उछले हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर रुझान, आईटी स्टॉक्स और ऑटो कंपनियों के शेयरों में गिरावट और विदेशी निवेशकों की निकाषी हावी हाने से घरेलू बाजार में गिरावट आई।

दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 1,748.71 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

इससे पहले आल सुबह घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले कमजोर रुख से बाजार में ये गिरावट दर्ज की गयी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 198 अंक करीब 0.24 फीसदी नीचे आकर 81,621 पर खुला। वहीं दूसरी ओर निफ्टी-48 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी फिसलकर 25,009 पर खुला। वहीं गिफ्ट निफ्टी से बाजार की कमजोर शुरुआत दिख रही है। सुबह गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स करीब 49 अंक फिसलकर 25,069 पर कारोबार कर रहा था।

इससे पहले गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया। इस दौरान वॉल स्ट्रीट के तीनों प्रमुख इंडेक्स नुकसान में रहे। नैस्डैक कंपोजिट में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। यह इंडेक्स 1.01 नीचे आया। एसएंडपी 500 0.76 फिसला, डॉव जोन्स भी नुकसान में रहा।

आज शुरुआती कारोबार में एशियाई बाजारों में भी गिरावट आई है। यह इंडेक्स 1.85 फीसदी गिरा, टॉपिक्स 1.13 फीसदी नीचे आया, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी /एएसएक्स 200 0.4 फीसदी की गिरावट के साथ खुला, जबकि कोरिया का कोस्पी 1.22 फीसदी और कोस्डाक 0.93 फीसदी गिरा। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार में गिरावट दर्ज की गयी थी।

क्यूआईपी से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने कमाए 4,200 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी, अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने संस्थागत शेयर बिक्री या क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के समापन का ऐलान किया है। क्यूआईपी से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने 4,200 करोड़ कमाए हैं। अडाणी एंटरप्राइजेज ने 9 अक्टूबर को संस्थागत शेयर बिक्री की शुरुआत की थी। अडाणी एंटरप्राइजेज ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स को 1 रुपए के फेस वैल्यू वाले 1.41 करोड़ इक्विटी शेयरों के निर्गम और आवंटन को मंजूरी दे दी। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि क्यूआईपी के लिए इश्यू प्राइस 2,962 रुपए प्रति शेयर तय किया है, जो कि 3,117.47 रुपए प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस से पांच फीसदी की छूट है। मंगलवार के क्लोजिंग प्राइस की तुलना में, इश्यू प्राइस पर दी गई छूट फ्लोर प्राइस की तुलना तकरीबन समान ही है। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि क्वांट म्यूचुअल फंड अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के हाल ही में खत्म हुए क्यूआईपी में सबसे बड़े प्रतिभागी के रूप में उभरा है, जिसने कुल इश्यू शेयरों का करीब 47 फीसदी हिस्सा प्राप्त किया। क्वांट म्यूचुअल फंड की फ्लैगशिप स्कीम, क्वांट स्मॉल कैप फंड ने क्यूआईपी का 17.41 फीसदी का बड़ा आवंटन हासिल किया है। अन्य क्वांट योजनाएं जैसे क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड, क्वांट एक्टिव फंड, और क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड ने भी क्यूआईपी में 7 फीसदी से ज्यादा की अहम हिस्सेदारी ली है। क्यूआईपी के अन्य प्रमुख प्रतिभागियों में विनरो कमर्शियल (इंडिया) लिमिटेड शामिल है, जिसने अनुमानित 525 करोड़ रुपए की राशि के लिए 12.5 फीसदी हिस्सेदारी ली और ट्री लाइन एशिया मास्टर फंड (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड, जिसे कुल आवंटन का 5.95 फीसदी हासिल हुआ। इसके अतिरिक्त, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 5.06 फीसदी का आवंटन मिला, जिसके लिए अनुमानित निवेश 212 करोड़ रुपए से ज्यादा का है।

21 को खुलेगा वारी एनर्जीज़ का आईपीओ, जीएमपी 85 फीसदी के ऊपर होगा

- हुंडई के आईपीओ से निवेशक खुश नहीं, प्रीमियम हर दिन हो रहे कम

नई दिल्ली।

हुंडई का आईपीओ खुल गया, लेकिन निवेशक खुश नहीं हैं, क्योंकि इस स्टॉक के लिए ग्रे मार्केट में प्रीमियम हर दिन कम हो रहे हैं, लेकिन चिंता करने की जरुरत नहीं। वारी एनर्जीज़ का आईपीओ सोमवार को खुलने वाला है। इसका प्राइस बैंड तय हो गया है और सबसे अच्छी बात ये है कि ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम जीएमपी 85 फीसदी तक उछल गया है। वारी एनर्जीज़ ने अपने आईपीओ के लिए 1,427 से 1,503 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 21 अक्टूबर सोमवार को खुलेगा और 23 अक्टूबर तक निवेशक इसमें बोली लगा सकेंगे। निवेशक न्यूनतम 9 शेयरों की एक लॉट में बोली लगा सकते हैं और इसके बाद 9 के मल्टीप्लाई (18, 27, 36ज) की संख्या में शेयरों की बोली लगा सकते हैं। आईपीओ वॉच के मुताबिक हुंडई का ग्रे-मार्केट प्रीमियम बुधवार को कुछ उछला है मंगलवार को यह 45 रुपए था, बुधवार को यह 65 रुपए पर पहुंच गया। हुंडई में बोली लगाने के केवल दो दिन बचे हैं। हालांकि सुबह हुंडई का आईपीओ केवल 22 फीसदी ही सबस्क्राइब हुआ था। मंगलवार को पूरे दिन में यह 18 फीसदी ही बोलियां हासिल कर सका था। इस आईपीओ में कंपनी की फ्रेश इक्विटी शेयरों की बिक्री के जरिए से 3,600 करोड़ रुपए जुटाए जाएंगे। ऑफर फॉर सेल के जरिए 48 लाख शेयर बिक्री के लिए रखे जाएंगे, जिनमें से वारी सस्टेनेबल फाइनेंस और चंदुरकर इन्वेस्टमेंट्स अपने हिस्सेदारी बेचेंगे। प्राइस बैंड के ऊपरी बैंड पर ऑफर फॉर सेल का कुल मूल्य 721.44 करोड़ रुपए हो सकता है, जिससे कुल आईपीओ आकार 4,321.44 करोड़ रुपए का होगा।वारी एनर्जीज़ के शेयर अनलिस्टेड मार्केट में 1,280 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड हो रहे हैं, जोकि 1,503 रुपए के ऊपरी प्राइस बैंड के हिसाब से 85 फीसदी है। इसका मतलब है कि इस आईपीओ के प्रति निवेशकों का अच्छा उत्साह है और इसे बाज़ार में बड़ी संभावनाएं दिख रही हैं। इस आईपीओ में 50फीसदी हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित है, जबकि 15फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए और 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होंगे।

इस त्यौहार एचएंडएम का नया फेस्टिव कलेक्शन

रांची : त्यौहारों को विशेष बनाते हुए, एचएंडएम ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए एक शानदार फेस्टिव कलेक्शन पेश किया है। त्यौहार की भावना और आकर्षण को बढ़ाने वाले इस बेमिसाल कलेक्शन में स्टाइलिश महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक ओकेशन वियर और पुरुषों के लिए स्पेशल वियर की शानदार रेंज शामिल है। इस सम्पूर्ण कलेक्शन को त्यौहार को जीवंत बनाने, भीड़ से अलग दिखने और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

एचएंडएम की कॉन्सेप्ट डिजाइनर इलियाना मसगालोस कहती हैं, रहमारा दृष्टिकोण फेस्टिव सीजन के लिए कुछ रोमांचक और विशिष्ट बनाना है, ताकि अपने ग्राहकों को एक ऐसा कलेक्शन पेश कर सकें, जो न सिर्फ स्टाइलिश और आधुनिक हो, बल्कि प्रत्येक ग्राहक के व्यक्तित्व को सबसे अलग ढंग से निखारने में भी मदद करे। इन्हें खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये मॉडर्न फैशन से मेल खाने के साथ ही हमेशा सदाबहार बने रहें।

न्याय की गान्धारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद

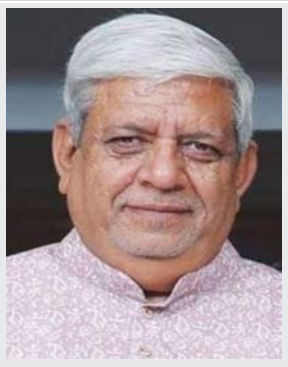

राकेश अचल

न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी।

कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था । इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है । न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था।

कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निदेर्शों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालाँकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है । शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं ह। कानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए ।दुर्भाग्य से देश में आज भी तमाम कानून अंधे हैं।

मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य नयायधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्सव पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरूआत अच्छी है।

हम सब इसका स्वागत करते है । इस समय जिस भी व्यवस्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीं इसे जानबूझकर आआंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है । दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की आँखें न सिर्फ खुलीं हों बल्कि गंगाजल से धुली भी हो। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दिप न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है।

दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है । पक्षपात की तलवार । अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियनत्रण में सब कुछ है । न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है । वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती । वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है।

हमें उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने का भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है । आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नही। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता । आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

हमारे कानून के शिक्षक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल साहब हमें पढ़ते वक्त बताया करते थे कि -न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी। वैसे आपको भी पता है और मुझे भी पता है कि आँखों पर पट्टी बांधकर मोटर साइकल चलाना और चित्र बनाना जादूगरों का काम है,न्यायधीश ये नहीं कर सकते । नेता जरूर कर सकते हैं,कर भी रहे हैं। । बहरहाल मुख्य न्यायाधीश को इस तब्दीली के लिए तहेदिल से बधाई। कम से कम सेवनिवृर्ति से पहले वे भी एक नया इतिहास लिखकर जो जाने वाले हैं। अब पुरानी हिंदी फिल्मों में दिखाए जाने वाले अदालतों के इस प्रतीक चिन्ह का क्या होग। राम जाने ?

संपादकीय

सकारात्मक पहल

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों के हित में 'अर्न व्हाहिल लर्न' योजना शुरू कर रहा है जिसमें वे अपनी नियमित पढ़ाई के दौरान कमाई भी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय छात्रों को विभिन्न माध्यमों मसलन इंटरर्नशिप, रिसर्च असिस्टेंटशिप आदि से कमाने का मौका देग। इसके लिए ड़ीयू का प्रत्येक विभाग उद्योग आदि की मदद से कॉर्पस फंड़ जनरेट करेगा। विभाग विभिन्न एजेंसियों के साथ करार करेगा ताकि छात्रों को इनमें इंटरर्नशिप मिल सके। पार्ट टाइम जॉब के लिए स्थानीय व्यापार संगठनों को भी जोड़ेगा। प्रिंसिपल इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत छात्रों को मानदेय दिया जाएगा। जरूरतमंद छात्रों को टीचर असिस्टेंटशिप दिए जाने की योजना पर भी जोर रहेगा। योजना का प्रारूप निश्चित रूप से बेहद सकारात्मक प्रतीत हो रहा है। देश भर से छात्र बेहतर भविष्य की कल्पना के साथ दिविवि में दाखिला लेते हैं जिसमें ढ़ेरों मेधावी और परिश्रमी छात्र ऐसे होते हैं, जिनकी पृष्ठभूमि कमजोर वर्ग से होती है। बीते सालों में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह ड़ीयू ने भी विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क काफी बढ़ा दिया है। ऐसे में घर-परिवार से दूर रहकर पढ़ाई करने वालों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इस मंहगे महानगर में खाने और आवास की व्यवस्था कर पाना उनके लिए बेहद संघर्षपूर्ण होता है। निर्धन देशों में ही नहीं दुनिया भर के अति समृद्ध देशों में भी छात्रों के लिए ऐसी सुविधा होती है जिसमें वे पार्टटाइम काम कर-के कुछ पैसा स्वयं कमा सकते हैं। इससे न सिर्फ छात्र आर्थिक रूप से स्वावलंबी होंगे, बल्कि उन्हें मिलने वाले इस अनुभव का अतिरिक्त लाभ नौकरियां प्राप्त करने के दौरान में भी मिल सकेगा। हालांकि अपने यहां पार्टटाइम काम करने के न तो बहुत अवसर हैं, न ही प्रचलन। क्योंकि काम से ज्यादा उन्हें करने वाले मौजूद हैं, वह भी बेहद कम मेहनताने पर परंतु ये छात्र प्रशिक्षित होने के साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे होंगे, इसलिए नियोक्ता को भरपूर मदद मिल सकती है। चूंकि यह काम उन्हें विश्वविद्यालय परिसर या आसपास मिलने की सुविधा होगी तो वे पढ़ाई में अपना वक्त ज्यादा दे सकेंगे। बढ़ती बेरोजगारी और मंहगाई के मद्देनजर यह कदम छात्रों के हित में प्रतीत हो रहा है, हालांकि इससे उनकी पढ़ाई बाधित हाने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जितनी संख्या में छात्र हैं, उस अनुपात में जरूरतमंदों को उतना रोजगार दिलाना भी विश्वविद्यालय के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं होगा।

चिंतन-मनन

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रूक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रुपए तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं।

इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि दया धर्म का मूल है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी।

दारा ने नजर उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया। दारा की बेबसी पर जो लोग सिर झुकाए खड़े थे सभी दारा की उदारता और दयालुता को देखकर जयजयकार करने लगे। दारा का झुका हुआ सिर गर्व से ऊपर उठ गया और औरंगजेब के सैनिकों का सिर शर्म से झुक गया। भले ही आप कभी तीर्थ स्थल न जाएं लेकिन जरूरत के समय लोगों की सहायता कर दें तो कई तीर्थ यात्रा का फल आपको घर बैठे मिल जाता है।

जम्मू - कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार की राहें बड़ी कठिन

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे. हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का पावर गेम बहुत बदल गया है.. और जम्मू - कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है. उमर अब्दुल्ला पहले भी जनवरी 2009 से जनवरी 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उन्हें मुख्यमंत्री होने का तजुर्बा भी है, लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है. उमर अब्दुल्ला को एक स्वतंत्र राज्य का सीएम होने का अनुभव है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश का सीएम होने का तजुर्बा नहीं है. जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है. तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा. तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारा कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा. और प्रमुख बात सारा का सारा कंट्रोल केंद्र सरकर के पास होगा, जो उमर अब्दुल्ला के लिए परेशानी का सबब बनने वाला है. मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है. जम्मू - कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है. देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकर के हाथ में भी रहने वाला है.

2019 में धारा 370 खत्म होने के बाद अब जब जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी बदल चुकी है, लेकिन यह भी तय है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी होती रहती है, उसी तरह की तनातनी जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकती है. तभी तो कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक कटाक्ष किया था अगर हाफ स्टेट में सरकार चलाने में दिक्कत आए तो उमर अब्दुल्ला मुझसे सलाह ले सकते हैं. क्योंकि अरविंद केजरीवाल पिछले दस सालों से केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, सीएम केजरीवाल के कटाक्ष के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि कोर्ट से कुछ शक्तियां मुख्यमंत्री को मिली थीं, लेकिन मोदी सरकार उसके विरुद्ध अध्यादेश ले आई थी. ऐसे ही 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है. 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है. लेकिन एक पेच भी है. अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े. इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो. अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सबकुछ है. सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी. इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा. इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा. इसके अलावा, उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था. उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी. अतः बदल चुके जम्मू - कश्मीर के मुख्यमंत्री की राहें आसान नहीं रहने वाली..

कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथग्रहण में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित दिग्गज नेता राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी शामिल हुए हैं, लेकिन पार्टी ने अपने कोटे से सरकार में किसी को भी मंत्री नहीं बनवाया है. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती है. जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं- जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है. पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है. जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है. ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे. कश्मीर का मुस्लिम वोटबैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है. उमर अब्दुल्लाह और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है. कांग्रेस

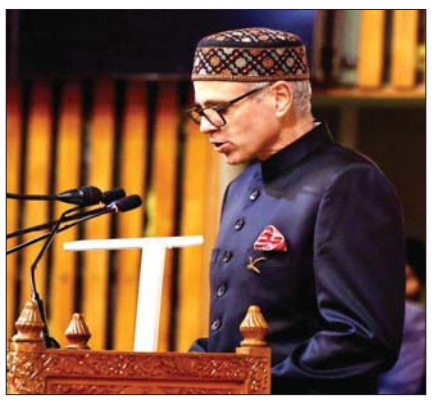

स्टेटहूड की सिर्फ मांग कर रही है. सरकार में पार्टी अगर शामिल होती तो अन्य राज्यों में उसके लिए सियासी बैकफायर कर जाता, इसलिए भी पार्टी ने सरकार में शामिल न होने का फैसला किया है नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के 1-2 मंत्री पद देना चाह रही थी. कांग्रेस के दिल्ली में बैठे नेता सांकेतिक भागीदारी नहीं चाहते थे. 6 विधायक जीते, इनमें 3 दिग्गज कांग्रेस की तरफ से इस बार जम्मू कश्मीर में 6 विधायकों ने जीत हासिल की है. इनमें पीरजादा मोहम्मद सईद, तारिक हामिद कर्रा, गुलाम अहमद मीर जैसे दिग्गज का नाम शामिल हैं. कर्रा घाटी में कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. कांग्रेस ने गुलाम अहमद मीर को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना है.कांग्रेस ने घाटी में 37 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जम्मू और चिनाब रीजन में पार्टी पूरी तरह साफ हो गई. अतः कांग्रेस रणनीति है कि इतना औसत प्रदर्शन के बावजूद नेताओं को मंत्री पद मिलना मतलब जमीन से दूर कर सकता है, इंडिया गठबंधन का धर्म निभाने के नाम पर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला को समर्थन तो दे रही है, लेकिन सरकार में शामिल नहीं होना चाहती यह हैरान करने वाला है... बदल चुके जम्मू - कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राहें आसान नहीं रहने वाली हैं.

-दिलीप कुमार पाठक

बेकाबू महंगाई का सितम झेलती जनता

भारत सहित हिमाचल में इन दिनों हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और महंगी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से पार हो चुकी हैं। टमाटर के दाम ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हिमाचल में जहां टमाटर 140 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं हरा मटर 200 रुपए की दर से बिक रहा है। दूसरी सब्जियां भी 80-90 पार ही बिक रही हैं और सब्जी विक्रेताओं, आढ़तियों को कोई पूछने वाला नहीं है। आलू, प्याज, शिमला मिर्च सोने के भाव बिक रहे हैं। एक तरफ शादियों का सीजन चल रहा है, तो दूसरी तरफ त्योहारों के चलते लोगों की जेबें खूब ढीली हो रही हैं। सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के दामों और एमआरपी पर कोई ठोस नियंत्रण न होने के कारण एक तरफ देश में गरीबों की हालत दयनीय होती जा रही है तो वहीं अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्नों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं।

ऊपर से, देश में रोजगार की स्थिति बेहद खराब है और लोगों की कमाई भी नहीं बढ़ रही है। इसलिए आम आदमी को पूरा आर्थिक परिदृश्य ही नकारात्मक नजर आ रहा है। हिमाचल प्रदेश के बाजारों में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे फल एवं सब्जियों के विक्रेताओं में नियम-कायदे और कानून का कोई खौफ नहीं है और वे मनमाने दामों पर सब्जियां और फल बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। ऊपर से तुर्रा यह है कि प्रशासनिक कार्रवाई, जुमार्ने तथा दंड अथवा लाइसेंस कैंसिल होने का कोई डर न रहने के चलते शायद ही कोई सब्जी, फल विक्रेता अपनी दुकान में इनके दामों को प्रदर्शित करने वाला बोर्ड लगाने की जहमत उठाता होगा। त्योहारी सीजन के बीच में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढकर 5.49 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 3.65 प्रतिशत थी। वहीं सितंबर में थोक महंगाई बढकर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। महंगाई बढ? के पीछे खाद्य एवं सब्जियों की कीमतों में वृद्धि मुख्य वजह रही। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों, स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। लिहाजा आप समझ सकते हैं कि बढ़ती महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब एवं मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है। आज संपन्न नागरिकों को भी चाहिए कि वे वस्तुओं के संग्रह की प्रवृत्ति से बचें और महंगाई को दूर करने में सरकार का सहयोग करें। पहले से ही कम वस्तुओं को बेकार और बर्बाद न करें, विशेषकर शादियों, घरेलू कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों में अन्न और सब्जियों की बबार्दी न करें।

अधिकारियों से उम्मीद है कि वे खाद्य वस्तुओं, विशेषकर फल, सब्जियों की उपलब्धता पर नजर रखने के साथ-साथ उनके दामों को नियंत्रण में रखते हुए सब्जी विक्रेताओं को प्रतिदिन के भावों को लिखकर बोर्ड पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगे, ताकि गरीब एवं सामान्य जनता को उनके हाथों से लुटने से बचाया जा सके। इस बात से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं कि आम आदमी तक खाद्य सामग्री पहुंचने से पहले दलालों, बिचौलियों और आढ़तियों की जेबें गर्म हो चुकी होती हैं जबकि किसानों को कभी भी उनके उत्पादों के सही दाम नहीं मिलते हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन को यह पता ही नहीं है कि बाजारों में सब्जियों के दामों और अन्य खाद्य वस्तुओं का क्या हाल है। आज अधिकारी वर्ग अपनी कुर्सियों तक सीमित होकर रह गए हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व जब कभी भी महंगाई का जिन्न अपना सिर उठाता था तो विपक्षी दलों द्वारा जरूर धरना-प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन की खबरें देखने-सुनने को मिलती थीं। लेकिन अब जैसे राजनीतिक दलों को आम जनता को होने वाली परेशानियों से कोई लेना-देना ही नहीं है। मूल्य सूची तो शायद ही कोई दुकानदार लगाता होगा, बिल देना तो दूर की कौड़ी समझिए। बाजारवाद की लूट में अधिकांश व्यापारियों की मौज लगी हुई है और वस्तुओं के मूल्यों पर सरकारी नियंत्रण कहीं नहीं दिखाई पड़ रहा है। आम ग्राहक सरेआम लुट रहा है। क्या आयकर विभाग ऐसे विक्रेताओं की कमाई तथा टैक्स देयता की भी जांच पड़ताल करेगा? प्रश्न यह भी उठता है कि जब देश में जीवनोपयोगी वस्तुओं की बहुलता है तो फिर मूल्यवृद्धि क्यों और किसान गरीब क्यों? यह सही है कि जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन वैश्विक सहयोग और कई अन्य उपायों से वस्तुओं की उपलब्धता में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है, तो भी चीजें इतनी महंगी क्यों बिक रही हैं और महंगाई का बोलबाला क्यों है?

अच्छे मानसून और बेहतर पैदावार के बावजूद खाद्य

वस्तुओं का कृत्रिम अभाव कौन पैदा कर रहा है, क्यों सरकारें इन पर लगाम नहीं लगा पा रही हैं? लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को भी तो अंततः जनता जनार्दन की कृपा से ही सरकारें बनाने का सुफल मिलता है, तो फिर क्यों वे आम जनता के हितों को नजरअंदाज करते हैं? सरकार को चाहिए कि वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और कालाबाजारी निवारण एवं आवश्यक वस्तु आपूर्ति रखरखाव अधिनियम 1980 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करे। अंततः सवाल उठता है कि क्या सरकार और अफसरशाही के पास इस लूटपाट को अंजाम देने वाले जमाखोरों, मुनाफाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने का जीवट है?

-अनुज आचार्य (स्वतंत्र लेखक)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 **समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।**

अमर प्रेम की प्रेम कहानी में अभिनय को लेकर बोले आदित्य सील

आदित्य सील की पहचान एक प्रतिभाशाली अभिनेता की है। अमर प्रेम की प्रेम कहानी में उन्होंने अपने शानदार अभिनय से काफी वाहवाही बटोरी है। इस फिल्म में उन्होंने एक साहसिक किरदार निभाया है, जो भावनात्मक रूप से काफी गहन है। हाल में ही न्यूज 18 के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस फिल्म के लिए अपनी तैयारियों को लेकर बात की है। उन्होंने इस दौरान आने वाली रचनात्मक चुनौतियां और इस जटिल कहानी को पर्दे पर जीवंत करने के लिए की गई तैयारियों को लेकर जानकारियां साझा की हैं।

विविधतापूर्ण किरदारों से बेहतर हुई आदित्य की अभिनय क्षमता

अभिनेता ने इस बातचीत के दौरान कहा कि अपने करियर में अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं करने से उन्हें अपने अभिनय क्षमता को बेहतर करने में काफी मदद मिली है। अभिनेता ने कहा कि अमर प्रेम की प्रेम कहानी में अभिनय करने के बाद मानवीय भावनाओं को समझने और कहानी कहने की उनकी समझ में व्यापकता आई है। इस फिल्म में आदित्य सील की भूमिका मुख्यधारा के भारतीय सिनेमा में एलजीबीटीक्यू समुदाय का प्रतिनिधित्व करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अभिनेता ने कहा कि कई रूढ़िवादी चित्रणों के विपरीत उनका दृष्टिकोण चरित्र को सामान्य बनाना और प्रेम कहानी को किसी भी अन्य प्रेम संबंध की तरह ही प्रामाणिकता के साथ दर्शकों के सामने लाना था।

अपनी इस भूमिका के लिए अपनी तैयारी पर विचार करते हुए अभिनेता ने बताया, तैयारी पूरी चीज को सामान्य बनाने की कोशिश थी। कई लोग सोच सकते हैं कि इसके लिए समुदाय के कई लोगों से मिलना आवश्यक है, लेकिन मेरे लिए यह आवश्यक नहीं था। मैं पहले से ही एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों को जानता था, मैं इसे बस किसी भी अन्य प्रेम कहानी की तरह देखना चाहता था, जहां दो व्यक्ति प्यार में हैं बस। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्होंने किसी खास तरीके के कपड़े पहनने या अलग दिखने की कोशिश नहीं की, जिससे इस समुदाय को लेकर पूर्वधारणाओं को बल मिल सके।

सनी सिंह के साथ रोमांटिक लीड की भूमिका में नजर आए आदित्य ने अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर भी अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि दोनों को एक-दूसरे के साथ और भूमिका के साथ सहज होने में एक-दो दिन लग गए। उन्होंने आगे कहा कि एक बार जब हमने झिझक की दीवार गिरा दी, तो लिंग वाला पहलू फीका पड़ गया, जिसके बाद ये सिर्फ दो दोस्तों के ऊपर रह गया, जो केमिस्ट्री बनाने के लिए एक साथ काम कर रहे थे। अभिनेता ने बताया कि उनकी और सनी सिंह की दोस्ती की वजह से कैमरे के सामने भी दोनों के लिए काम आसान हो गया।

फिल्म दो पत्ती किस के किरदार को ज्यादा पसंद करती हैं कृति सेनन

14 अक्तूबर को काजोल और कृति सेनन अभिनीत फिल्म दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज हुआ। इस दौरान फिल्म की पूरी स्टारकास्ट ट्रेलर लांच में मौजूद रही। फिल्म में कृति सेनन का डबल रोल है। दो पत्ती के ट्रेलर लांच के दौरान कृति और काजोल ने मीडिया के कई सवालों के जवाब दिए। कृति ने इस दौरान बताया कि वह फिल्म में अपने किस किरदार को ज्यादा पसंद करती हैं और किस किरदार के ज्यादा करीब हैं। आज दो पत्ती के ट्रेलर लांच के दौरान बातचीत में कृति सैनन ने बताया कि वो सौम्या या शैली किस किरदार को ज्यादा पसंद करती हैं। कृति ने कहा, बहुत सी बातें हैं जो सौम्या जैसी मेरे साथ हैं और बहुत सी बातें ऐसी भी हैं जो मैं सौम्या की तरह नहीं करती लेकिन मैं ज्यादा सौम्या की तरफ हूं। इस पर काजोल उन्हें रोकते हुए कहती हैं कि खाना बनाना आता है। इस पर कृति जवाब देती हैं, थोड़ा बहुत। कृति सेनन ने कहा कि सौम्या का किरदार ज्यादा बात करना पसंद नहीं करता है, जबकि कृति खुद बिना बोले नहीं रह सकती हैं।

दो पत्ती फिल्म को लेकर ऐसा सोचती हैं अभिनेत्रियां

ओटीटी पर फिल्म रिलीज को लेकर कृति सेनन ने कहा कि फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी, इसको लेकर कलाकारों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। काजोल ने कहा कि इस फिल्म को लेकर मैं नर्वस नहीं हूं। मुझे जितने अच्छे तरीके से अपना काम करना था मैंने किया, उसको लेकर मैं परेशान नहीं हूं, मुझे डर नहीं लग रहा है। हम बस फिल्म के लिए आपका प्यार चाहते हैं। कृति सेनन ने इस सवाल पर कहा कि फिल्म को लेकर वह थोड़ी नर्वस हैं। वे चाहती हैं कि फिल्म को मिमी की तरह ही प्रशंसकों का प्यार दो पत्ती को भी मिले।

25 अक्तूबर को रिलीज होगी फिल्म

फिल्म दो पत्ती 25 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 'दो पत्ती' कृति के होम प्रोडक्शन 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' की पहली फिल्म है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शशांक चतुर्वेदी ने किया है। कृति सेनन ने फिल्म में डबल रोल अदा किया है। वे दो जुड़वा बहनों की भूमिका में हैं। वहीं, काजोल ने फिल्म में पुलिस अफसर की भूमिका निभाई है।

मैंने कभी नहीं माना कि मैं दुनिया की सबसे सुंदर लड़की हूं, पर मेरे अंदर टैलेंट है

महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में ऋतिक रोशन की मां का रोल करना हो या भारत में खुद से बड़े सलमान खान की मां का, सोनाली कुलकर्णी हमेशा ही एक निडर अदाकारा रही हैं। अपने किरदारों के साथ प्रयोग करने वाली सोनाली इन दिनों वेब सीरीज मानवत मर्डर्स को लेकर अपने नेगेटिव किरदार के लिए चर्चा में हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत -

आप हमेशा एक निडर अभिनेत्री रही हैं। यह निडरता कहां से लाती हैं?

मुझे यह शक्ति मेरे दर्शक देते हैं। अगर वे मुझे इन किरदारों में स्वीकार नहीं करते, अगर मिशन कश्मीर के बाद ऑडियंस कहती कि अरे, ये कहां से संजय दत्त की पत्नी और ऋतिक की मम्मी लगती है, तो मैं आगे यह हिम्मत नहीं कर पाती, पर ऐसा नहीं हुआ। मुझे मिशन कश्मीर के लिए इतने सारे नॉमिनेशन मिले, तब के राष्ट्रपति जी तक से तारीफ मिली, मतलब लोगों ने मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल किया।

मेरे पति को मैं बिना मेकअप सुंदर लगती हूं

वो आगे कहती हैं, हां, यह सही है कि बहुत से लोगों को लगता है कि कम उम्र में ऐसे रोल नहीं करना चाहिए, ऐक्ट्रेस को पर्दे पर यंग ही दिखना चाहिए, मगर मुझमें हमेशा ही खुद को लेकर आत्मविश्वास रहा है। मैंने कभी यह नहीं माना कि मैं दुनिया की सबसे सुंदर लड़की हूं। हां, मेरे आई-बाबा (माता-पिता) के लिए मैं बहुत अच्छी लड़की हूं। मेरे पति को मैं बिना मेकअप भी सुंदर लगती हूं और इतना मेरे लिए काफी है। मेरा मानना है कि आपको काम आपकी सुंदरता के लिए नहीं, आपके ऐक्टिंग टैलेंट के लिए मिलता है तो उस टैलेंट को उभारने के लिए मैंने हमेशा चैलेंज लिए हैं। इसमें मुझे बहुत मजा आता है।

रुक्मिणी जैसा नकारात्मक किरदार निभाना आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा? खुद एक बेटी की मां होने के नाते मासूम बच्चियों के प्रति क्रूर इस किरदार ने आप पर किसी तरह का असर डाला?

अपने करियर में मैंने कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया तो बतौर कलाकार मेरे लिए बहुत अलग अनुभव था। मैंने अब तक जो रोल किए हैं, उनमें एक अच्छाई रही है। वे अपने परिवार, देश का अच्छा चाहती थी, जबकि रुक्मिणी बिल्कुल अलग है। मैंने स्क्रीन पर ऐसा नेगेटिव रोल कभी नहीं किया था तो करियर के इस मोड़ पर ऐसा ग्रे किरदार करना बहुत बड़ा चैलेंज था। उसकी सोच की परतें ढूंढ़ना बहुत मुश्किल था। निश्चित तौर पर इस भूमिका का मुझ पर बहुत असर पड़ा।

आपकी कोई अधूरी ख्वाहिशें हैं, जो आप पूरा करना चाहती हैं?

बिल्कुल, मैं बहुत समय से किसी खिलाड़ी का रोल करना चाहती थी। वह मिला नहीं तो मैंने काफी सारे ट्रायथलॉन रेस में भागीदारी कर डाली। मैं अभी भी अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती हूं। साइकिलिंग करती हूं। रनिंग, स्विमिंग करती हूं। कुल मिलाकर मैं स्पोर्ट्स पर्सन हूं और आशा करती हूं कि मुझे कभी किसी खिलाड़ी का रोल निभाने को मिले। जब मैं छोटी थी तो पीटी उषा का नाम बहुत चर्चा में रहता था, क्योंकि उन्होंने हमारे लिए मेडल जीते थे, तो कभी वो रोल मिले तो बहुत मजा आएगा।

सामंथा रूथ प्रभु ने की आलिया के अभिनय की प्रशंसा

आलिया भट्ट अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जिगरा की सफलता का लुत्फ उठा रही हैं । भाई-बहन के इर्द-गिर्द घूमती यह एक्शन ड्रामा फिल्म आलिया के प्रशंसकों को पसंद आ रही है। आलिया के प्रशंसकों के अलावा यह फिल्म साउथ अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु को भी काफी पसंद आई। सामंथा ने फिल्म में आलिया के अभिनय की तारीफ करते हुए एक लंबा नोट लिखा है। उन्होंने आलिया को टाइग्रेस कहा और फिल्म में उनके अभिनय की तारीफ की। साथ ही आलिया ने भी सामंथा की प्रशंसा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। आलिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, बहुत-बहुत धन्यवाद सैम। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सामंथा रूथ प्रभु ने जिगरा का एक पोस्टर किया था। पोस्टर के साथ, उन्होंने आलिया भट्ट की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की और उन्हें टाइग्रेस कहा। उन्होंने निर्देशक वासन बाला और वेदांग रैना की भी तारीफ की। उन्होंने लिखा, ऋआलियाभट्ट आप बाघिन हैं! एक ऐसा प्रदर्शन जो इतना जोशपूर्ण और जीवन से भरा हुआ है कि मैं अपनी आंखें आपसे हटा नहीं पाई! आपने बेहद साहसी काम किया है। आपने अपने लिए जो मापदंड तय किए हैं वह वाकई में प्रेरणा देते हैं।

दिगांगना ने बाल कलाकार के रूप में की थी करियर की शुरुआत

दिगंगना एक भारतीय अभिनेत्री, गायिका और लेखिका हैं। दिगंगना हिंदी और तेलुगु फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। दिगंगना ने अपने करियर की शुरुआत हिंदी टेलीविजन से की थी। दिगंगना ने टीवी सीरियल एक वीर की अरदास...वीरा में वीरा की भूमिका के लिए जानी जाती हैं।

दिगंगना 2015 में रियलिटी शो बिग बॉस 9 में भी नजर आ चुकी हैं। दिगंगना ने हिंदी फिल्म की शुरुआत फाइडे, तेलुगु फिल्म की शुरुआत हिप्पी और तमिल फिल्म की शुरुआत धनुसु रासी नेयारगले से की थी।

सिंघम अगेन से भूल भुलैया 3 के क्लैश पर कार्तिक ने तोड़ी चुप्पी

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 दिवाली की छुट्टियों के मौके पर 1 नवंबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर 2022 की हॉरर कॉमेडी की इस अगली कड़ी की भिड़ंत रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन से होगी। हाल ही में एक इवेंट में कार्तिक ने फिल्मों के टकराव और उससे बिजनेस पर पड़ने वाले असर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही अपने बयान से हर किसी का ध्यान आकर्षित किया। सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस क्लैश पर बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने कहा, दिवाली इतनी महत्वपूर्ण छुट्टी है कि मेरा मानना है कि दो फिल्में आसानी से सिनेमाघरों में एक साथ रह सकती हैं। जहां सिंघम अगेन एक्शन जॉनर के अंतर्गत आती है, हमारी फिल्म एक हॉरर-कॉमेडी है। एक फिल्म दर्शक के रूप में, मैं इसे सभी के लिए एक त्योहार के रूप में देखता हूं, जिसमें एक ही दिन में दो विकल्प होते हैं, जो इन दिनों हमारी इंडस्ट्री में दुर्लभ है।

इन फिल्मों धमाल मचाते नजर आएंगे ऋतिक रोशन, एक्शन, रोमांस और थ्रिलर होगा भरपूर

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन कम ही फिल्में कर रहे हैं, लेकिन वह जो भी फिल्म करते हैं, उसकी रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं क्योंकि ऋतिक की फिल्मों में भरपूर मात्रा में एक्शन, रोमांस, थ्रिलर और सस्पेंस होता है।

ऋतिक की फिल्म वॉर 2 की शूटिंग लगातार जारी है। इस फिल्म में ऋतिक के साथ पैन इंडिया स्टार जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इसके अलावा इस फिल्म में कियारा आडवाणी भी नजर आ सकती हैं। फिल्म की शूटिंग से कई वीडियोज और क्लिप सोशल मीडिया पर आए दिन वायरल होते रहते हैं। इस फिल्म की रिलीज का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार है। वॉर 2 एक आगामी बॉलीवुड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। इस फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। यह फिल्म यश राज स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन फिल्म कृष की चौथी फ्रेंचाइजी कृष 4 में भी धमाल कर सकते हैं। इस फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन पहले की बाकी फ्रेंचाइजी को देखते हुए यही लग रहा है कि अगर कृष 4 आती है तो इसमें भी ऋतिक सुपर पॉवर के साथ कमाल दिखाएंगे। कृष 4 कृष सीरिज का चौथा भाग होगा, जिसका निर्देशन राकेश रोशन करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सत्ते पे सत्ता फिल्म का रीमेक आ सकता है। अगर ऐसा होता है कि तो इस फिल्म में ऋतिक रोशन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बहरहाल, फिल्म को लेकर अभीतक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

श्रद्धा कपूर से मिली तारीफ से गदगद हुईं निमरत

निमरत कौर हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्हें द लंचबॉक्स और एयरलिफ्ट जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मों के अलावा निमरत सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। उन्होंने बीते दिनों दिलजीत दोसांझ का एक गाना गुनगुनाते हुए अपनी वीडियो साझा की थी इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा करते हुए श्रद्धा कपूर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा था, ये टैलेंट छिपा के क्यों रखा था। श्रद्धा की तारीफ पर खुशी जताते हुए निमरत ने लिखा, श्रद्धा ने तारीफ की मतलब अच्छा ही होगा, धन्यवाद।

बेंगलुरु टेस्ट में भारत 46 रन पर ऑल आउट

भारत /न्यूजीलैंड : शतक से चूके डेवोन कॉनवे, बनाई 134 रन की बढ़त, स्कोर 180/3

बेंगलुरू (एजेंसी)। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में वर्षा प्रभावित टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (5) और विलियम ओरोर्के (4) की शानदार गेंदबाजी के कारण भारत पहले टेस्ट की पहली पारी में 46 रन पर ढेर हो गया। भारत की तरफ से 5 खिलाड़ी शून्य पर आउट हो गए जिसमें विराट कोहली, सरफराज खान, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने मात्र 2 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 13 रन की पारी खेली जबकि ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी की शानदार शुरूआत की और दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। इससे न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत पर 134 रन की बढ़त बना ली है। इस दौरान डेवोन कॉनवे (91) शतक से चूक गए।

भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी से शुरुआत करने का फैसला किया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजो के लिए मददगार साबित हो सकती है लेकिन विकेट के नेचर को देखते हुए उनकी टीम स्कोरबोर्ड पर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया है।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम ने कहा कि खराब मौसम के कारण उनकी टीम को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाया लेकिन चूंकि विकेट काफी समय तक ढका रहा है और बारिश भी हुई है तो ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि सतह से उनके तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। इससे पहले बारिश के कारण पहले दिन खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था और टॉस भी नहीं हो सका।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में विवान को रजत, नरूका को कांस्य पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनंतजीत सिंह नरूका के पुरुष स्कीट में कांस्य पदक के बाद विवान कपूर ने पुरुष ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीता जिससे बृहस्पतिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी फाइनल में भारत के पदकों की संख्या चार हो गई।

विवान ने फाइनल में 44 का स्कोर बनाया और वह चीन के स्वर्ण पदक विजेता यिंग की से पीछे रहे। तुर्की के टोल्गा एन टुंसर ने 35 के स्कोर से कांस्य पदक जीता। विवान ने क्वालीफिकेशन दौर में 125 में से 120 अंक जुटाकर छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी।

इससे पहले राजस्थान के 26 वर्षीय नरूका ने छह निशानेबाजों के फाइनल में 43 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इटली के तामारो कासांद्रो को स्वर्ण और गैब्रियेले रोसेत्ती को रजत पदक मिला जिन्होंने क्रमशः 57 और 56 स्कोर किया। नरूका ने क्वालीफिकेशन दौर में 125 में से 121 स्कोर किया था।

भारत के लिए सोनम मस्कर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में रजत और अखिल श्योराण ने पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में कांस्य पदक जीता है। नरूका और महेश्वरी चौहान पेरिस ओलंपिक में स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे थे।

भारतीय टीम के नाम जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड, 293 घरेलू टेस्ट में पहली बार हुआ ऐसा

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्षाबाधित पहले टेस्ट में अपनी पहली पारी में 31.2 ओवर में 46 रन पर सिमट गई जो स्वदेश में खेले गए 293 टेस्ट में उसका न्यूनतम स्कोर है। भारत के पांच बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। यह पहली बार है कि घरेलू टेस्ट की पारी में भारतीय टीम 50 रन भी नहीं बना सकी। इसके अलावा यह दूसरी बार है कि घरेलू टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच भारतीय बल्लेबाज खाता नहीं खोल सके।

इससे पहले 1999 में मोहाली टेस्ट में ऐसा हुआ था। घरेलू मैदान पर भारत का न्यूनतम टेस्ट स्कोर 37 साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ नवंबर 1987 में दिल्ली में दर्ज हुआ था। भारत का न्यूनतम टेस्ट स्कोर चार साल पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड में बना जब टीम 36 रन पर आउट हो गई थी। पारंपरिक प्रारूप में भारत के न्यूनतम टेस्ट स्कोर की सूची इस प्रकार है।

भारत में –

न्यूजीलैंड के खिलाफ 31.2 ओवर में 46 रन, बेंगलुरू 2024

वेस्टइंडीज के खिलाफ 30.4 ओवर में 75 रन, दिल्ली 1987

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 ओवर में 76 रन, अहमदाबाद 2008

न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 ओवर में 83 रन, मोहाली 1999

न्यूजीलैंड के खिलाफ 33.3 ओवर में 88 रन, मुंबई 1965

विदेश में –

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21.2 ओवर में 36 रन, एडीलेड 2020

इंग्लैंड के खिलाफ 17 ओवर में 42 रन , लॉर्ड्स 1974

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21.3 ओवर में 58 रन, ब्रिसबेन 1947

इंग्लैंड के खिलाफ 21.4 ओवर में 58 रन, मैनचेस्टर 1952

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 34.1 ओवर में 66 रन, डरबन 1996

पाकिस्तान/इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: पाकिस्तान को आई जीत की महक, इंग्लैंड को चाहिए अभी इतने रन

खेल डैस्क । मुल्तान में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भले ही अच्छा प्रदर्शन कर पाकिस्तान को दूसरे पारी में 221 रन पर रोक लिया। लेकिन इस दौरान फील्डिंग खराब रही। दूसरी पारी में पाकिस्तान का स्कोर एक समय 8 विकेट पर 156 रन पर था। इस बीच जेमी स्मिथ और जो रूट ने पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा के दो कैच छोड़ दिए। सलमान ने इसका जमकर फायदा उठाया और टीम का स्कोर 221 तक ले गए। सलमान ने 89 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाए जबकि 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए साजिद खान ने 22 रन बनाकर पाकिस्तान को मजबूती दी। अब इंग्लैंड के सामने दूसरी पारी में जीत के लिए 297 रन का लक्ष्य है। पहली पारी में शतकवीर डंकेट 0 पर ही आऊट हो गए जबकि जैक क्राउले ने 3 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 36 रन पर 2 विकेट गंवा लिए हैं। ओली पोप 21 तो जो रूट 12 रन बनाकर क्रीज पर खड़े हैं।

पाकिस्तान पहली पारी : 366-10 (123.3 ओवर)

पाकिस्तान ने 19 रन पर ही शफीक और कप्तान शान मसूद के विकेट गंवा लिए थे। लेकिन सईम अयूब ने 77 तो कामरान गुलाम ने 118 रन बनाकर पाकिस्तन को मजबूत स्थिति दी। कामरान को बाबर आजम की जगह टीम में चुना गया था। उन्होंने शतक लगाकर खुद को साबित किया। इसी तरह रिजवान ने 31, आगा ने 31 तो आमेर जमाल ने 37 रन बनाकर स्कोर 366 तक पहुंचाया।

इंग्लैंड पहली पारी : 291/10 (67.2 ओवर)

इंग्लैंड ने तीसरे दिन 239/6 से शुरूआत की थी। तभी ब्राइडन कार्स (चार) को साजिद खान ने अपना शिकार बना लिया। इसके बाद 60वें ओवर में मैथ्यू पॉट्स (6) को साजिद खान ने बोल्ड आउट किया। जेमी स्मिथ और जैक लीच ने कुछ देर पारी को संभालकर रखा। नौमन अली ने जेमी स्मिथ (21) को आउट कर पाकिस्तान को 9वीं सफलता दिलाई। इसके बाद साजिद खान ने शोएब बशीर (9) को आउटकर इंग्लैंड की पारी को 291 पर समेट दिया। पाकिस्तान की ओर से साजिद खान ने 7 विकेट लिए। नौमन अली 3 विकेट लिए।

पाकिस्तान दूसरी पारी : 221-10 (59.2 ओवर)

इंग्लैंड की पहली पारी 291 रन पर ही सिमट गई जिससे पाकिस्तान को 75 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में पाकिस्तान की ओर से मध्यक्रम में कामरान गुलाम ने 26, सऊद शकील ने 31, रिजवान ने 23 रन बनाए। तभी आगा सलमान ने 89 गेंदों पर 63 तो साजिद खान ने 43 गेंदों पर 22 रन बनाकर स्कोर 221 तक पहुंचा दिया। पाकिस्तन के पास 296 रन की बढ़त है।

अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी बन जाएंगे अजय जडेजा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जमनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी बनने के बाद अब हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बन गये हैं और इस मामले में सबसे आगे निकल गये हैं। जामनगर का महाराजा बनने के बाद उन्हें विरासत में 1450 करोड़ रुपये की संपत्ति मिलेगी। इसके साथ ही वह जामनगर में स्थित एक भव्य शाही महल में रहेंगे। उनका निवास आधुनिक विलासिता और पारंपरिक वास्तुकला का बेहतरीन मिश्रण है। अजय जडेजा अब देश के सबसे धनी खिलाड़ी भी बन जाएंगे। इस मामले में वह स्टार क्रिकेटर विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 1,000 करोड़ आंकी गई। जडेजा 90 के दशक में अपने खेल के कारण छाये रहते थे। वह एक बेहतरीन बेट्समैन और जबरदस्त फील्डर और कप्तान रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद जडेजा ने फिल्मों में भी आये पर उसमें सफल न होने के बाद क्रिकेट से जुड़ी भूमिकाओं में ही व्यस्त रहे। वहीं अब उन्हें रियासत को संभालने की जिम्मेदारी मिली है। दशहरा के अवसर पर महाराजा शत्रुसल्य सिंह जी दिग्विजयसिंह जी जडेजा ने अजय जडेजा को जामनगर शाही सिंहासन का उत्तराधिकारी घोषित किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार , अजय जडेजा की कुल संपत्ति लगभग 1,40 करोड़ रुपये है पर अब वह कई गुना बड़ जाएगी। है।

बॉर्डर गावस्कर सीरीज में बुमराह पर अंकुश लगाना होगा : कमिंस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम को अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर अंकुश लगाये रखना होगा। कमिंस ने कहा कि अगर उनकी टीम को इस सीरीज में जीत चाहिये तो उन्हें किसी भी हाल में बुमराह को रोकना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अुनसार बुमराह अभी लय में हैं और हमारी उछल भरी पिचों पर उनकी गेंदों को खेलना आसान नहीं रहेगा। भारत ने साल 2014-15 से यह ट्रॉफी लगातार जीती है। उसने दो बार ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराया। कमिंस ने कहा, ''मैं बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अगर हम उस पर अंकुश कसने में सफल रहते हैं तो इससे हमें सीरीज जीतने में काफी सहायमता मिलेगी।''

कमिंस ने कहा कि उनकी टीम रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप की जीत से प्रेरित होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, ''हमने उनके खिलाफ जो पिछली दो सीरीज खेली थी उन्हें काफी समय हो गया है। हम उससे उबर चुके हैं।'' कमिंस ने कहा, ''मैं उनके रोहित शर्मा साथ एक टीम में कभी नहीं खेला इसलिए मैं उन्हें बहुत अच्छी तरह से नहीं जानता पर मुझे पता है कि भारतीय टीम काफी संगठित हैं और उनकी रणनीति सटीक है।''

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, '' हम पिछले कुछ साल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल और एकदिवसीय विश्व कप में जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। हम इनसे प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे जैसे कि उनकी टीम यहां अपनी पिछली कुछ सफलताओं से प्रेरणा लेने के प्रयास करेगी।'' कमिंस ने कहा कि भारतीय टीम में इस बार चेतेश्वर पुजारा नहीं रहेंगे जिससे भी हमें लाभ होगा। पिछल सीरीजों में भारतीय टीम की जीत में पुजारा की अहम भूमिका रही थी। वह एक छोर संभाले रखते थे और उन्हें आउट करना कठिन होता था।

एसीसी टी-20 इमर्जिंग टीम एशिया कप: कल होगा भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। नई दिल्ली -एसीसी टी-20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 में भारत ए का मुकाबला पाकिस्तान ए से शुक्रवार को होगा। ओमान में 18 से 27 अक्टूबर तक खेली जानी वाली इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले अल अमारात में ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर खेले जाएंगे।

भारतीय टीम कल पाकिस्तान ए के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इस प्रतियोगिता में आठ टीमों को चार-चार टीमों के दो समूहों में विभाजित किया गया है और टीमें राउंड रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

एशिया कप 2024 की टीमें और ग्रुप इस प्रकार है

ग्रुप ए: अफगानिस्तान ए, बांग्लादेश ए, श्रीलंका ए, हांगकांग चीन ग्रुप बी- भारत ए, पाकिस्तान ए (पाकिस्तान शाहीन्स), ओमान, संयुक्त आरामा अमीरात (यूएई)

एशियाई क्रिकेट टूर्नामेंट का यह छठा संस्करण है लेकिन यह पहली बार होगा कि एसीसी इमर्जिंग टीम एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। पिछले सभी पांच संस्करण 50-50 ओवर प्रारूप में आयोजित किए गए थे। भारत ने 2013 में उद्घाटन संस्करण का खिताब जीता था जबकि श्रीलंका ने 2017 और 2018 में खिताब पर कब्जा जमाया था। वहीं इसके बाद के दो संस्करणों 2019 और 2023 में पाकिस्तान शाहीन्स ने जीत हासिल की थी।

भारतीय क्रिकेट टीम इस प्रकार है

भारत ए : तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, अनुज रावत, प्रभसिमरन सिंह, नेहल वढेरा, अंशुल कंबोज, रितिक शौकीन, आकिब खान, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमंग बदानी बने दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय बल्लेबाज हेमंग बदानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स का प्रमुख कोच और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वेणुगोपाल रॉव को क्रिकेट निदेशक बनाया गया है। बदानी ने रिकी पोंटिंग की जगह ली है तो वहीं रॉव पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली के स्थान पर पदभार संभाला है। दोनों नियुक्तियां दिल्ली कैपिटल्स द्वारा कोचिंग स्टाफ और फ्रैंचाइजी की संचालन संरचना में सुधार का हिस्सा हैं। इसके अलावा डीसी ने 2014 से सहायक कोच और टैलेंट स्काउट के रूप में काम करने वाले प्रवीण आमरे के साथ अनुबंध को आगे नहीं बढ़ाने का भी फैसला किया है। गुरुवार को मीडिया को जारी बयान में फ्रैंचाइजी ने कहा, 'दोनों टीमों की नीलामी, कप्तानी, खिलाड़ियों की रिहाई और रिटेंशन जैसे महत्वपूर्ण निर्णय डीसी बोर्ड द्वारा किए जाएंगे और दोनों समूहों के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा पारस्परिक रूप से फैसला लिया जाएगा।' पुनर्गठन के तहत डीसी के सह-मालिक जीएमआर समूह और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स - आईपीएल और डब्ल्यूपीएल में अपनी टीमों के लिए हर दो साल में परिचालन नेतृत्व भूमिकाओं की अदला-बदली करेंगे। नतीजतन, गांगुली अगले दो सत्रों (2025 और 2026) के लिए डब्ल्यूपीएल में फ्रैंचाइजी के लिए क्रिकेट निदेशक का पद संभालेंगे। गांगुली 2027 सीजन से आईपीएल में वापस आ जाएंगे जब जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स वापस कार्यभार संभालेगा।

एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली 2025-26 की एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अगले साल 21 नवंबर से शुरु होने वाली इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इस सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पर्थ 21 नवंबर को पर्थ में पहला मैच होगा। वहीं ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं एडिलेड ओवल में तीसरा टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट प्री-क्रिसमस टेस्ट होगा, जो अगले दो टेस्ट, बॉक्सिंग डे टेस्ट, 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में सीरीज का चौथा मैच और 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नए साल का सीरीज का अंतिम मैच होगा।

एडिलेड ऑस्ट्रेलिया में सबसे पहले दिन-रात का पहला टेस्ट पहला मैच 2015 में हुआ था। इसके अलावा इस मैदान में साल 2017-18 और 2021-22 सीरीज में दो दिन-रात के टेस्ट हुए थे। गाबा ने पहले तीन दिन-रात टेस्ट की मेजबानी की थी जिसमें इस साल की शुरुआत में जनवरी में वेस्टइंडीज की प्रसिद्ध जीत भी शामिल थी।

यह पहली बार है जब ब्रिसबेन को 1982-83 के बाद से एशेज सीरीज के पहले मैच की मेजबानी नहीं मिली है। पर्थ पहला टेस्ट आयोजित करेगा और दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन में होगा। इस बात की अच्छी संभावना है कि एशेज 2025-26 गाबा टेस्ट स्टेडियम में आखिरी टेस्ट होगा क्योंकि 2026-27 और उसके बाद वहां कोई टेस्ट निर्धारित नहीं है। स्टेडियम अपनी मौजूदा स्थिति में 2030 तक उपयोग करने योग्य नहीं होगा।

सीए के कार्यकारी महाप्रबंधक (कार्यक्रम और संचालन) जोएल मॉरिसन ने पर्थ में कहा, 2025-26 एशेज की तिथियां हमारे हाल ही में जारी सात साल के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ हैं और हम राज्य और क्षेत्रीय सरकारों द्वारा हमारे प्रमुख आयोजनों को बढ़ाने और विकसित करने के लिए दिए जा रहे समर्थन के लिए आभारी हैं।

विराट कोहली 38 बार शून्य पर आउट हुए, हरभजन सिंह से भी निकले आगे

स्पोर्ट्स डेस्क । विराट कोहली एक और खराब प्रदर्शन देखने को मिला जब वह बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर आउट हो गए। गुरुवार को मैच की शुरुआत के लिए बारिश के कारण पूरे पहले दिन के खेल पर विराम से हुई। आश्चर्यजनक रूप से आसमान में बादल छाए रहने और अधिक बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यह फैसला उल्टा पड़ गया। कीवी तेज गेंदबाजों ने भारत को मैच में उतारा, जिन्होंने लंच तक मेजबान टीम को 23.5 ओवर में 6 विकेट पर 34 रन पर ढेर कर दिया। खराब स्कोरकार्ड में 5 भारतीय बल्लेबाज बिना खाता खोले आउट हुए जिसमें कोहली भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने अनचाहे रिकॉर्ड में एक और शून्य जोड़ा। अब 38 शून्य के साथ कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले शीर्ष पांच भारतीयों की सूची में एकमात्र बल्लेबाज हैं। उन्हें विलियम ओ%रुरके ने आउट किया, जो तेजी से अंदर आती हुई गेंद को बचाने की कोशिश करते हुए लेग साइड में कैच आउट हुए। दिलचस्प बात यह है कि सचिन तेंदुलकर 782 पारियों में 34 बार शून्य पर आउट (टेस्ट में 14 और वनडे में 20) के साथ इस सूची में छठे स्थान पर हैं। कोहली ने आखिरी बार टेस्ट में 32 पारियों पहले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में डक आउट किया था, जब न्यूजीलैंड ने 2021 में भारत का दौरा किया था।

आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत नहीं होंगे दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान, कतार में यह ऑलराउंडर शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी 2025 संस्करण में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी नहीं करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली को नए कप्तान की तलाश है और ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी पंत की जगह लेने की कतार में हैं जिन्हें 2021 में टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था।

सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, 'हां, दिल्ली कैपिटल्स को नए कप्तान की तलाश हो सकती है। संभावना है कि भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल नए कप्तान की भूमिका निभा सकते हैं, या फ्रैंचाइजी आईपीएल नीलामी (नवंबर के मध्य में विदेश में होने वाली) में किसी ऐसे व्यक्ति पर नजर रख सकती है जो कप्तानी के लिए उपयुक्त हो।' सूत्र ने कहा, 'पंत फ्रैंचाइजी के शीर्ष रिटेंशन के लिए तैयार हैं। यह सिर्फ इतना है कि डीसी के नेतृत्व समूह को लगता है कि कप्तानी के दबाव के बिना वह बेहतर स्थिति में हैं।'

पंत 2016 से आईपीएल में डीसी के साथ जुड़े हुए हैं। वह फ्रैंचाइजी के लिए आईपीएल इतिहास में सबसे ज़्यादा कैप्ड खिलाड़ी हैं और कैश-रिच लीग में टीम के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। मार्च 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज में भारत के लिए खेलते समय लगी चोट के कारण श्रेयस अय्यर के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद पंत को 2021 में डीसी का कप्तान नियुक्त किया गया था।

कप्तान के रूप में पंत के पहले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में शीर्ष पर रही, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दोनों क्वालीफायर मैच हारने के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही। आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले पंत को डीसी ने 16 करोड़ रुपए में रिटेन किया था और उन्होंने 2022 संस्करण में फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया, जहां दिल्ली अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। 30 दिसंबर 2022 को एक सड़क दुर्घटना में लगी कई चोटों के कारण वह 2023 संस्करण से चूक गए। वह आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के रूप में वापस लौटे और सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में सीजन समाप्त किया, लेकिन टीम एक बार फिर प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रही।

संक्षिप्त समाचार

घाना में हैजा के नौ मामले सामने आए

अकरा, एजेंसी। घाना के दक्षिण-पूर्वी ग्रेटर अकरा क्षेत्र में हैजा के नौ मामले सामने आए हैं। घाना स्वास्थ्य सेवा (जीएचएस) ने बताया है कि उसे अडा ईस्ट और अडा वेस्ट जिलों से यह पुष्टि प्राप्त हुई है कि रोगियों के नमूने हैजा के लिए सकारात्मक पाए गए हैं। हैजा का पहला मामला अडा ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में एक अंतिम संस्कार में भाग लेने के कुछ दिनों बाद उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसे लक्षणों के साथ सामने आया और उसको एक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 11 अक्टूबर तक, अडा ईस्ट और वेस्ट जिलों में ऐसे 9 मामलों की पुष्टि हो चुकी थी। महामारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि संपर्क पहचान, ट्रेसिंग और फॉलो-अप के सभी कार्य चल रहे हैं, जिसमें दैनिक सक्रिय सामुदायिक मामलों की खोज भी शामिल है। जीएचएस ने लोगों से स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करने और संक्रमण से बचने के लिए अच्छे से पके हुए भोजन का सेवन करने की सलाह दी है।

कनाडा को आरएसएस और भारतीय राजनयिकों से बढ़ा खतरा, जल्द लगे बैन- कनाडाई सिख नेता जगमीत सिंह

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के राष्ट्रीय पुलिस बल 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस द्वारा भारतीय राजनयिकों पर एक सिख अलगाववादी की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कनाडा के सिख नेता जगमीत सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय राजनयिकों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। सिंह 'न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता हैं, जिसने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सत्तारूढ़ सरकार का पूर्व में समर्थन किया था। भारत ने सिख अलगाववादी नेता की हत्या के मामले में कनाडा के आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि कनाडा आतंकवादी समूहों को पनाह दे रहा है तथा अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह खालिस्तान समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। सिंह ने ओटावा में एक संवाददाता सम्मेलन में सार्वजनिक सुरक्षा समिति के साथ आपातकालीन बैठक का अनुरोध किया ताकि यह बेहतर ढंग से समझा जा सके कि क्या वे कनाडाई लोगों की सुरक्षा के लिए कोई और कदम उठा सकते हैं। सिंह ने कहा, ''हम मांग करते हैं कि 'लिबरल पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार भारतीय राजनयिकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए और भारत के हिंसक, उग्रवादी, आतंकवादी भारतीय संगठन आरएसएस को बाहर निकाले, जो कनाडा और अन्य देशों में भी सक्रिय है। उन्होंने कहा, ''ये बहुत गंभीर आरोप हैं। यही बात सामने आई है कि भारत सरकार, विशेष कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार कनाडा में राजनयिकों के माध्यम से आपराधिक तत्वों से जुड़ी हुई है जिन्होंने कनाडावासियों के घरों पर गोलीबारी की, कनाडाई लोगों के कारोबारी प्रतिष्ठानों पर गोलीबारी की, कनाडाई लोगों की हत्या की। यह बहुत गंभीर है।

हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान अश्वेत लोगों से भेदभाव का मुद्दा उठाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेत पुरुषों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भेदभावपूर्ण प्रवर्तन नीतियों से निपटने के लिए कानून लाने पर जोर देते हुए मंगलवार को आगाह किया कि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप कठोर पुलिसिंग हथकंडों को ''संस्थागत'' बनाने की कोशिश करेंगे जिसका देशभर में अश्वेत पुरुषों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। रेडियो कार्यक्रम 'द ब्रेकफास्ट क्लब' के मेजबान चार्लामेगने से बातचीत में हैरिस ने कहा कि वह मारिजुआना को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए काम करेंगे जिसके कारण सबसे ज्यादा अश्वेत लोगों की गिरफ्तारियां होती हैं। साथ ही उन्होंने माना कि अश्वेत लोगों से रोजमर्रा की जिंदगी में नस्लीय भेदभाव किया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेत पुरुषों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल राष्ट्रपति पद के चुनाव में अंतिम वोट डाले जाने से ठीक 21 दिन पहले, हैरिस और ट्रंप उन प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं में जोश भरने की कोशिश कर रहे हैं जहां मुकाबला कड़ा लग रहा है। वह महिलाओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं जबकि ट्रंप अश्वेत पुरुषों के मुद्दों पर नरमी दिखा रहे हैं जिन्होंने अतीत में डेमोक्रेटिक पार्टी का भारी समर्थन किया है।

भारत-कनाडा विवाद में अमेरिका बोला- भारत सहयोग नहीं कर रहा, जांच में मदद करे

वाशिंगटन, एजेंसी। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे को लेकर भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद मंगलवार को और गहरा गया। कनाडा ने भारत के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया वहीं, भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। इस पूरे विवाद में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कनाडा के आरोपों को गंभीर बताया और कहा कि भारत को कनाडा के साथ इसकी जांच में सहयोग करना चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से कहा, जहां तक कनाडा के आरोपों की बात है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम चाहते हैं कि भारत सरकार कनाडा के साथ इसकी जांच में सहयोग करे। उन्होंने आगे कहा भारत ने इस मसले में एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा के गंभीर आरोपों के बाद भारत ने सोमवार को कनाडाई राजदूतों को 19 अक्टूबर तक देश छोड़ने के आदेश दिए। साथ ही निज्जर की हत्या की जांच से अपने राजनयिक को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज करते हुए वहां से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने की घोषणा की।

भारत ने कनाडा में आपराधिक गिरोहों से भारतीय एजेंटों को जोड़ने के कनाडाई अधिकारियों के प्रयासों को पुरजोर तरीके से खारिज किया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा है कि कनाडा का यह दावा सच नहीं है कि उसने निज्जर मामले में भारत के साथ साक्ष्य साझा किए थे। वहीं, दोनों देशों में तनाव बढ़ने के बीच कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि भारत के खिलाफ पाबंदी लगाने की संभावना बनी हुई है और हमारे पास ''सभी विकल्प विचाराधीन हैं।

3 दिन में भारत-कनाडा के बीच क्या-क्या हुआ : 13 अक्टूबर- कनाडा ने भारत को एक चिट्ठी भेजी। इसमें कहा कि भारतीय हाई-कमिश्नर संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमैट्स एक मामले में संदिग्ध हैं। कनाडा ने मामले की जानकारी नहीं दी, पर इसे निज्जर मामले से जोड़कर देखा गया। 14 अक्टूबर- भारत ने अपने डिप्लोटमैट्स को संदिग्ध बताए जाने पर विरोध जताया और कनाडा के राजदूत को तलब किया। कुछ ही घंटों बाद भारत ने संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमेट्स को वापस बुला लिया। देर रात खबर आई की कनाडा ने भी भारत से अपने 6 राजदूतों को वापस आने का आदेश दिया है। 15 अक्टूबर- कनाडा के प्रधानमंत्री ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया। दावा- अमित शाह के इशारे पर खालिस्तानियों पर हमला हुआ अमेरिकी मीडिया हाउस वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि गृह मंत्री अमित शाह और रॉ एजेंसी ने मिलकर कनाडा में खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और खालिस्तानी आतंकियों पर हमले की इजाजत दी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने एक कनाडाई अधिकारी के हवाले से बताया कि भारतीय डिप्लोमैट्स कई लोगों पर कनाडा जाने की इजाजत के बदले खुफिया जानकारी देने का दबाव बनाते थे। इस काम का नेतृत्व कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर संजय वर्मा करते थे। रिपोर्ट के मुताबिक 12 अक्टूबर को कनाडा के एनएसए ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को एक मीटिंग में इसकी जानकारी भी दी थी।

यूक्रेनी सेना में भर्ती के लिए छापेमारी-बार, रेस्टोरेंट से लेकर शादी समारोह तक में रेड

कीव, एजेंसी। सैनिकों की कमी से जूझ रही यूक्रेनी सेना अब शादी समारोह, नाइट क्लब, बार, रेस्टोरेंट और कॉन्सर्ट हॉल जैसी जगहों पर छापे मार रही है। दरअसल, यूक्रेन ने जंग की शुरुआत के बाद से ही पुरुषों के लिए सेना में शामिल होना अनिवार्य कर दिया था। इसके लिए इस साल अप्रैल में युवाओं से पंजीयन कराने के लिए कहा गया था। इस आदेश के बाद से यूक्रेन के युवा सेना में शामिल होने से बचने की कोशिशों में लगे हुए हैं। यूक्रेन फरवरी 2022 से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस जंग में यूक्रेन करीब 80 हजार सैनिकों की मौत हो चुकी है। इस वजह से सैनिकों की कमी हो गई, जिसके चलते यूक्रेन नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि सेना में कम से कम 5 लाख युवाओं की भर्ती करने की जरूरत है। राजधानी कीव में सेना के लिए पंजीयन नहीं कराने वाले युवाओं की पहचान के लिए सेना के छापे आम हो गए है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सेना का ये अभियान मुख्य रूप से युवाओं के सैन्य पंजीकरण दस्तावेजों की जांच और नियमों का उल्लंघन करने वालों को गिरफ्तार करने के लिए है।

गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा दौर शुरू, करीब 6 लाख बच्चों को दी जाएगी खुराक, संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायली हमलों में तबाह हो चुके गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभियान गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र में शुरू हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को कहा कि दो सप्ताह से भी कम समय में, यूएनआरडब्ल्यूए (फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी), विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष का लक्ष्य 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 5,90,000 बच्चों को नोवल ओरल पोलियो वैक्सीनेशन की दूसरी खुराक देना है। टीकाकरण का पहला चरण 1 से 12 सितंबर तक लागू किया गया था, जिसमें 5,59,000 से अधिक बच्चों तक पहुंचा गया। पहले दौर की तरह, दूसरे दौर में भी तीन चरण होंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन अभियान दिवस और एक कैच-अप दिवस शामिल होगा। गाजा में अल अक्सा अस्पताल के पास विस्थापित लोगों के टेंटों पर रविवार रात को इजरायली हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, संयुक्त राष्ट्र के कार्यवाहक अवर महासचिव जॉयस मसूया ने कहा कि फिलिस्तीनियों को जो परेशानियां झेलनी पड़ रही है, उसका कोई अंत नहीं है। एक बयान में, मसूया ने कहा कि गाजा में लोगों के लिए वास्तव में कोई सुरक्षित स्थान नहीं है। उन्होंने अत्याचारों को समाप्त करने, नागरिकों और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा की मांग की। बता दें इस हमले में कई लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों सहित कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इससे कुछ घंटे पहले नुसेरात में एक स्कूल में बने शेल्टर पर हमला हुआ था, जिसमें कथित तौर पर 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ट्रेवल एडवाइजरी - छोड़ दें इजरायल

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने इजरायल और फिलिस्तीन के लिए अपनी ट्रेवल एडवाइजरी को अपग्रेड किया है। लोगों से कहा गया कि वे इस क्षेत्र की यात्रा न करें। इसके साथ ही इजरायल में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से देश छोड़ने अपील की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने सोमवार रात को इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों के लिए आधिकारिक ट्रेवल एडवाइजरी में बदलाव कर उसे उच्चतम चेतावनी स्तर पर पहुंचा दिया। सरकार की स्मार्टट्रैवलर सर्विस के जरिए भेजे गए अपडेट में, विभाग ने कहा कि अब वह ऑस्ट्रेलिया के लोगों को अस्थिर सुरक्षा स्थिति, सशस्त्र संघर्ष, नागरिक अशांति और आतंकवाद के कारण दोनों क्षेत्रों में यात्रा न करने की सलाह देता है। अपडेट में कहा गया, यदि आप इजरायल में हैं, तो आपको कमर्शियल फ्लाइट्स उपलब्ध रहने, सीमा पार करने के रास्ते खुले रहने और ऐसा करना सुरक्षित होने तक वहां से चले जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में, विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि सरकार को इस बात की गंभीर चिंता है कि इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। विभाग ने ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों और क्षेत्र में स्थायी निवासियों को क्राइसिस रजिस्टर्ड पोर्टल पर रजिट्रेशन करने की सलाह दी।

अमेरिका का दुश्मनों से ज्यादा सहयोगियों ने फायदा उठाया, चुनाव से पहले यूरोपीय संघ पर ट्रंप ने कसा तंज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है। इस बीच ट्रंप ने ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी देशों को लेकर एक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के दुश्मनों से ज्यादा उसके सहयोगियों ने इसका फायदा उठाया है। सहयोगी से उनका मतलब यूरोपीय संघ से है।

ट्रंप ने कहा, हमारे दुश्मनों से ज्यादा सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया। हमारे सहयोगी यूरोपीय संघ है। यूरोपीय संघ के साथ हमारा व्यापार घाटा 300 अरब अमेरिकी डॉलर का है। उन्होंने आगे कहा, हमारे बीच व्यापार सौदे इतने खराब थे कि मैंने पूछा कि वे कौन हैं, जो ऐसा कर रहे हैं। या तो वे बहुत मूर्ख है या फिर उन्हें इसके लिए भुगतान मिल रहा है। ट्रंप ने कहा, मैंने चीन पर 27.5 प्रतिशत का टैरिफ लगाया। अगर ऐसा नहीं करता तो हम चीनी कारों से भर जाते। हमारी सभी फैक्टरियां बंद हो जाती। ऑटो इंडस्ट्री में हमारे पास नौकरी नहीं होती। यह बिजली पर निर्भर करती है, जैसा कि मैंने समझाया। मैंने दक्षिण कोरिया पर टैरिफ लगाया, क्योंकि वे ट्रक से इसे भेज रहे थे। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ने आगे कहा, क्या आप जानते हैं कि हमारी कार कंपनियां छोटे ट्रक और एसयूवी से पैसा कमाती है। अगर मैंने टैरिफ हटा दिए तो आप परेशान हो जाएंगे। प्रत्येक कार कंपनी व्यवसाय से बाहर हो जाएगी। पुतिन के साथ अपने संबंधों का किया बचाव रूस को लेकर सवाल किए जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर अपने संबंधों का बचाव किया। टैरिफ पर उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत देश है। ट्रंप ने कहा, भारत एक मजबूत देश है। यह केवल चीन नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि चीन बहुत मजबूत देश है। क्या आपको मालूम है कि सबसे कठिन क्या है? यूरोपीय संघ, हमारे खूबसूरत और अद्भुत यूरोपीय देश। अगर आप इन्हें एकसाथ कर लें तो यह बिलकुल हमारे आकार के हैं। वे हमारे साथ बहुत बुरा व्यवहार करते हैं। ट्रंप ने कहा, हम कंपनियों को वापस लाएंगे। हम उन कंपनियों के लिए टैक्स को और कम करने जा रहे हैं जो अमेरिका में अपना उत्पाद बनाने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि वे इन कंपनियों को मजबूत टैरिफ से बचाने जा रहे हैं, क्योंकि वे टैरिफ में विश्वास रखते हैं।

रूस को मदद का आरोप, यूरोप जाने वाली ईरान की इकलौती फ्लाइट पर लगा ब्रेक : मास्को, एजेंसी। ईरान के इजराइल पर हमला करने के बाद से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं. इस हमले के बाद अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों का दायरा और बढ़ा दिया है. जिसके बाद ईरान बाहरी दुनिया से और ज्यादा कट गया है. इसके अलावा ये प्रतिबंध यूक्रेन के खिलाफ रूस को मिसाइल देने के आरोप में भी लगाए जा रहे हैं. ईरानी अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी कि यूरोपीय संघ के देशों को जाने वाली एकमात्र ईरानी एयरलाइन 'ईरान एयर' ने यूरोपीय संघ की ओर से लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद यूरोप के लिए अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं. ईरानी एयरलाइंस एसोसिएशन के डायरेक्टर मकसूद असादी समानी ने कहा, ईरान एयर हमारे देश की एकमात्र एयरलाइन थी जो यूरोप के लिए उड़ान भरती थी और ईरान एयर के खिलाफ यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों को देखते हुए, अब एक भी ईरानी फ्लाइट यूरोप नहीं जा पाएगी।

भारत से लौटते ही मुइज्जू ने बदल डाली सरकार! 7 मंत्रियों-43 उपमंत्रियों को हटाया

माले, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से लौटने के बाद अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया है। भारत से आर्थिक पैकेज लेकर लौटते ही मुइज्जू ने अपनी सरकार के सात राज्य मंत्री, 43 उपमंत्री, 109 वरिष्ठ राजनीतिक निदेशक और 69 राजनीतिक निदेशकों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनका मानना है कि इससे सरकारी खजाने में बड़ी बचत होगी। इसके पीछे मकसद सरकारी खर्च कम करना है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू ने मंगलवार को राजकोषीय और बाहरी असंतुलन को दूर करने, निवेशकों का विश्वास बनाने और मध्यम अवधि में ऋण को कम करने के लिए प्रमुख लागत-कटौती सुधार की घोषणा की। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट के माध्यम से इस निर्णय को जनता के साथ साझा किया। मुइज्जू ने एक्स पर लिखा, आर्थिक सुधार एजेंडे के भाग के रूप में,

प्रत्यक्ष लागत-कटौती उपाय के रूप में मैंने आज अगले 15 दिनों के भीतर विभिन्न सरकारी मंत्रालयों से 228 राजनीतिक नियुक्तियों को हटाने का निर्देश दिया है। इसमें 7 राज्य मंत्री, 43 उप मंत्री, 109 वरिष्ठ राजनीतिक निदेशक और 69 राजनीतिक निदेशक शामिल हैं। इससे सरकारी बजट से प्रति माह 5।714 मिलियन आरएफ की बचत होगी। तब भारत ने दिया था बड़ा पैकेज वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में कहा था कि मालदीव की आर्थिक हालत काफी तेजी से खराब हो रही है। वहां की अर्थव्यवस्था कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में मालदीव को तुरंत आर्थिक सुधारों की जरूरत है। इसी के बाद मुइज्जू भारत आए और आर्थिक पैकेज की मांग की। भारत ने उन्हें 400 मिलियन डॉलर का पैकेज दिया है। भारत से लौटने के बाद मुइज्जू आर्थिक हालात को सुधारने के लिए लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। सरकारी मंत्रालयों, राष्ट्रपति कार्यालय, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति निवास में काम करने वालों की संख्या में कटौती की गई है। कर्ज के बोझ तले डूबा मालदीव मालदीव बजट घाटे और कर्ज के बोझ से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 440 मिलियन डॉलर तक गिर जाने के कारण उसे कर्ज चुकाने में दिक्कत हो रही है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के कार्यकाल के दौरान मालदीव ने चीन से भारी उधार लिया था। अभी भी चीन का मालदीव पर 1।37 बिलियन डॉलर बकाया है। मालदीव को पता है कि उसे सिर्फ भारत ही इस मामले में मदद कर सकता है।

हिजबुल्ला ने इस्राइल पर दागे 50 से ज्यादा रॉकेट; अमेरिका ने दी हथियारों की सप्लाई रोकने की धमकी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना ने कहा है कि लेबनान की तरफ से बीती रात उनके साफेद इलाके में 50 से ज्यादा रॉकेट्स दागे। हालांकि इन हमलों में किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इस्राइली सेना ने बताया कि देर रात करीब 1.40 बजे के करीब लेबनान की तरफ से हमला हुआ। हालांकि अधिकतर रॉकेट को इस्राइल की हवाई सुरक्षा द्वारा हवा में ही तबाह कर दिया गया। कुछ रॉकेट रिहायशी इलाकों में गिरे, लेकिन उनसे भी कुछ खास नुकसान नहीं हुआ। हिजबुल्ला ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत : इस्राइल के तटीय शहर अशोद में मंगलवार को हुए एक आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। दरअसल मंगलवार को एक आतंकी ने लोगों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में फर्स्ट सार्जेंट आदिर कदोश (33) गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते हुए उनकी मौत हो गई। आतंकी की पहचान 28 साल के मोहम्मद दारदौना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आतंकी गाजा के जाबालिया का निवासी था और फिलहाल वेस्ट बैंक में रह रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी पैदल ही इस्राइली इलाके में दाखिल हुआ और जब पुलिस ने उसे देखकर रुकने का इशारा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

एक एंबुलेंस ड्राइवर ने आतंकी को गोली मार दी।

अमेरिका ने इस्राइल को दी चेतावनी : व्हाइट हाउस ने इस्राइल को चेतावनी दी है कि अगर एक महीने में गाजा में मानवीय मदद को बेहतर नहीं किया गया तो वह इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। अमेरिका ने कहा कि हाल के महीनों में गाजा में भेजी जा रही मानवीय मदद में कमी आई है। इस्राइली मीडिया के अनुसार, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस्राइल की सरकार को एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें बीते कुछ महीनों में गाजा पट्टी में भेजी जा रही राहत सामग्री में कमी को लेकर नाराजगी जताई गई है।

बिलावल भुट्टो ने की भारत-पाकिस्तान वार्ता की वकालत

इस्लामाबाद, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई आयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इन दिनों पाकिस्तान की यात्रा पर हैं। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता की वकालत की है। भारत ने इस्लामाबाद में चल रहे एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। एआरवाई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष ने दोनों देशों से एससीओ बैठक के दौरान बातचीत करने का आग्रह किया है।

उन्होंने सवाल किया, इतना कठोर क्यों होना चाहिए? दोनों देशों को शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करने के बारे में सोचना चाहिए। आज हो या कल, दोनों देशों को जल्द द्विपक्षीय वार्ता फिर से शुरू करनी होगी। आपको बता दें कि भारत ने पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद की समस्या को हल किए बिना किसी भी तरह की वार्ता से साफ इनकार कर दिया है।

मंगलवार को पाकिस्तान के पूर्व अंतरिम प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकर ने कहा कि भारत के साथ अपने संबंधों में सुधार देखने के लिए पाकिस्तान में गहरी इच्छा है। काकर ने कहा कि पाकिस्तान की सेना, राजनीतिक दल और देश के कई अन्य वर्ग नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंधों में आगे की गति चाहते हैं। हालांकि, इसकी जमीनी हकीकत का एहसास भी जरूरी है। भारतीय मीडिया के द्वारा पूछे गए एक सवाल

का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि द्विपक्षीय संबंधों में कोई सफलता मिलने की कोई उम्मीद है।

उनसे पूछा गया कि अगर पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है तो उसने दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक का प्रस्ताव क्यों नहीं रखा। इसके जवाब में काकर ने कहा कि अगर ऐसा कोई कदम उठाया जाता है तो पाकिस्तान के विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करने से भी आशंकित है। उन्होंने कहा कि अगर वर्तमान राजनीतिक माहौल में कोई भी एक इंच भी पीछे हटता है, तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। काकर ने पाकिस्तान और भारत के बीच संबंधों में सुधार की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि दोनों पक्षों को इसके लिए तरीके खोजने चाहिए। आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

भारत-पाकिस्तान के संबंध : भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तब गंभीर तनाव में आ गए थे जब फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया था। 5 अगस्त 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर की विशेष शक्तियों को वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा के बाद संबंध और भी खराब हो गए।

मध्यप्रदेश के बेटी निकिता ने जीता फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब

भोपाल। मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं। 18 साल की निकिता ने अपने करियर की शुरुआत टीवी एंकर के रूप में की थी। उन्हें पिछले साल की विजेता नंदिनी गुप्ता ने ताज पहनाया, और नेहा धूपिया ने मिस इंडिया का सैश दिया। निकिता ने राजस्थान की नंदिनी की जगह ली, जिन्होंने 2023 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था।

भीषण सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार की मौत, चार घायल

मथुरा। यूपी के मथुरा जिले के कोसीकलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुये एक सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुये घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे ने बताया कि हरियाणा के पलवल जिले के होडल कस्बे की ओर जा रही पिकप गाड़ी कोसी शेरगढ़ मार्ग पर नगला सातबिसा के पास एक बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे बिजली का तार टूट गया। इससे घबड़ाकर सभी अपने बच्चों को लेकर पिकप के नीचे कूद पड़े। इसी बीच पिकप चालक ने दुर्घटना बचाने के लिए गाड़ी को पीछे की ओर चला दिया जिससे आठ लोग मैक्स पिकप से घायल हो गए तथा कुछ समय बाद चार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में गौरीदेवी (35), कोमल (2), कुंतीदेवी (28), प्रियंका (2) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि घायल काजल (17), जीरा (19), माना (21), गगन (3) को गंभीर हालत में सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सभी हताहत बिहार के गया जिले से रेलगाड़ी से चलकर अलीगढ़ तक आए थे। वे किराये की एक मैक्स पिकप गाड़ी कर होडल जिला पलवल, हरियाणा के एक भट्ठे में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में पड़ने लगी हल्की ठंड, दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में दिन में तेज धूप और शाम होने के साथ ही हल्की-हल्की ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं यूपी, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब में सुबह-शाम ठंड पड़ने लगी है और हल्की धुंध भी छाने लगी है। हालांकि पंखे अभी भी चल रहे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले हफ्ते दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। गुरुवार को दिल्ली समेत उत्तर भारत में मौसम सामान्य रहेगा। सुबह-शाम ठंड का अहसास होगा। दिल्ली में 17 से 21 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री के आसपास रहेगा। वहीं दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अभी भी कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें आंध्र प्रदेश के अलावा बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगर शामिल हैं। तमिलनाडु में चेन्नई समेत अन्य जगहों पर भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। कॉलोनियों से लेकर सड़कों तक पानी भर गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई हैं। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। गुरुवार को भी रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो हो सकती है। चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की संभावना है।

नशे के कारोबार पर हुए चौंकाने वाले खुलासे,मिली भगत से 7 राज्यों में फैला नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और गुजरात से 13 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़े जाने के बाद जो खुलासे हो रहे हैं वो चौंकाने वाले हैं। आरोपियों से पूछताछ और जांच एजेंसियों की जांच में जो भी सामने आ रहा है वो काफी डरावना है। बताया जा रहा है कि इस नशे के कारोबार में ऐसे ऐसे दिग्गजों का संरक्षण है जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती है। तस्करों का नेटवर्क दिल्ली, पंजाब, कश्मीर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश तक फैला था। 'भारत की बर्बादी का सामान सबसे पहले गुजरात पहुंचता था।इस नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय से लेकर स्थानीय तस्कर शामिल हैं। दुबई से सरगना वीरेंद्र बसोया उर्फ वीरू के निर्देश पर यूके का तस्कर सतविंदर इसे समुद्री मार्ग के जरिए गुजरात तक पहुंचाता था, जहां फार्मास्यूटिकल कंपनी में कच्चे माल को रिफाइन कर इसे तस्करी के ट्रांजिट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल की जा रही दिल्ली भेजा जाता था।इसके बाद अन्य प्रदेशों में इसकी सप्लाई होती थी। कोकीन की खेप गुजरात पहुंचाने वाले कई फरार पूछताछ में आरोपियों ने यह भी खुलासा किया है कि अबतक बरामद करीब 1,300 किलो कोकीन की खेप दक्षिण अमेरिकी देशों से तस्करों द्वारा गुजरात की ड्रग्स कंपनी तक पहुंचाई गई थी। हालांकि, गिरोह का पर्दाफाश होते ही नेटवर्क से जुड़े कई बड़े खिलाड़ी खासतौर से यूके नागिरक और उसके नेटवर्क से जुड़े तस्कर भूमिगत हो गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन हो गया है। उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद पर विरामान हो गए हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई बड़े नेता उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह सरकार में शामिल नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली निर्वाचित सरकार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उमर अब्दुल्ला को सीएम बनने पर बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा कि बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा लगता है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से लोकतंत्र छीन लिया गया था। उन्होंने वादा किया कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-आज हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हैं।

उमर अब्दुल्ला ने राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी से उन्हें और उनके परिवार को बहुत प्रोत्साहन मिला। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के लोग आपकी ओर देख रहे हैं। हमें अपना राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। प्रियंका गांधी के साथ आपकी उपस्थिति ने हमें बहुत प्रोत्साहन दिया और परिवार को वास्तव में आप दोनों के साथ कुछ समय बिताकर खुशी हुई। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस इस बात से नाखुश है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए हम फिलहाल सरकार में शामिल नहीं हो रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई। जम्मू-कश्मीर की जनता को आपके वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए धन्यवाद। भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, इंडिया गठबंधन सरकार लोगों के लंबित अधिकारों को बहाल करने के साथ-साथ अपने सभी वादों और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

भारत माता की जय और राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने की अनोखी सजा

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत दे दी है। लेकिन जमानत के साथ आरोपी को भोपाल के एक पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने और महीने के अंत तक महीने में दो बार भारत माता की जय का नारा लगाने का निर्देश दिया है।

आरोपी की पहचान फैजल उर्फ फैजान के रूप में हुई है, इस मई में मिसरोद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि फैजान के कार्यों ने कलह को बढ़ावा दिया और देश की अखंडता को कमजोर किया। अदालत के फैसले में न्यायमूर्ति पालीवाल ने कहा कि फैज़ान को 50,000 रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि की एक सॉल्वेंट ज़मानत जमा करने पर रिहा किया जा सकता है। इसके अलावा, अदालत ने जमानत के हिस्से के रूप में कई अनूठी शर्तें लगाईं। फैजान को मुकदमा खत्म होने तक हर महीने के पहले और चौथे मंगलवार को मिसरोद पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना होगा। इस दौरान पुलिस स्टेशन पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देनी होती है और दो बार भारत माता की जय का नारा लगाना होता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ये स्थितियाँ उनमें उस देश के लिए गौरव की भावना पैदा करने के लिए बनाई गई थीं जिसमें उनका जन्म और पालन-पोषण हुआ था।

चीन सीमा के पास गाँव में फंसे मुख्य चुनाव आयुक्त, पूरी रात अंधेरे में बिताई

-16 घंटे बाद रेस्क्यू कर हेलीकॉप्टर से सुरक्षित मुनस्यारी पहुंचाया

देहरादून (एजेंसी)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार उत्तराखंड के पिथौरागढ़ ज़िले में खराब मौसम के चलते चीन सीमा के पास एक सुदूर गाँव रालम में फंस गए थे। करीब 16 घंटे बाद गुरुवार सुबह उन्हें हेलीकॉप्टर से सुरक्षित मुनस्यारी पहुँचाया गया। राजीव कुमार मिलम जा रहे थे, तभी खराब मौसम के कारण उनके हेलीकॉप्टर को रालम गाँव में उतरना पड़ा। यह घटना बुधवार को हुई। उनके साथ उत्तराखंड के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे और सीईसी के पीएसओ नवीन कुमार भी थे। रात उन्हें ग्रामीणों की मदद से एक घर मिला और उन्होंने पूरी रात अंधेरे में आग के सामने हाथ तापते हुए बिताई।

रालम गाँव में बिजली और फ़ोन जैसी बुनियादी सुविधाएँ नहीं हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के कारण तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। राजीव कुमार और उनकी टीम इस ठंड और असुविधा का सामना करना पड़ा। गुरुवार सुबह मौसम साफ होने पर उन्हें और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से मुनस्यारी लाया गया। मुनस्यारी हेलीपैड पर पिथौरागढ़ के प्रशासनिक अधिकारी, आईटीबीपी और बीआरओ के अधिकारी और कर्मचारी उनकी अगवानी के लिए मौजूद थे। यह घटना पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम की अनिश्चितता को दर्शाती है। राहत की बात यह है कि सीईसी और उनकी टीम सुरक्षित हैं।

चीन के कब्जे वाले तिब्बत की सीमा से लगे पिथौरागढ़ जिले के इस सुदूर इलाके में देश के आजाद होने के बाद भी माइग्रेशन होता है। रालम में रहने वाले लोगों को बिजली संकट से जूझना पड़ता है। शासन-प्रशासन रालम गांव को आज भी बिजली सेवा से नहीं जोड़ सका है लेकिन हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिग के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ा। मदद पहुंचने में होने वाली देरी से रालम में फंसे मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम के लिए गांव में रात गुजरना ही आखिरी विकल्प था। गांव में एक घर खुलवाया गया। चीन सीमा के नजदीक बसे इस गांव में हर साल अप्रैल से अक्टूबर प्रथम सप्ताह तक तीन हजार से ज्यादा लोग माइग्रेट होकर पहुंचते हैं। करीब साढ़े चार माह तक ग्रामीण रालम में ही रहते हैं।

तेजस्वी का आरोप, बिहार में कहें कि शराबबंदी... लेकिन हर चौक-चौराहों पर उपलब्ध

-नीतिश को कुछ खिलाया जा रहा, वे बिहार चलाने लायक नहीं रह गए

पटना (एजेंसी)। जहरीली शराब के सेवन से सीवान में 20 और छपरा में 4 लोगों की दुखद मौत के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला कर कहा कि मुख्यमंत्री और उनका किचन कैबिनेट अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के प्रणेता बने हैं। तेजस्वी ने लिखा कि सत्ता संरक्षण में जहरीली शराब के कारण 27 लोगों की हत्या की गई है। दर्जनों की आँखों की रोशनी चली गई। बिहार में कथित शराबबंदी है, लेकिन सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक-चौराहों पर शराब उपलब्ध है।

राजद नेता ने कहा कि इतने लोग मारे गए लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ने शोक-संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते है लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट के लिए यह सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि कितने भी लोग मारे जाए लेकिन मजाल है किसी वरीय अधिकारी पर कोई कारवाई हो? इसके विपरीत उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा?

तेजस्वी ने कहा कि अगर शराबबंदी के बावजूद बिहार के हर चौक-चौराहे व नुक्कड़ पर शराब उपलब्ध है, तब क्या यह गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता नहीं है? क्या मुख्यमंत्री जी होशमंद है? इन हत्याओं का दोषी कौन? उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक के नाम पर ढोंग होता है। नीतीश को लेकर तेजस्वी ने बड़ा दावा किया कि उन्हें कुछ खिलाया-पिलाया जा रहा है। अब वह बिहार चलाने लायक नहीं रह गए।

गुरुवार को नीतीश ने सीवान और सारण जिले में हुए जहरीली शराब कांड की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के बाद सीएम ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को मौके पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेने और सभी बिंदुओं पर गहन जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

यह सिर्फ भाजपा-आरएसएस का प्रचार, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की आंखों से काली पट्टी उतरी ,संजय राउत ने जताया ऐतराज

मुंबई (एजेंसी)। औपनिवेशिक विरासत को त्यागने और अधिक समकालीन न्याय को अपनाने और न्याय के भारतीयकरण को देखने के प्रयास में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पुस्तकालय के लिए लेडी जस्टिस की एक पुनः डिज़ाइन की गई प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा में लेडी जस्टिस की तलवार को संविधान के साथ प्रतिस्थापित किया गया है, उनकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है और वह एक साड़ी में हैं। हालाँकि, शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत नई प्रतिमा को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। परिवर्तन की निंदा करते हुएराउत ने इसे भाजपा-आरएसएस का प्रचार करार दिया है।

इस प्रतिमा का अनावरण 2023 में सीजेआई चंद्रचूड़ ने किया था, जिसके बाद से ही ये तस्वीर वायरल हो गई। आंखों पर पट्टी बांधने का मतलब कानून के समक्ष समानता का प्रतिनिधित्व करना था, जिसका अर्थ था कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य मार्करों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर स्थापित की गई नई प्रतिमा में आंखें खुली हैं और बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

नई प्रतिमा के पीछे स्पष्ट और प्रगतिशील इरादे के बावजूद, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस बदलाव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन भाजपा और आरएसएस का एक प्रचार और एक अभियान है। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए पूछा कि न्याय की मूर्ति के हाथ में तलवार की जगह संविधान देकर वे क्या साबित करना चाह रहे हैं? वे पहले से ही संविधान की

हत्या कर रहे हैं और प्रतिमा से आंखों की पट्टी हटाकर वे चाहते हैं कि हर कोई भ्रष्टाचार और संविधान की हत्या को खुलेआम देखे।

मेरे परिवार को न्याय चाहिए ! बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बेटे जीशान ने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए न्याय की मांग की है, उनका कहना है कि मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज, मेरा परिवार टूट गया है लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए! एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें निर्देश मिले थे कि बाबा सिद्दीकी ही नहीं उनके बेटे जिशान भी उनके निशाने पर थे। खबर के अनुसार शूटर्स को निर्देश मिले हुए थे कि जो भी मिले उसे मार डालो। पूछताछ में आरोपियों ने अपने प्लान के बारे में भी बताया है।

खबरों के अनुसार आरोपियों ने पहले बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे की आंखों पर काली मिर्च वाला स्प्रे मारना चाहते थे उनका सोचना था कि ऐसे सिद्दीकी परिवार के लोगों को दिखना बंद हो जाएगा। लेकिन ये प्लान पूरा नहीं हो पाया क्योंकि इस केस के आरोपी शिव कुमार गौतम ने सारे प्लान छोड़ते हुए फायर प्लान खोल दिया। जिससे अन्य आरोपियों को भी पहले ही फायर करना पड़ा। बाबा सिद्दीकी के साथ एक और व्यक्ति को गोली लगी थी। जिस समय गोली जीशान सिद्दीकीचली वो मौका-ए-वारदात से गुजर रहा था। उसी समय व्यक्ति को गोली लग गई। उसे उपचार के लिए भाभा अस्पताल भर्ती कराया गया।

सूत्रों ने बताया कि जीशान खाना खाने के लिए पहले ही निकल चुके थे। सूत्रों ने बताया कि अगर जीशान सिद्दीकी खाने के लिए निकले नहीं होते, तो उनकी भी हत्या हो सकती थी। जीशान बांद्रा से ही कांग्रेस विधायक हैं। उनके विधानसभा क्षेत्र में स्क्री-डेवलपमेंट को लेकर विवाद चल रहा था।

सीबीआई, ईडी और आयकर को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए

-मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सीबीआई, ईडी और आयकर जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में जीतने को तैयार है।

सिद्धारमैया ने कहा कि प्रदेश में नवंबर में होने वाले उपचुनाव का कांग्रेस पार्टी प्रभावी ढंग से मुकाबला करेगी और सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के अधीन आने वाले सीबीआई, ईडी और आईटी सहित सभी संगठनों को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए और किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नागेंद्र (पूर्व मंत्री बी नागेंद्र) ने कहा है कि उन पर ईडी ने दबाव डाला था। उन्होंने बताया कि उन पर मेरा और डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) का नाम लेने का दबाव डाला गया था।

पूर्व कैबिनेट मंत्री बी नागेंद्र ने जेल से बाहर आने पर आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रूपये के कथित घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का नाम लेने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर दबाव डाला था।

मैरिटल रेप मामले की सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई: एनल सेक्स रेप नहीं... हम इसी को चुनौती दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सीजेआई ने सुनवाई करते हुए कहा, अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि, जब पत्नी 18 साल से कम की होती है, तब यह रेप है और जब यह 18 साल से अधिक की होती है, तब यह नहीं है। यही बीएनएस और आईपीसी में अंतर है। इस पर वकील नंदी ने कहा, यदि पति एनल सेक्स करता है, तब पत्नी को अपवाद 2 के तहत छूट दी जाती है, जबकि यह यौन क्रिया नहीं है। इस पर जबाव देकर सीजेआई ने कहा कि कानून कहता है कि चाहे वजाइनल सेक्स हो या एनल सेक्स। जब तक यह विवाह के भीतर किया जाता है, तब तक यह बलात्कार नहीं होगा। वकील नंदी की जिहर, धारा 63 ए यह भी कहती है कि यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष का लिंग किसी महिला की योनि, मुंह आदि में इंसर्ट कराता है तब वह भी बलात्कार होगा। इस पर सीजेआई, लेकिन यह अपवाद के अंतर्गत नहीं आएगा। सुनवाई में हिस्से लेते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यौन क्रिया शब्द को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है? मान लीजिए कि कोई पति पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तब क्या वह अपवाद 2 के अंतर्गत आएगा? नहीं, वह नहीं आएगा। वकील नंदी अपनी बात रखते हुए, वह आएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नहीं, यह गलत व्याख्या है। वकील नंदी ने कहा कि यदि किसी महिला के साथ पति, अजनबी या तलाकशुदा पति द्वारा जबरन संबंध बनाया जाता है, तब यह रेप ही है। अगर लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला के साथ बिना सहमति सेक्स किया जाता है तब यह भी रेप है, लेकिन अगर किसी विवाहित महिला के साथ ऐसा होता है तब यह रेप क्यों नहीं? इस दलील पर सीजेआई ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि, पति-पत्नी के बीच बिना इजाजत के संबंध बनाने को अपराध घोषित करने विवाह संस्था अस्थिर होगी। इस पर आपका क्या कहना है? इस पर वकील नंदी ने बताया कि एक पुराने केस (केएस पुट्टुस्वामी मामले) में यह माना गया कि निजता की आड़ में महिलाओं के अधिकारों का हनन या लिंग आधारित हिंसा नहीं की जा सकती।